शुभ लाभ

शुभ लाभ DAILY

खबरें जो सोच बदल दे

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

स्नेहमयी कृष्णा ने तीसरे लोकायुक्त अधिकारियों के खिलाफ शिकायत की @ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । शुक्रवार, 14 मार्च, 2025 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-6 रु.। वर्ष-7 । अंक-72

तमिलनाडु के सीएम एमके स्टालिन ने शुरू की ओछी सियासत

भाषाई राजनीति के बजाय भाषाई घृणा पर उतारू

चेन्नई, 13 मार्च (एजेंसियां)।

डीएमके की अगुवाई वाली एमके स्टालिन सरकार सियासत में कुछ इस तरह से अंधी हो गई है कि अब उसे रुपए के सिंबल '₹' से भी नफरत हो गई है। भाषा विवाद को बढ़ाते हुए डीएमके सरकार ने राज्य के बजट से सिंबल को गायब कर दिया है।

उसकी जगह अब ' ' का इस्तेमाल किया गया है। दोनों का अर्थ एक ही है, लेकिन ये एक तमिल शब्द है।

असल में ये सारा मामला भाषा विवाद से जुड़ा हुआ है। डीएमके आरोप लगा रही है कि केंद्र सरकार राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत राज्य पर हिंदी थोपने की कोशिश कर रही है। केंद्र सरकार के समझाने के बाद भी राज्य की डीएमके और कांग्रेस पर सियासत कर रही हैं। केंद्र ने बार-बार स्पष्ट किया है कि एनईपी भाषाई विविधता का सम्मान करती है और किसी भी राज्य पर कोई भाषा लादने का इरादा नहीं रखती, लेकिन डीएमके और उसकी सहयोगी कांग्रेस इस मुद्दे को सियासी रंग देने से पीछे नहीं हट रही हैं। सी के तहत भाषा विवाद को और अधिक गंभीर बनाते हुए डीएमके ने राज्य के बजट से '₹' सिंबल को ' ' तमिल रुपए से रिप्लेस

बजट में रुपए के सिंबल पर नफरती छाप

कर दिया। इसका अर्थ भी रुपए ही होता है। '₹' के सिंबल को एक तमिल शिक्षाविद उदय कुमार धर्मलिंगम ने ही डिजाइन किया था। खास बात ये कि उदय धर्मलिंगम डीएमके से विधायक रहे एन धर्मलिंगम के बेटे हैं। जिनके द्वारा बनाए गए डिजाइन को भारत सरकार ने अप्रूव किया और उसे देश में रुपए का सिंबल बनाया। उस वक्त तो केंद्र ने तमिलनाडु की संस्कृति या उसकी भाषा के साथ भेदभाव नहीं किया। उस दौरान तो किसी ने ये नहीं देखा था कि ये सिंबल ('₹') डीएमके के नेता के बेटे ने बनाए हैं तो इसे क्यों लें। लेकिन अब डीएमके इस पर राजनीति कर रही है।

खास बात ये है कि ऐसा करके डीएमके न केवल व्यवस्था का हनन कर रही है। बल्कि वह राष्ट्रध्वज का भी अपमान कर रही है, जो कि तिरंगे से ही प्रेरित होकर बनाया गया है। सबसे बड़ी बात ये कि इससे पहले ऐसा किसी भी राज्य ने नहीं किया था। उल्लेखनीय है कि हाल ही कई ऐसी घटनाएं भी तमिलनाडु में घटी हैं, जिससे ये स्पष्ट होता है कि डीएमके केंद्र के साथ भाषा विवाद को आगे बढ़ाकर तमिलनाडु में अपना जनाधार मजबूत करने की कोशिश कर रही है।

हाल के दिनों में तमिलनाडु में कई ऐसी घटनाएँ सामने आई हैं, जो डीएमके की भाषा और क्षेत्रीय अस्मिता को लेकर आक्रामक रणनीति को दर्शाती हैं। मसलन, हिंदी फिल्मों या विज्ञापनों के खिलाफ विरोध प्रदर्शन, और केंद्र की योजनाओं को तमिल विरोधी करार देना। जानकारों का मानना है कि डीएमके इस तरह के कदमों के जरिए तमिलनाडु में अपनी सियासी जमीन को मजबूत करने की कोशिश कर रही है। खास तौर पर 2024 के लोकसभा चुनावों के बाद, जहाँ डीएमके गठबंधन ने शानदार प्रदर्शन किया, पार्टी इस भावनात्मक मुद्दे को भुनाकर अपने वोट बैंक को और सुदृढ़ करना चाहती है।

आलोचकों का कहना है कि यह कदम अनावश्यक और विभाजनकारी है। उनका तर्क है कि '₹' एक राष्ट्रीय प्रतीक है, जिसे बदलना न केवल अव्यवहारिक है, बल्कि आर्थिक और प्रशासनिक एकरूपता को भी नुकसान पहुँचाता है।

'रेवड़ी कल्चर' पर नारायणमूर्ति ने उठाए सवाल, कहा

फ्री की चीजें देकर नहीं हटा सकते गरीबी

रोजगार से आएगी समृद्धि सब्सिडी की हो मॉनिटरिंग

नई दिल्ली, 13 मार्च (एजेंसियां)।

आईटी क्षेत्र की शीर्ष भारतीय कम्पनियों में शामिल इंफोसिस के सह-संस्थापक नारायणमूर्ति ने 'रेवड़ी कल्चर' पर हमला बोला है। उन्होंने कहा है कि देश में मुफ्त चीजें देने से गरीबी नहीं खत्म होने वाली है। उन्होंने गरीबी खत्म करने का तरीका ज्यादा से ज्यादा नौकरियाँ पैदा करना बताया है। उन्होंने इसके साथ ही सरकारी सब्सिडी की कड़ी देखरेख की वकालत की है।मुंबई में स्टार्टअप इकोसिस्टम को लेकर आयोजित एक इवेंट में बोलते हुए नारायणमूर्ति ने कहा, मुझे इसमें कोई शक नहीं है कि आप में से हर आदमी आने वाले समय में लाखों नौकरियाँ पैदा करेगा और ऐसे ही आप गरीबी की समस्या का समाधान कर सकते हैं, आप फ्रीबीस (रेवड़ियों) से गरीबी की समस्या का समाधान नहीं कर सकते, कोई भी देश इसमें सफल नहीं हो सका है।

नारायणमूर्ति ने इस दौरान कहा कि सरकार जो भी सुविधाएँ मुफ्त दे, उनको लेकर कड़ी मॉनिटरिंग की जाए। उन्होंने इसके लिए 200 यूनिट मुफ्त बिजली का उदाहरण दिया। नारायणमूर्ति ने कहा कि जिस भी परिवार को 200 यूनिट मुफ्त बिजली दी जाए, 6 महीने बाद उसको लेकर जाँच की जाए कि वह इसका उपयोग कैसे करते हैं।

रेवड़ी कल्चर पर नारायणमूर्ति ने स्पष्ट किया है कि वह किसी पार्टी के वादों पर टिप्पणियाँ नहीं कर रहे बल्कि नीतिगत व्यवस्था पर बात कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि अगर कोई फायदा जनता को दिया जा रहा है तो इसके बदले में सरकार को कुछ शर्तें भी लगानी चाहिए।नारायणमूर्ति का यह बयान ऐसे समय में आया है

जब देश में अलग-अलग राजनीतिक पार्टियाँ नकद ट्रांसफर, ▶10पर

होली की हार्दिक शुभकामनाएं

शुभ-लाभ के प्रिय पाठकों, शुभेच्छुकों, विज्ञापनदाताओं, शुभ-लाभ की पूरी टीम, समाचारपत्र विक्रेता और सभी प्रोत्साहनदाता महानुभावों को पावन पर्व होली की हार्दिक शुभकामनाएं।

होली के अवसर पर शुभ-लाभ हिंदी दैनिक का कार्यालय **शुक्रवार, दि.14 मार्च, 2025 को बंद रहेगा**। अतः शुभ-लाभ समाचारपत्र का अगला अंक आपको 16 मार्च को मिलेगा। एक बार फिर शुभमस्तु...

गोपाल अग्रवाल
प्रधान संपादक
शुभ-लाभ हिंदी दैनिक
चेयरमैन
श्री सिद्धि विनायक प्रकाशन समूह

मनीष सिसोदिया-सत्येंद्र जैन को झटका

भ्रष्टाचार मामले की होगी जांच राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने दी मंजूरी

नई दिल्ली, 13 मार्च (एजेंसियां)।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने गुरुवार को दिल्ली सरकार द्वारा स्कूल के कमरों/भवनों के निर्माण में अनियमितताओं के संबंध में मनीष सिसोदिया और सत्येंद्र जैन के खिलाफ औपचारिक जांच शुरू करने के लिए भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धारा 17 ए के तहत दिल्ली के भ्रष्टाचार निर-ोधक ब्यूरो (एसीबी) को मंजूरी दे दी। सिसोदिया शिक्षा मंत्री थे, जबकि जैन दिल्ली के पीडब्ल्यूडी मंत्री थे। जुलाई 2018 में केंद्र द्वारा एक संशोधन के माध्यम से भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम में धारा 17ए डाली गई थी, जिससे पुलिस, सीबीआई या भ्रष्टाचार के अपर-ाधों से निपटने वाली किसी भी अन्य एजेंसी के लिए भ्रष्टाचार से संबंधित किसी भी अपराध में कोई भी जांच करने के लिए पूर्व अनुमोदन लेना अनिवार्य हो गया।केंद्रीय सतर्कता आयोग (सीवीसी) ने 17 फरवरी, 2020 की एक रिपोर्ट में लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) द्वारा दिल्ली सरकार के स्कूलों में 2,400 से अधिक कक्षाओं के निर्माण में घोर अनियमितताओं को उजागर किया। दिल्ली सरकार के सतर्कता निदेशालय ने 2022 में कथित घोटाले की जांच की सिफारिश की और मुख्य सचिव को एक रिपोर्ट सौंपी। 18 फरवरी को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने प्रवर्तन निदेशालय द्वारा जांच किए जा रहे मनी लॉन्ड्रिंग मामले में जैन के खिलाफ मुकदमा चलाने की मंजूरी दे दी। 60 वर्षीय दिल्ली के पूर्व स्वास्थ्य मंत्री के खिलाफ भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 218 के तहत मंजूरी मांगी गई थी।गृह मंत्रालय ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की जांच और पर्याप्त सबूत की मौजूदगी के आधार पर जैन पर मुकदमा चलाने की मंजूरी देने के लिए राष्ट्रपति से अनुरोध किया था। सीबीआई ने दिसंबर 2018 में एक आरोपपत्र दायर किया, जिसमें कहा गया कि कथित अनुपातहीन संपत्ति 1.47 करोड़ रुपये थी, जो 2015-17 के दौरान जैन की आय के ज्ञात स्रोतों से लगभग 217 प्रतिशत अधिक थी।

मुर्मू ने देशवासियों को होली के पावन पर्व पर शुभकामनाएं दी

नई दिल्ली, 13 मार्च (एजेंसियां)।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने देशवासियों को होली के पावन पर्व पर शुभकामनाएं दी हैं।

श्रीमती मुर्मू ने गुरूवार को होली की पूर्व संध्या पर अपने संदेश में कहा, होली के शुभ अवसर पर, मैं देश-विदेश में रह रहे भारत के सभी लोगों को बधाई और शुभकामनाएं देती हूँ।

उन्होंने कहा, रंगों का यह त्योहार अपने साथ खुशियां और उत्साह लेकर आता है। यह त्योहार हमारे जीवन में सौहार्द और बंधुत्व की भावना को मजबूत करता है। होली के अनेक रंग विविधता में एकता की भावना को दर्शाते हैं। होली का यह पर्व अच्छाई की बुराई पर विजय का भी प्रतीक है। यह त्योहार सिखाता है कि हमें सबके प्रति प्रेम और सद्भाव बनाए रखना चाहिए। मेरी कामना है कि यह पर्व आप सब के जीवन में समृद्धि और आनंद का संचार करता रहे।

रूस-यूक्रेन जंग में अमेरिकी दांव

30 दिन का युद्धविराम प्रस्ताव रखा

वाशिंगटन, 13 मार्च (एजेंसियां)।

रूस और यूक्रेन के बीच चल रही जंग के तीन साल हो गए हैं। लेकिन अभी तक इसका कोई हल नहीं निकल सका है। एक तरफ महाबली रूस है तो दूसरी तरफ नाटो देशों की मदद के बल पर यूक्रेन किसी तरह से युद्ध में बना हुआ है। डोनाल्ड ट्रंप के अमेरिका का राष्ट्रपति बनने के बाद उम्मीद जगी है कि शायद इस जंग का अंत हो। अपनी इसी मंशा के तहत अमेरिका का एक डेलीगेशन रूस पहुंच रहा है। इस डेलीगेशन की अगुवाई अमेरिकी विदेशमंत्री मार्क रुबियो कर रहे हैं।

इस दौरान अमेरिकी दल में डोनाल्ड ट्रंप के खास दूत स्टीव विटकाफ भी हैं। अमेरिकी दलों की कोशिश है कि वो इस दौरान रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मुलाकात करें और उनसे युद्धविराम को लेकर चर्चा करें। फिलहाल ये चर्चा 30 दिन के अस्थायी युद्धविराम को लेकर है। हालांकि, रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन पहले ही ये स्पष्ट कर चुके हैं कि वो किसी भी अस्थायी युद्धविराम के लिए सहमत नहीं होंगे। उनका कहना है कि युद्धविराम पूर्णतया लागू होना चाहिए।

जहां व्लादिमीर पुतिन ने इस अस्थायी युद्धविराम पर पहले ही सहमत होने से इंकार कर दिया है, तो वहीं यूक्रेन हाल ही सउदी अरब के जेद्दा में हुई बैठक के दौरान लाए गए अमेरिका के 30 दिनों के अस्थायी युद्धविराम प्रस्ताव पर अपनी सहमति जताई है। इसी को ध्यान में रखते हुए अमेरिका का प्रतिनिधिमंडल रूस के दौरे पर जा रहा है। उसे उम्मीद है कि इस दौरान हो सकता है कि कुछ हल निकल आए। अच्छा यूक्रेन के इस प्रस्ताव पर तैयार होने के पीछे भी बड़ी ही खास वजह है।

अमेरिका ने उसे ये प्रस्ताव दिया था कि अगर वो उसके प्रस्ताव का समर्थन करता है तो वे यूक्रेन को सैन्य सहायता और खुफिया जानकारी फिर से मुहैया कराना शुरू कर देंगे।अमेरिकी दल रूस पहुंच रहा है, ये तो ठीक है, लेकिन उसके साथ ही उसने रुस पर इस प्रस्ताव के लिए मानसिक दबाव बनाने की कोशिशें भी शुरू कर दी है। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्क रुबियो ने एक बयान दिया कि अब गेंद रूस के पाले में है। हम रूस को इस पेशकश से अवगत कराएंगे। अब ये उन पर निर्भर करता है कि वो इसके लिए तैयार होते हैं या नहीं। अगर वो इसके लिए ना कहते हैं तो हमें पता चल जाएगा कि शांति के रास्ते में कौन रोड़ा है।

इस बीच राष्ट्रपति पुतिन ने कुर्स्क क्षेत्र का दौरा किया है, जिसे हाल ही में रूस ने यूक्रेन से वापस छीन लिया है। अब तक कुर्स्क पर कब्जा करके यूक्रेन ये समझ रहा था कि वो इसके जरिए रूस से डील करेगा। लेकिन, रूसी बलों ने यूक्रेन किए पर पानी फेर दिया। उन्होंने कुर्स्क के न केवल 100 वर्ग किलोमीटर के क्षेत्र को वापस हासिल किया, बल्कि 12 अन्य कस्बों पर भी कब्जा कर लिया है। उल्लेखनीय है कि पुतिन पहले ही स्पष्ट कर चुके हैं कि वो बिना किसी शर्त के होने वाले युद्धविराम को ही स्वीकार करेंगे।

गौतम अडाणी को अमेरिकी मार्केट रेगुलेटर का समन

केंद्र सरकार ने अहमदाबाद कोर्ट को भेजा

अमेरिका में 2,029 करोड़ रिश्वत देने का आरोप

नई दिल्ली, 13 मार्च (एजेंसियां)।

गौतम अडाणी को अमेरिकी सिक्योरिटीज एंड एक्सचेंज कमीशन ने अमेरिका में रिश्वत और धोखाधड़ी मामले में समन भेजा है। रिपोर्ट के अनुसार केंद्र सरकार ने 25 फरवरी को समन अहमदाबाद की सेशन कोर्ट को ट्रांसफर कर दिया है, ताकि इसे गौतम अडाणी के पते पर पहुंचाया जा सके।

ये समन 1965 की हेग संधि के तहत भेजा गया है। संधि में किसी भी मामले से जुड़े देश एक-दूसरे के नागरिकों को कानूनी दस्तावेज सौंपने में सहायता के लिए सीधे अनुरोध कर सकते हैं।

पिछले साल अमेरिका में अडाणी समेत 8 लोगों पर अरबों रुपए की धोखाधड़ी के आरोप लगे थे।

अटॉर्नी ऑफिस आरोप पत्र के मुताबिक, अडाणी की कंपनी ने भारत में रिन्यूएबल एनर्जी के प्रोजेक्ट गलत तरीके से हासिल किए थे। इसके लिए सरकारी अधिकारियों को 250 मिलियन डॉलर यानी करीब 2,029 करोड़ रुपए की रिश्वत देने का भी आरोप अडाणी पर लगाया गया था।आरोपियों ने अमेरिकी इन्वेस्टर्स और बैंकों से झूठ बोलकर पैसा इकट्ठा किया। यह पूरा मामला अडाणी ग्रुप की कंपनी अडाणी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड और एक अन्य फर्म से जुड़ा हुआ था। 24 अक्टूबर 2024 को न्यूयॉर्क की फेडरल कोर्ट में यह केस दर्ज हुआ था।भारत 2006 में हेग संधि में शामिल हुआ था 15 नवंबर 1965 में नीदरलैंड के हेग शहर में 84 देशों के बीच एक संधि हुई थी। इसमें व्यापारिक मामलों में कानूनी दस्तावेज संबंधित व्यक्ति या संस्था तक पहुंचाने का फैसला लिया गया था। ▶10पर

सर्राफ़ा बाज़ार

(24 कैरेट गोल्ड)

सोना : 90,470/-
(प्रति 10 ग्राम)
चाँदी : 1,02,400/-
(प्रति किलोग्राम)

मौसम बेंगलूरु

अधिकतम : 38⁰
न्यूनतम : 26⁰

हैदराबाद में होली मनाने पर पुलिस ने लगाई रोक?

नई दिल्ली, 13 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)।

कॉन्ग्रेस शासित तेलंगाना में हैदराबाद के पुलिस कमिश्नर सीवी आनंद द्वारा होली खेलने को लेकर जारी की गई नोटिस को लेकर विवाद हो गया है। नोटिस में कहा गया है कि होली मनाने वाले हिंदू 'अनिच्छुक व्यक्तियों, स्थानों और वाहनों' पर रंग नहीं फेंके। कानून-व्यवस्था का हवाला देकर आदेश में सड़कों और सार्वजनिक स्थानों पर समूह में बाइक और अन्य वाहनों की सवारी पर भी प्रतिबंध लगा दिया गया है।

पुलिस कमिश्नर द्वारा 11 मार्च 2025 को जारी किए गए नोटिस में कहा गया है, हैदराबाद शहर में सार्वजनिक सड़कों और सार्वजनिक स्थानों पर अनिच्छुक व्यक्तियों, स्थानों और वाहनों पर रंग-गुलाल या रंगीन पानी फेंकना परेशानी का कारण बन सकता है। सड़कों और सार्वजनिक स्थानों पर समूहों में दोपहिया और अन्य वाहनों की आवाजाही पर रोक लगाएँ।

नोटिस में आगे कहा गया है, इससे शांति व्यवस्था भंग होने और जनता को असुविधा या खतरा होने की आशंका है। होली महोत्सव-2025 के उत्सव के संबंध में यह आदेश 13 मार्च को शाम 6 बजे से 15 मार्च से 6 बजे सुबह तक लागू रहेगा। नोटिस के अनुसार, इन निर्देशों का उल्लंघन करने वाले लोगों पर

भड़के भाजपा विधायक ने कहा ये तुगलकी फरमान है

हैदराबाद सिटी पुलिस अधिनियम 1348 फसली की धारा 76 के तहत मुकदमा चलाया जाएगा।

बता दें कि हैदराबाद सिटी पुलिस अधिनियम 1348 फसली की धारा 76 में कहा गया है कि जो कोई भी हैदराबाद सिटी पुलिस आयुक्त द्वारा जारी निर्देश का उल्लंघन करता है या पालन करने से इनकार करता है, उसे 50 रुपए तक का जुर्माना लगाया जाएगा या उसे 8 दिनों तक की कैद या दोनों से दंडित किया जा सकता है। कानून में एक महीने तक की कैद या 100 रुपए तक का जुर्माना या दोनों का भी प्रावधान है। इस बीच, साइबराबाद पुलिस आयुक्त अविनाश मोहंती ने भी इसी तरह का एक नोटिस जारी किया है। इसमें हिंदुओं को अजनबियों, स्थानों और वाहनों पर रंग या पानी फेंकने और काफिले में वाहनों की आवाजाही के खिलाफ 'चेतावनी' दी गई है। भारतीय जनता पार्टी ने इन निर्देशों की आलोचना की है। गुरुवार को बीजेपी विधायक राजा सिंह ने नाराजगी जताई। पुलिस अधिसूचना की आल-ोचना करते हुए गोशामहल के विधायक श्री सिंह ने इसे तुगलकी फरमान करार दिया।

राजा सिंह ने दावा किया कि पुलिस ने कांग्रेस सरकार के निर्देश पर अधिसूचना जारी की है। उन्होंने कहा कि मैं मुख्यमंत्री और पुलिस अधिकारियों से पूछना चाहता हूं। रमजान के 30 दिनों के दौरान लोग रात में कैसे मोटरसाइकिलों पर और समूहों में घूमते हैं? क्या यह तेलंगाना के नौवें निजाम रेवंत रेड्डी और पुलिस अधिकारियों को दिखाई नहीं देता है? इन 30 दिनों के दौरान हैदराबाद में कितना उपद्रव होता है? विधायक ने पूछा कि क्या उन्हें ऐसा करने वालों के खिलाफ 'फरमान' जारी करने का कोई विचार नहीं आया? उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस एक विशेष समुदाय की 'गुलाम' है और वह हिंदू विरोधी है। सिंह ने कहा कि रेवंत रेड्डी 'नौवें निजाम' की भांति बर्ताव कर रहे हैं, ▶10पर

कार्टून कॉर्नर

शुभ लाभ DAILY खबरें जो सोच बदल दे हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

कैनवा व एआई टूल्स पर आधारित तीन दिवसीय कार्यशाला का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

आज के डिजिटल युग में, प्रभावी दृश्य संचार के लिए मजबूत डिजाइन कौशल आवश्यक हैं। व्यक्तियों को आकर्षक ग्राफिक्स बनाने में सक्षम करने की बढ़ती आवश्यकता को पहचानते हुए, तीन दिवसीय कैनवा प्रो प्लस एआई कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसका उद्देश्य प्रतिभागियों को बुनियादी से मध्यवर्ती कैनवा कौशल प्रदान करना था। कार्यशाला को इस तरह से डिजाइन किया गया था कि प्रतिभागी कैनवा की विशेषताओं और एआई-संचालित उपकरणों को सीख सकें, जिससे वे आसानी से पेशेवर-ग्रेड डिजाइन बना सकें। इस कार्यशाला के प्राथमिक उद्देश्य प्रतिभागियों को कैनवा के इंटरफेस और कार्यक्षमताओं से परिचित कराना, पाठ्य, रंग और वीडियो डिजाइन सिद्धांतों का अन्वेषण करना,

प्रस्तुतियों और एआई-संचालित डिजाइन उपकरणों के साथ हाथों-हाथ अभ्यास प्रदान करना, प्रतिभागियों को बेहतर डिजाइन दक्षता के लिए समय-बचत युक्तियों और तरकीबों से लैस करना और दृश्य सामग्री निर्माण में रचनात्मकता और आत्मविश्वास को प्रेरित करना था। कार्यशाला को तीन दिनों के लिए आयोजित किया गया था, जिसमें इंटरैक्टिव पाठ, हाथों-हाथ अभ्यास और वास्तविक समय डिजाइन चुनौतियाँ शामिल थीं। दो विशेषज्ञ प्रशिक्षकों के सत्रों का नेतृत्व करने के साथ, हमने 34 उत्साही प्रतिभागियों का स्वागत किया, जो सभी अपने डिजाइन कौशल में सुधार करने और अपनी रचनात्मक क्षमता को अनलॉक करने के लिए उत्सुक थे। कार्यक्रम की शुरुआत 10 मार्च को एक उद्घाटन समारोह के साथ हुई, जिसने तीन दिनों के लिए एक सकारात्मक टोन सेट किया। कार्यशाला की शुरुआत नवकार मंत्र और दीप प्रज्वलन के साथ की गई। संस्था के दिग्गजों तथा वक्ताओं की उपस्थिति में सत्र का शुभारंभ किया गया। जीतो युवा विंग बेंगलूरु साउथ के चेयरमैन, मेहुल श्रीश्रीमाल ने सभा का स्वागत किया।

प्रशिक्षक, दीक्षा रायसोनी और काजल लालवानी ने कैनवा के माध्यम से डिजाइनिंग के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की। पहला दिन सत्र कैनवा और मौलिक डिजाइन सिद्धांतों का परिचय देने पर केंद्रीत था, जिसमें कैनवा प्रो सुविधाओं और वर्कस्पेस नेविगेशन का अवलोकन, टाइपोग्राफी को समझना और सोशल मीडिया पोस्ट और बैनर बनाने पर हाथों-हाथ अभ्यास शामिल था। दूसरा दिन सत्र वीडियो एडिटिंग, एनिमेशन और प्रोफेशनल टिप्स पर केंद्रित था, जिसमें कैनवा के वीडियो एडिटिंग टूल्स और एनिमेशन, आकर्षक मोशन ग्राफिक्स और प्रमोशनल वीडियो बनाने और डिजाइन संगतता और वर्कफ्लो दक्षता पर उन्नत टिप्स शामिल थे। तीसरा दिन सत्र प्रस्तुतियों, उन्नत डिजाइन तकनीकों और एआई-संचालित उपकरणों पर केंद्रित था, जिसमें एक इंटरैक्टिव सत्र में आकर्षक प्रस्तुतियां बनाने, उन्नत एआई टूल्स और एक अंतिम डिजाइन चुनौती शामिल थी जहां प्रतिभागियों ने अपना सर्वश्रेष्ठ कार्य प्रदर्शित किया और व्यक्तिगत प्रतिक्रिया प्राप्त की। कार्यक्रम का समापन 12 मार्च को टीम प्रस्तुतियों और प्रमाण पत्र वितरण के साथ हुआ। समारोह का एक उल्लेखनीय क्षण था अपने स्वयं के ब्रांड के लॉन्च के लिए अंतिम डिजाइन अवधारणाओं का अनावरण, जिसे प्रतिभागियों ने स्वयं तैयार किया था। इन डिजाइनों ने उनकी सीखने और रचनात्मक अभिव्यक्ति में वृद्धि को उजागर किया। कार्यक्रम में जीतो युवा विंग साउथ मुख्य सचिव ऋषभ चोपड़ा, कोषाध्यक्ष यश जैन, संयोजक, रिधि मेहता, सह-संयोजक, हर्ष जैन और प्रबंधन समिति के सदस्य रोशनी जैन, रिधि मांडोत, शैफाली गोलेचा, तक्ष जैन, शशांक खांटेड, कनिष्क बालार और राज्यश भी उपस्थित थे।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री शनी देवता देवालय लगेरे में आयोजित 26वें जात्रा महोत्सव कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि महेंद्र मुणोत ने शनि देवता के दर्शन कर आशीर्वाद लिया। साथ ही अन्नदान कार्यक्रम में सेवा प्रदान की। आयोजकों ने मुणोत को सम्मानित किया।

होली की हार्दिक शुभकामनाएं

रंगों की तरह आपके जीवन में भी खुशियों के नए रंग छा जाएं। होली की हार्दिक शुभकामनाएं!

तेरापंथ महिला मण्डल
विजयनगर, बेंगलूरु

अध्यक्ष: मंजु गादिया
मंत्री: दीपिका गोखरा
कोषाध्यक्ष: मंजु भंसाली
उपाध्यक्ष: बरखा पुगलिया, सुमित्रा बरड़िया
संघठन मंत्री: अनिता जिरावला
सहमंत्री: हंसा दुग्गड़, ललिता डागा
प्रचार-प्रसार मंत्री: सविता छाजेड़

आचार्य श्री पार्श्वचंद्र जी का 2025 का चातुर्मास कर्नाटक के सिंधनूर में

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्री श्वेतांबर स्थानकवासी जैन श्रावक संघ अलसूर के तत्वावधान में मुदलियार संघ सभागार में आयोजित होली चातुर्मास प्रसंग पर विशेष प्रवचन में आचार्य श्री ने महासति श्री शशिप्रभा जी के चातुर्मास का लाभ अलसूर संघ को प्रदान किया। आचार्य श्री ने कहा कि चातुर्मास आगम का कल्प है और विहार भी कल्प है। चातुर्मास प्राप्त संघों का कर्तव्य है कि वे संयति वर्ग के संयम में सहायक बने। आचार्य श्री ने सुमति मुनि जी का चातुर्मास जोधपुर, जय शेखर मुनि जी का अम्बा जोरा, शारदा जी का जवाजा, पूरीमा महासति का जोधपुर के लिए खोला। इससे पूर्व डॉ. मुनि पदमचंद्र जी ने अपने प्रवचन में कहा कि गुरु की निंदा न तो सुननी चाहिए और न करनी चाहिए। शिथिलाचार काल का प्रभाव है। दक्षिण में आने वाले संतों को भाषा की समस्या के कारण गोचरी और रुकने के जगह की समस्या रहती है। संघ समाज को इस ओर सोचना चाहिए। फिजूलखर्ची कम करके हम कुछ स्थाई और रचनात्मक कार्य करें। विहार विश्राम स्थल की आवश्यकता बढ़ रही है। हम आडंबर कम करें। आपस में टकराहट कम करें। साधर्मी भाई के उत्थान की सोचें और नाम कमाने का स्वार्थ कम करें।

जय धुरंधर मुनि एवं जय पुरंदर मुनि जी ने भी प्रवचन में होली पर्व के लौकिक और लोकोतर पक्ष पर प्रकाश डाला। जयमल जैन श्रावक संघ के मंत्री सुरेन्द्र बेताला ने संघ और संत सान्निध्य में होने वाले आगामी कार्यक्रमों की जानकारी दी। राष्ट्रीय अध्यक्ष कैलाश बोहरा और चेन्नई के पारसमल गादिया ने भी अपने विचार रखे। अलसूर संघ के मंत्री अभय कुमार बांठिया ने अलसूर संघ की विनती रखी। मुमुक्षु श्री दिलीप कुमार जी धोका के सम्मान में वरघोड़ा के आयोजन में अनेक गणमान्य जन सम्मिलित हुए। उनका अभिनंदन पत्र के साथ सम्मान किया गया।

सभा का संचालन अलसूर संघ के मंत्री अभय कुमार बांठिया ने किया। इस अवसर पर अनेक स्थानों के संघ और श्रद्धालु उपस्थित थे। अध्यक्ष धनपत राज बोहरा ने सभी का स्वागत किया।

होली की हार्दिक शुभकामनाएं

होली का यह पर्व आपके जीवन को रंगों से सजाए और खुशियों से भर दे...
रंगों की तरह आपके जीवन में भी खुशियों के नए रंग छा जाएं।
होली की हार्दिक शुभकामनाएं...

भूपेश कश्यप
सक्रिय सदस्य शाकद्वीपीय मग ब्राह्मण समाज बेंगलुरू
* प्रदेश समन्वयक *
भारत तिब्बत संघ कर्नाटक
* समाजसेवी *
बेलन्दूर मारवाड़ी व्यापार संघ
* मंडल संयोजक *
नरेंद्र मोदी मन की बात कार्यक्रम
* प्रतिष्ठान *
SHANKAR SILK AND SAREES
BELLANDUR, BENGALURU

वित्तीय साक्षरता पर सत्र का सफल आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

वनबंधु परिषद महिला समिति द्वारा महिला दिवस के उपलक्ष्य में वित्तीय फाइनेंस साक्षरता विषय पर सत्र का आयोजन किया गया। स्मार्ट वुमेन की स्मार्ट कमाई थीम के अंतर्गत महिलाओं को बैंकिंग और इन्वेस्टमेंट जैसे विषयों के साथ-साथ सभी सरकारी एवं गैर सरकारी योजनाओं के बारे में दोनों वक्ता बीनू बिहानी एवं अल्पा शाह ने अत्यंत लाभप्रद जानकारी से अवगत कराया।

महिलाओं को वित्तीय रूप से आत्मनिर्भर बनाने के लिए सभी संदेहों का इस सत्र में समाधान किया गया। ओमकार महामंत्र के साथ कार्यक्रम का प्रारंभ हुआ। समिति की अध्यक्ष बबीता अग्रवाल ने सभी अतिथियों का स्वागत किया।

सरिता भंसाली, रेनू कनोडिया, सुशीला गुप्ता, कान्ता काबरा और सुनीता गुप्ता ने दोनों स्पीकर का दुपट्टा और मोमेंटो से सम्मान किया। मंच संचालन अनीता जैन ने किया। धन्यवाद ज्ञापन अरुणा अग्रवाल ने व्यक्त किया। कार्यक्रम का समापन सभी ने होली त्योहार पर रंग गुलाल लगाकर एक दूसरे को शुभकामनाएं देते हुए किया।

स्वरधारा व प्रेरणा सम्मान का आयोजन

माँ जन्म देने वाली होने के साथ ही घर की लक्ष्मी, सरस्वती भी: साध्वी पावनप्रभा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के निर्देशानुसार आर आर नगर तेरापंथ महिला मंडल द्वारा तेरापंथ सभा भवन में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर स्वरधारा व प्रेरणा सम्मान का आयोजन किया गया।

साध्वी श्री पावनप्रभा जी ने सानिध्य प्रदान किया। साध्वी ने नमस्कार महामंत्र के साथ कार्यक्रम की शुरुआत की। सर्वप्रथम महिला मंडल की बहनों द्वारा प्रेरणा गीत का संगान किया गया। उपाध्यक्ष मंजू बोथरा ने अपने स्वागत वक्तव्य में सभी को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस की बधाई एवं शुभकामनाएं दी। प्रतियोगिता में 12 बहनों ने नारी शक्ति पर आधारित सुन्दर कविता के माध्यम से प्रस्तुति दी। जिसमें वंदना भंसाली प्रथम, पूनम दुगड द्वितीय और रुचिका पटावरी तृतीय स्थान पर रहीं। इसके अलावा ऑनलाइन प्रतियोगिता प्रेरणा गीत को कविता के माध्यम से प्रस्तुत किया गया, जिसमें 7 बहनों ने वीडियो बनाकर भेजें। जिसमें ममता सिंघवी ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। कन्या मंडल द्वारा नारी पर सुंदर प्रस्तुति दी गई। साध्वी पावन प्रभा जी ने कहा महिलाएं घर की आधारशीला होती हैं। मां जन्म देने वाली होने के साथ ही घर की लक्ष्मी, सरस्वती हैं। वह ऐसे घर का निर्माण करती हैं जिसमें प्यार की छत विश्वास की दीवार, सहयोग के दरवाजे और अनुशासन की खिड़कियां होती हैं। एक रूसी नेता ने कहा है संसार में तीन रत्न होते हैं जो रोटी, पुस्तक और महिला है। रोटी शरीर का निर्माण करती है, पुस्तक मस्तिक को खुराक देती है, किंतु महिला शरीर और मस्तिष्क दोनों को पुष्ट करती है। महिला समाज व परिवार को भी संप्रोषित करती हैं। उन्होंने महिला दिवस के उपलक्ष्य में विशेष रूप से सभी को संयमनिष्ठा व श्रमनिष्ठा बनने की प्रेरणा दी। बिंदु रायसोनी का परिचय आशा लोढ़ा ने दिया। विजय लक्ष्मी मुणोत ने प्रेरणा पत्र का वचन किया। बिंदु रायसोनी को प्रेरणा सम्मान पत्र से सम्मानित किया गया। बिंदु रायसोनी ने कहा महिलाएं आज भी अपना सहअस्तित्व खोज रही हैं और हर जगह संघर्ष कर रही हैं। उन्होंने एक कविता के माध्यम से अपनी बात को पूरा किया। सभा की उपाध्यक्ष सरोज आर. बैद ने मंडल को महिला दिवस की बधाई देते हुए कहा साध्वी पवन प्रभा जी का होली चातुर्मास मिला है। इसका सभी को अधिक से अधिक लाभ लेना चाहिए। आरआर नगर महिला मंडल हर दम उन्नति की ओर अग्रसर रहे। उन्होंने शासनमाता की गौरव गाथा की। खुशबू गन्ना ने दीप्ति गौरव गुप्ता का परिचय दिया। इस प्रतियोगिता के निर्णायक सरोज बोथरा एवं दीप्ति गौरव गुप्ता ने अपने भावों की अभिव्यक्ति के साथ ही एक कविता के साथ अपना वक्तव्य पूरा किया। सभी प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया। संचालन कार्यक्रम की संयोजिका एवं सह-संयोजिका मधु कटारिया एवं पूनम दक ने किया। मंत्री पदमा महेर ने सभी का आभार जताया।

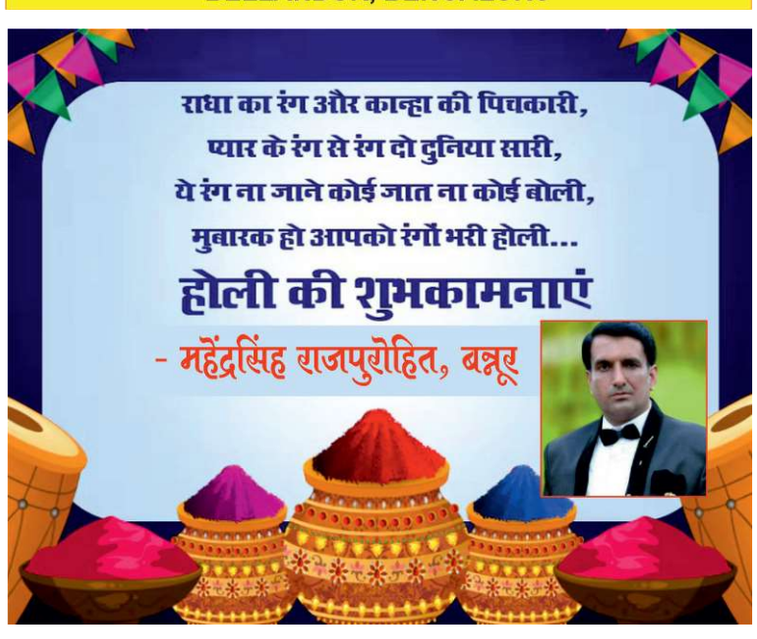

श्री जयगुरुगणेश, मरुधर | श्री महावीराय नमः | जय ओसीयां माताजी

श्रमण संघ जयवंत रहे

गौतमचंद धारीवाल :
अध्यक्ष : श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावकसंघ (चिकपेट शाखा)
चेयरमेन : श्री गुरु गणेश सेवा समिति कर्नाटक, बेंगलूरु
अध्यक्ष : अखिल भारतीय जैन अल्पसंख्यक महासंघ (AIJMF)
राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य : श्री आल इंडिया जैन कान्फ्रेंस (नई दिल्ली)
उपाध्यक्ष : श्री जैन संघ : बगड़ीनगर (राज.)
अध्यक्ष : गोमाता महासंघ, नई दिल्ली
उपाध्यक्ष : स्वदेशी सनातन संघ, भारत
उपाध्यक्ष : अखिल एकता उद्योग व्यापार मंडल

देश के सभी नगरों, उपनगरों एवं बेंगलूरु में विराजित सभी परम पूज्य आचार्य भगवंत, युवाचार्य, उपाध्याय, प्रवर्तक उपप्रर्वतक भगवन्तों, सलाहकार, तपस्वी साधु साध्वीजी भगवंतों को
धारीवाल परिवार
की ओर से भावपूर्वक वंदन, नमन करते हुए
धर्म आराधनामय यशस्वी होली चातुर्मास की
मंगल कामनाएँ करते हुए
आपके स्वास्थ्य, विहार की सुखसाता पूछते हैं।
समस्त जैन समाज, आत्मीयजनों एवं इष्ट मित्रों को
होली पर्व की हार्दिक शुभकामनाओं के साथ
साभार जय जिनेन्द्र
विनीत : इंदिरा - गौतमचंद, दीपा - विक्रमकुमार, दर्श, तनिषा
एवं धारीवाल परिवार (बगड़ीनगर, राज.) बेंगलूरु
वीणा - नवीन, क्रिश चोरड़िया जे.पी. नगर, बेंगलोर

HOTEL SUPREME (LODGING)
No. 12, Om Shanti Complex, R.T. Street, Bengaluru - 53
Mob : 98451 49443 / 22267654

मुडा घोटाला मामला

स्नेहमयी कृष्णा ने तीसरे लोकायुक्त अधिकारियों के खिलाफ शिकायत की

मैसूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण (मुडा) में कथित भ्रष्टाचार से संबंधित एक महत्वपूर्ण जांच से पहले मिली रिपोर्ट को उच्च न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है। हालांकि, स्थिति ने एक विवादास्पद मोड़ ले लिया है, क्योंकि याचिकाकर्ता स्नेहमयी कृष्णा ने तीन अधिकारियों के खिलाफ एक औपचारिक लिखित शिकायत दर्ज की है, जिसमें दावा किया गया है कि उन्होंने पर्याप्त सबूत होने के बावजूद एक झूठी रिपोर्ट प्रस्तुत की है। शिकायत में जांच में शामिल लोकायुक्त अधिकारियों की ईमानदारी के बारे में गंभीर चिंताओं को उजागर किया गया है। कृष्णा के अनुसार जांच राजनीतिक हस्तियों के प्रभाव से दूषित प्रतीत होती है, जिसने कथित मुडा भ्रष्टाचार में शामिल लोगों के खिलाफ आवश्यक

कार्रवाई करने की क्षमता से समझौता किया है। उनकी शिकायत में विशेष रूप से अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक मनीष खरबीकर, पुलिस महानिरीक्षक सुब्रह्मण्येश्वर राव और मैसूरु लोकायुक्त पुलिस अधीक्षक टी.जे. उदयेश का नाम लिया गया है, जिसमें उन पर सबूतों की अवहेलना करते हुए झूठे दस्तावेज पेश करने का आरोप लगाया गया है। अपनी शिकायत में, कृष्णा ने इन अधिकारियों की योग्यता और नैतिक स्थिति के बारे में गंभीर सवाल उठाए हैं। उनका तर्क है कि उनके व्यवहार से सामान्य जागरूकता की कमी और भ्रष्ट राजनेताओं, विशेष रूप से वर्तमान मुख्यमंत्री सिद्धरामैया के प्रति उनकी अधीनता की भयावह डिग्री का पता चलता है। कृष्णा इस बात की गहन जांच की मांग कर रहे हैं कि क्या इन अधिकारियों के पास भ्रष्टाचार से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए अपेक्षित सामान्य ज्ञान और नैतिक ईमानदारी है। वह उन व्यक्तियों को आईपीएस अधिकारी के रूप में सेवा जारी रखने की अनुमति देने की उपयुक्तता को चुनौती देते हैं, जिन्होंने अपने बौद्धिक मानकों से समझौता किया हो। इसके अलावा, शिकायत मैसूरु के राजनीतिक परिदृश्य के बारे में व्यापक चिंताओं को दर्शाती है, जहां भ्रष्टाचार के आरोप शासन के कई स्तरों पर व्याप्त हैं। कृष्णा के दावों से पता चलता है कि प्रभावशाली राजनेता खुद को और अपने सहयोगियों को जांच और जवाबदेही से बचाने के लिए अपनी शक्ति का लाभ उठा रहे हैं। सार्वजनिक संस्थानों में भ्रष्टाचार का मुद्दा तेजी से जरूरी हो गया है, जो पारदर्शिता और न्याय को प्राथमिकता देने वाले एक मजबूत और अडिग जांच ढांचे की आवश्यकता को रेखांकित करता है। जांच ने स्थानीय राजनीतिक हस्तियों की प्रतिक्रियाओं को भी भड़का दिया है, जिसमें डॉ. यतीन्द्र सिद्धरामैया भी शामिल हैं, जो एक परिषद सदस्य हैं और जिन्होंने मुडा को आवंटित भूखंडों को वापस पाने के लिए कानूनी लड़ाई जारी रखने का वादा किया है। हालांकि, इस वादे ने कृष्णा को और भी नाराज कर दिया है। उन्होंने अपना आक्रोश व्यक्त करते हुए कहा, बिना उचित कानूनी प्रक्रिया के मुडा भूखंडों को वापस करने का अनुरोध करना शर्मनाक है।

बेंगलूरु में कचरे की समस्या फिर से गंभीर होने की संभावना

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। सिलिकॉन सिटी में कचरे की समस्या फिर से बदतर होने की संभावना है। कचरा निपटान की समस्या फिर से बदतर होने की संभावना है, क्योंकि स्थानीय लोगों ने कन्नूर खदान में कचरा डालने का व्यापक विरोध किया है, जहां शहर का कचरा डाला जाता है। लंबे समय से शहर का कचरा कन्नूर खदान में ले जाया जा रहा था। हालाँकि, अब स्थानीय लोग बेंगलूरु के कचरा डंप का विरोध कर रहे हैं। पिछले 9 वर्षों से कन्नूर खदान में अपशिष्ट का निपटान किया जा रहा है। इससे गांव का पर्यावरण नष्ट हो रहा है और अवैज्ञानिक तरीके से कचरा निपटान हो रहा है। कचरे के साथ-साथ पशुओं का मल, मेडिकल कचरा और कारखानों से निकलने वाला जहरीला कचरा भी अवैज्ञानिक तरीके से फेंका जा रहा है। स्थानीय लोगों ने चिंता जताई है कि फेंके गए कचरे में एक शव भी मिला है। हाल के दिनों में लीचेट का उत्पादन बढ़

गया है, जो आस-पास की झीलों, कुओं, नहरों और ट्यूबवेलों में बह रहा है। इससे भूजल भी प्रदूषित हो रहा है, जिसका लोगों के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। खराब हवा चल रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि बुजुर्गों और बच्चों को त्वचा और श्वसन संबंधी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। दूसरी ओर, वे शहर का कचरा सड़कों पर फैलाकर उसे अवरुद्ध कर रहे हैं। परिणामस्वरूप, कन्नूर में कचरा खदान के पास 600 से अधिक कचरा ट्रक खड़े हैं। परिणामस्वरूप, शहर के कचरे के निपटान के लिए ट्रक नहीं हैं। इस पृष्ठभूमि में, शहर में कचरे की समस्या और भी बदतर हो जाएगी। फिलहाल, ठोस अपशिष्ट विभाग के अधिकारियों ने कन्नूर के ग्रामीणों के साथ बैठकें की हैं, लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ। कचरे से भरी ट्रकें और ऑटो शहर की सड़कों पर खड़े हैं। इन सब बातों को देखते हुए, क्या शहर की कचरा समस्या फिर से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सुर्खियाँ बन रही है? क्या सिलिकॉन सिटी की हालत बहुत खराब हो रही है? इस बात की चर्चा शुरू हो गई है।

जेलों के अंदर अपराध और अनियमितताओं को रोकने के लिए आधुनिक तकनीक का उपयोग: परमेश्वर

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। गृहमंत्री डॉ. जी. परमेश्वर ने कहा कि आधुनिक तकनीक का उपयोग कर जेल के अंदर अपराध और अनियमितताओं को रोकने के लिए कड़े कदम उठाए गए हैं। प्रश्नोत्तर सत्र के दौरान भाजपा सदस्य प्रताप सिंह नायक के सवाल के जवाब में गृहमंत्री परमेश्वर ने कहा कि आधुनिक तकनीक का उपयोग कर जेल में होने वाले दुर्व्यवहारों पर अंकुश लगाया गया है। उन्होंने यह भी कहा कि अपराधियों के बीच संचार को समाप्त करने के लिए उच्च-रिजॉल्यूशन वाले जैमर लगाए गए हैं। जेल के भीतर अनियमितताओं को अधिक प्रभावी ढंग से रोकने के प्रयास किए जा रहे हैं। बेंगलूरु सहित पूरे राज्य में 250 से अधिक एआई कैमरे लगाए गए हैं। नशीले पदार्थों की रोकथाम के लिए भी आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं। 240 से अधिक मामलों की जांच की गई है।

इसी प्रकार, परमेश्वर ने सदन को बताया कि कुछ मामलों में सजा भी दी गई है। आज के समय में यह कोई नई बात नहीं रह गई है। अवैध गतिविधि जारी है। यह पूरे देश में लंबे समय से हो रहा है। मैं इसका औचित्य नहीं मानता। यह बात सरकार के ध्यान में भी आई है, जिसने कुछ अधिसूचनाएं जारी की हैं। उन्होंने कहा कि इतना ही नहीं, हमने कई कदम भी उठाए हैं। जेल के सुरक्षाकर्मियों पर भी आरोप लगे। इसलिए हमने केएएस और आईएएस ग्रेड के अधिकारियों को भी नियुक्त किया है। सख्त कार्रवाई करने के निर्देश भी दिए गए हैं। परप्पना अग्रहारा में भी यही बात घटित हो रही थी। हमने यहां भी काफी कार्रवाई की है। अब हमने वहां जैमर लगा दिए हैं। यदि यह जैमर लगा दिया जाए तो आसपास के घरों तक नेटवर्क की पहुंच नहीं हो पाएगी। उन्होंने बताया कि वे विशेषज्ञों के पास भी गए हैं। अकेले बेंगलूरु में 280 एआई कैमरे लगाए गए हैं। आरोप है कि नशीली दवाएं आपूर्ति की जा रही हैं। इसे रोकने के लिए श्वान दस्तों का इस्तेमाल किया जा रहा है। इसके अतिरिक्त, हमने निरीक्षण में भी तेजी ला दी है। हमारे संबंधित पुलिस थानों में 248 मामले दर्ज किये गये हैं।

1032 दवाओं की मुफ्त आपूर्ति के लिए की गई कार्रवाई : दिनेश गुंडू राव

नियमानुसार 761 दवाएं उपलब्ध होनी चाहिए

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। राज्य के लोगों को बेहतर चिकित्सा सेवाएं प्रदान करने के लिए 1,032 दवाएं खरीदने और उन्हें मुफ्त में उपलब्ध कराने के लिए कदम उठाए जा रहे हैं। यह बात स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री दिनेश गुंडू राव ने कही। विधानसभा में प्रश्नोत्तर काल के दौरान भाजपा विधायक डॉ. सी.एन. अश्वत्थ नारायण ने सवाल पूछते हुए कहा कि राज्य सरकार के नियमानुसार 761 दवाएं उपलब्ध होनी चाहिए। लेकिन वास्तव में इनकी संख्या केवल 231 है। चार साल से दवाइयों की खरीद के लिए कोई टेंडर नहीं हुआ है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्य योजना के अंतर्गत वर्ष 2024-25 के लिए निःशुल्क दवाओं की आपूर्ति हेतु 157 करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं। इसमें से दिसंबर तक केवल 5.5 करोड़ रुपये ही खर्च किए गए, जो 3.5 प्रतिशत की उपलब्धि है। यहां तक कि निचले स्तर पर दवाओं की खरीद की भी उचित

अनुमति नहीं है। एक ओर, बाहर से दवा खरीदने के लिए पर्ची लिखने पर डॉक्टरों को निलंबित किया जा रहा है। सरकार दवाइयां उपलब्ध नहीं करा रही है। केंद्र द्वारा जारी धनराशि खर्च नहीं की जा रही है। नकली दवाइयों का नेटवर्क बड़े पैमाने पर चल रहा है। इसका निरीक्षण करने के लिए कर्मचारियों की कमी है। औषधि निरीक्षकों के 114 पदों में से केवल 8 कार्यरत हैं। देश में 27,000 दवा कम्पनियां हैं, क्या उनका ऑडिट संभव है? कहा जा रहा है कि सरकार द्वारा आपूर्ति की जाने वाली दवाओं की क्षमता मात्र 10 प्रतिशत है। दवाइयों की गुणवत्ता जांचने के लिए जिला स्तर पर कोई प्रयोगशाला नहीं है। उन्होंने विस्तृत स्पष्टीकरण देते हुए कहा कि नकली दवाएं आपूर्ति करने वालों के खिलाफ अब तक कोई अनुशासनात्मक कार्रवाई नहीं की गई है। इसका जवाब देते हुए मंत्री ने कहा कि स्वास्थ्य विभाग दो श्रेणियों में दवाइयां खरीद रहा है, आवश्यक और गैर-आवश्यक। 408 प्रकार की आवश्यक दवाओं में से 262 दवाएं क्रय हेतु वांछनीय हैं, तथा 324 दवाओं में से 213 दवाओं की खरीद हेतु स्वीकृति दी गई है, इस प्रकार कुल 475 दवाएं क्रय की जा रही हैं। जिला स्तर पर 344 दवाओं का स्टॉक है। जब कुछ दवाओं की खरीद के लिए निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं तो ठेकेदार दवाएं आपूर्ति करने के लिए आगे नहीं आते हैं। वे इसलिए हिचकिचा रहे हैं क्योंकि कीमत कम है। निचले स्तर पर, एआरके और एबीआरएस मॉडल के तहत दवाओं की खरीद के लिए पर्याप्त धनराशि उपलब्ध कराई गई है। उन्होंने बताया कि केंद्र सरकार के अनुदान का 80 प्रतिशत कर्नाटक राज्य चिकित्सा आपूर्ति निगम को आवंटित किया जा रहा है, जबकि 20 प्रतिशत जिला स्तर के अस्पतालों को दिया जा रहा है और इसका उपयोग एबीएआरसी, एआरएस, एनएफडीएस और 15वीं वित्तीय योजना के तहत किया जा रहा है। अब तक केवल 732 दवाइयां ही खरीद के लिए उपलब्ध थीं। इसे बढ़ाकर 1,032 किया जा रहा है। दवाओं की मांग के आधार पर समय-समय पर मॉडल बदले जाएंगे। उन्होंने कहा कि सरकार शीघ्र ही दवाएं खरीदकर अस्पतालों को आपूर्ति करके अपने मौलिक कर्तव्य के प्रति प्रतिबद्ध होगी। नकली दवाइयां 4 प्रकार की होती हैं। जबकि गलत लेबलिंग एक प्रकार है, निर्माता, दवा से जुड़े लेबल पर नाम, लेबल पर गलत जानकारी और दवा की गुणवत्ता के आधार पर अन्य प्रकार भी हो सकते हैं। राज्य सरकार ने अपने इतिहास में अब तक सबसे अधिक निरीक्षण किये हैं। इस पर राष्ट्रीय स्तर पर चर्चा हो रही है।

उन्होंने कहा कि 67 औषधि निरीक्षकों की नियुक्ति के लिए कदम उठाए गए हैं तथा न्यायालयीन मामला निपटते ही नियुक्ति आदेश जारी कर दिए जाएंगे। नकली दवाइयों के मामले में 87 फार्मेसी दुकानों के लाइसेंस निलंबित कर दिए गए हैं तथा 3 लाइसेंस रद्द कर दिए गए हैं। उन्होंने बताया कि आईएएस अधिकारी को प्रबंध निदेशक नियुक्त करके केएसएमएससीएल में काफी सुधार लाया जा रहा है। निविदा नियमों को भी सरल बनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि खाद्य एवं औषधि विभाग में अधिक सावधानी बरती जा रही है। लेकिन अश्वत्थ नारायण ने इस जवाब से असहमति जताते हुए कहा कि स्वास्थ्य विभाग बीमार पड़ गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि लोगों को दवाएं ठीक से उपलब्ध नहीं कराई जा रही हैं। इस वर्ष दवाओं की खरीद के लिए 989 करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं। मंत्री दिनेश गुंडू राव ने कहा कि दवाओं की उपलब्धता को उच्च प्राथमिकता दी गई है।

राान्या राव मामला

यहां सब कुछ संदिग्ध लग रहा है: भाजपा विधायक

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। भाजपा विधायक भरत शेट्टी ने गुरुवार को रान्या राव सोना तस्करी मामले में सीआईडी जांच वापस लेने के कर्नाटक सरकार के फैसले की आलोचना की। उन्होंने इस कदम पर सवाल उठाया, इसे संदिग्ध बताया और सुझाव दिया कि सरकार अपने अधिकारियों को जांच में नाम आने से बचाने की कोशिश कर रही है। यहां पत्रकारों से वार्ता में भाजपा विधायक डॉ. भरत शेट्टी वाई ने कहा यहां सब कुछ संदिग्ध लग रहा है। ऐसा लग रहा है कि सीआईडी अधिकारियों ने राज्य सरकार को सूचित किया है कि वे सरकार की मदद नहीं कर पाएंगे क्योंकि जांच में कुछ सरकारी अधिकारियों के नाम आ सकते हैं। जबकि, जब मुडा मामले की बात आई, तो हालांकि ईडी जांच चल रही थी, सिद्धरामैया ने खुद को भ्रष्टाचार के आरोपों से मुक्त करने के लिए लोकायुक्त जांच को आगे बढ़ाया। वे यहां किसी बहुत बड़े व्यक्ति को बचाने की कोशिश कर रहे हैं। इस बीच, राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) ने सीबीआई से रान्या राव सोना तस्करी मामले की जांच करने को कहा।

कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरामैया के कानूनी

सलाहकार एएस पोन्नन्ना ने कहा कर्नाटक में सीबीआई का अधिकार क्षेत्र वस्तुतः तब तक अस्तित्वहीन है जब तक कि सरकार इसकी अनुमति न दे। इसलिए, वे जांच करने आए हैं। उन्हें जांच करने दें। सीबीआई सभी पहलुओं की जांच कर सकती है। उल्लेखनीय है कि अभिनेत्री रान्या राव को 3 मार्च को राजस्व खुफिया निदेशालय ने दुबई से 14.8 किलोग्राम सोने की तस्करी के आरोप में बेंगलूरु के केम्पेगौड़ा अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर गिरफ्तार किया था।

डीसी ने गांवों का दौरा कर पेयजल आपूर्ति की समीक्षा की

कलबुर्गी/शुभ लाभ ब्यूरो। गर्मी के मद्देनजर जिला कलेक्टर बी. फौजिया तरन्नुम ने कलबुर्गी तालुक के विभिन्न गांवों का दौरा किया और ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल आपूर्ति की स्थिति की समीक्षा की।

उन्होंने डीसी तालुका के जाफराबाद गांव के विभिन्न कॉलोनियों में घरों का दौरा किया और लोगों से जलापूर्ति के बारे में जानकारी ली। एलएंडटी को हर सप्ताह पानी की आपूर्ति करने को सूचना दी। उन्होंने जनता से पानी का संयम से उपयोग करने की अपील की। जाफराबाद गांव में जल जीवन मिशन परियोजना तैयार हो चुकी है, इसलिए इसे तुरंत क्रियान्वित किया जाएगा। उन्होंने सावलगी, हुनसिहडगिल, माचनालतांडा और गरुर (बी) गांवों का दौरा भी किया और संबंधित अधिकारियों को विभिन्न अनुदानों का उपयोग करके प्राथमिकता के आधार पर इन गांवों में पीने का पानी उपलब्ध कराने के निर्देश दिए, ताकि ग्रामीणों को पेयजल आपूर्ति में कोई व्यवधान न हो। इस अवसर पर जिला पंचायत सीईओ भंवर सिंह मीना सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

फर्जी खबरें फैलाने वालों के खिलाफ होगी सख्त कार्रवाई: गृह मंत्री

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। गृह मंत्री डॉ. जी. परमेश्वर ने कहा कि साइबर अपराधों की संख्या दिन-प्रतिदिन बढ़ती जा रही है और सरकार ने इसे गंभीरता से लिया है। सोशल मीडिया पर फर्जी खबरें फैलाने वालों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। विधान परिषद में भाजपा सदस्य नवीन कुमार के एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि पिछले एक साल में राज्य में 22,000 साइबर मामले दर्ज किए गए हैं। उन्होंने इस बात पर खेद व्यक्त किया कि इस बारे में जनता में जागरूकता बढ़ाने के लिए चल रहे जन जागरूकता कार्यक्रमों के बावजूद, मामलों की संख्या दिन-प्रतिदिन बढ़ती जा रही है। बलात्कार, हत्या और एफओसीएसओ के मामले कम हो रहे हैं। लेकिन साइबर अपराध में कमी नहीं आई है। केंद्र सरकार, जिसके पास कानूनी ढांचे का अभाव है, को इसके लिए नया कानून बनाना चाहिए। हमारी

सरकार यही करने का प्रस्ताव कर रही है। हम इस बात पर चर्चा करेंगे कि कौन सा कानून आवश्यक है। उन्होंने कहा कि अधिकांशतः जब धन की आवश्यकता होती है तो हम बजट में अनुदान की मांग करते हैं। सोशल मीडिया पर झूठी खबरें पोस्ट करने वालों के खिलाफ सुमोटो शिकायत दर्ज की जाएगी। उन्होंने बताया कि 2023 में यह आंकड़ा -228, 2024 में -338 तथा 2025 में अब तक 68 स्वतः संज्ञान मामले दर्ज किए गए हैं। हमने इस पर निगरानी रखने के लिए एक व्यक्ति को नियुक्त करने का निर्णय लिया है। हमने कानून-व्यवस्था और व्यक्तिगत चोरी करने वालों पर नजर रखने के लिए एक डाटाबेस बनाया है। कुछ संगठन कुछ करते हैं। प्रत्येक पुलिस स्टेशन सप्ताह के सातों दिन, 24 घंटे कार्य करता है। उन्होंने कहा कि इसकी देखभाल के लिए चार विंग बनाए गए हैं।

शुभ लाभ DAILY खबरें जो सोच बदल दे

प्रदेश भाजपा ने रान्या राव के मंत्रियों से कथित संबंधों पर उठाए सवाल

सीएम के साथ फोटो शेयर की

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक भाजपा इकाई ने अभिनेत्री रान्या राव से जुड़े चल रहे सोने की तस्करी मामले में राज्य के मंत्रियों की संलिप्तता के बारे में नई चिंता जताई है। उन्होंने अभिनेत्री की मुख्यमंत्री सिद्धरामैया और राज्य के गृह मंत्री जी. परमेश्वर के साथ एक तस्वीर साझा की है, जिसके बारे में उनका दावा है कि यह उनकी शादी के दिन ली गई थी। भाजपा ने अपने आधिकारिक एक्स (पूर्व में ट्विटर) हैंडल पर तस्वीर पोस्ट की, जिससे रान्या राव और इन प्रमुख राजनीतिक हस्तियों के बीच कथित संबंधों की और जांच शुरू हो गई। रान्या राव को 3 मार्च को राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) ने गिरफ्तार किया था, जब वह दुबई से 14.56 करोड़ रुपये के सोने की छड़ें लेकर बेंगलूरु पहुंची थी। पोस्ट में भाजपा ने कांग्रेस पार्टी से सवाल किया और उससे अभिनेत्री से कथित तौर पर जुड़े दो मंत्रियों की पहचान उजागर करने का आग्रह किया। भाजपा के कैप्शन में लिखा था इन दो मंत्रियों और आरोपी के बीच क्या संबंध है? विपक्ष के नेता (एलओपी) आर. अशोक ने विवाद पर टिप्पणी करते हुए कहा मेरे पास अभी इस बारे में विस्तृत जानकारी नहीं है, लेकिन हर दिन मीडिया में मंत्रियों और आरोपियों के बीच कथित सांठगांठ की चर्चा होती है। यह घोटाला हाल ही का नहीं है। यह पिछले पांच सालों से हो रहा है। यह सिर्फ अभिनेत्री से जब्त किए गए 14 किलोग्राम सोने के बारे में नहीं है, आगे की जांच से पता चल सकता है कि वास्तविक मात्रा 140 किलोग्राम से अधिक है। हालांकि, उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने कहा कि कोई घोटाला नहीं हुआ है। अशोक ने जवाब देते हुए कहा कर्नाटक के लोगों का मानना है कि यह एक बड़ा घोटाला है। उन्होंने शिवकुमार के रुख पर सवाल उठाते हुए कहा शिवकुमार क्लीन चिट दे रहे हैं, लेकिन इस मामले की जांच सीबीआई और केंद्रीय एजेंसियों द्वारा की जानी चाहिए। वे असली अपराधी को उजागर करेंगे और हवाला लेनदेन की पूरी सीमा को उजागर करेंगे। शिवकुमार किसी भी जांच एजेंसी का प्रतिनिधित्व नहीं करते हैं। अशोक ने जोर देकर कहा कि चल रही जांच के दौरान शिवकुमार द्वारा क्लीन चिट देना एक गलती थी। कांग्रेस विधायक रिजवान अरशद ने भाजपा के आरोपों का जवाब देते हुए कहा रान्या राव और कई अन्य लोगों की भाजपा नेताओं के साथ विभिन्न सामाजिक समारोहों में तस्वीरें भी होंगी। अगर किसी मामले की गंभीरता किसी सामाजिक समारोह की एक तस्वीर के आधार पर तय की जाती है, तो यह मामला राजनीति से प्रेरित है। अरशद ने फिर भाजपा पर ध्यान केंद्रित करते हुए कहा मैं भाजपा से पूछना चाहता हूं कथित सोना तस्कर रान्या राव द्वारा कर्नाटक औद्योगिक क्षेत्र विकास बोर्ड (केआईएडीबी) में 12 एकड़ जमीन के लिए आ-वेदन करने के 40 दिनों के भीतर, उनके आवेदन को मंजूरी दे दी गई, और उन्हें भाजपा सरकार द्वारा उनके कार्यकाल के अंत में जमीन आवंटित की गई। क्या आपकी सरकार के तहत तस्करों के लिए कोई विशेष सेवा थी? भाजपा के कार्यकाल में एक आम व्यवसायी को कभी भी 50 दिनों के भीतर करोड़ों की जमीन आवंटित नहीं की गई होगी। अब, वे हमें उपदेश दे रहे हैं और उंगली उठा रहे हैं? उन्होंने कहा सीबीआई को 40 दिनों के भीतर 12 एकड़ जमीन आवंटित करने में शामिल सभी भाजपा नेताओं की जांच करनी चाहिए। भाजपा को स्पष्ट करना चाहिए कि वह उद्योगपति हैं या तस्कर। चिकित्सा शिक्षा मंत्री शरण प्रकाश पाटिल ने विवाद पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा सभी जानते हैं कि केंद्र सरकार कैसे काम करती है। वे सीबीआई, ईडी और आईटी विभागों का इस्तेमाल अपनी पार्टी के विस्तार के रूप में कर रहे हैं। इसमें कांग्रेस का कोई मंत्री शामिल नहीं है। हो सकता है, भाजपा के नेता शामिल हों, लेकिन मुझे इसकी जानकारी नहीं है। मामले पर टिप्पणी करने वाले भाजपा एमएलसी सीटी रवि ने कहा रान्या राव मामले में बड़े नामों पर चर्चा हो रही है। दो मंत्रियों की भूमिका भी जांच के दायरे में है। ये मंत्री कौन हैं? उनकी क्या संलिप्तता थी और बदले में उन्हें क्या मिला? इसकी जांच होनी चाहिए। उन्होंने कहा शादियों में लोगों का शामिल होना एक बात है, क्योंकि सभी को आमंत्रित किया जाता है।

सोने की तस्करी के पीछे वास्तव में कौन

हालांकि, जांच से पता लगना चाहिए कि सोने की तस्करी के पीछे वास्तव में कौन है। जांच के बिना, न तो क्लीन चिट मिलनी चाहिए और न ही आरोप लगाए जाने चाहिए। मैं किसी का नाम नहीं ले रहा हूं, लेकिन जनता इस बात पर बहस कर रही है कि कौन से मंत्री इसमें शामिल हो सकते हैं और जांच से सच्चाई सामने आनी चाहिए। कांग्रेस विधायक अजय सिंह ने भी प्रतिक्रिया देते हुए कहा सोने की तस्करी के मामले के लिए केंद्र सरकार को जिम्मेदार ठहराया जाना चाहिए क्योंकि इसमें दुबई से बेंगलूरु के लिए एक अंतरराष्ट्रीय उड़ान शामिल है। यह कैसे हुआ? केंद्र को पता होना चाहिए था। रान्या राव को पिछले सोमवार को डीआरआई अधिकारियों ने बेंगलूरु अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर सोने की तस्करी करने के बाद गिरफ्तार किया था। उनकी गिरफ्तारी के बाद, कर्नाटक राज्य सरकार ने उनके पिता, डीजीपी के. रामचंद्र राव की भूमिका का पता लगाने के लिए दो अलग-अलग जांच का आदेश दिया, जिन्होंने कथित तौर पर उनकी यात्रा के दौरान उन्हें प्रोटोकॉल विशेषाधिकार और पुलिस एस्कॉर्ट प्रदान किए थे।

पाप को छिपाने के लिए धर्म मत करना: डॉ. समकितमुनि

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ राजाजीनगर में विराजित डॉ. समकितमुनि ने धर्म सभा को संबोधित करते हुए होली चातुर्मास के पावन पर्व पर कहा कि जैन दर्शन में होली चातुर्मास का विशेष महत्व है। होली का पर्व आत्मा से परमात्मा का मिलन है। व्यक्ति को सद्गुणों के रंग से अपने जीवन को रंगीन बनाने का प्रयास और दुर्गुणों से परहेज करना चाहिए। संसार के सब रंग फीके और क्षणिक हैं। एक धर्म, प्रेम और मैत्री का रंग ही ऐसा है जो जिंदगी को सही मायने में रंगीन और खुशहाल बनाता है। होली पर्व बुराइयों पर अच्छाइयों की जीत का प्रतीक है। उन्होंने आगे कहा कि पाप में सफल होने के लिए धर्म मत करना। पाप करने के लिए सामायिक मत करना। नवकार गिन कर पाप मत करना। धर्मात्मा के साथ कभी पाप मत करना, फरेब मत करना। पाप को छिपाने के लिए धर्म मत करना। जिस गुरु की बदौलत हमें आज सुसंस्कार मिले है उस गुरु से कभी कपट मत करना। अगर कर लिया तो ऐसा दुर्भाग्य कि जन्मों जन्मों तक नहीं मिटने वाला। पाप के छींटे पाप के रंग हमारे संघ समाज पर पड़े ऐसा कार्य कभी मत करना। संत बन कर कभी पाप मत करना जिस से हजारों लोगों की भावना खत्म हो जाए। हमारा दिखावा ऐसा नहीं होना चाहिए जिससे हम दूसरों की आंखों में खटकने लगे। अच्छा कार्य जीवन में करो ना करो किसी का बुरा या गलत कार्य कभी मत करना। उस सत्य को कभी मत बोलना जिसे लंबे समय तक छिपा कर रखा है। बुरे निमित पर अच्छे भाव रखना ही साधना है। इस अवसर पर चेन्नई से 80 श्रद्धालु चन्द्रप्रकाश तालेडा, मीठालाल पगारिया, महावीर बोकड़िया के नेतृत्व में उपस्थित हुए। गौतम प्रसादी के लाभार्थी उगमराज, कमलकिशोर, संतोषकुमार, शीतलकुमार लूणावत परिवार एवं विज्ञापन सौजन्य गौतमचंद, गणपतराज महेंद्रकुमार बाफना परिवार, अशोका कन्वेंशन हॉल प्रांगण के ममता सालेचा का अभिनंदन संघ की ओर से किया गया। जैन कॉन्फ्रेंस कर्नाटक प्रांत के नेतृत्व में युवा शाखा द्वारा 'परिवार जोड़ो अभियान' का आगाज हुआ। जिसमें ज्यादा से ज्यादा परिवार के सदस्यों को जैन कांफ्रेंस से जोड़ने का प्रयास रहेगा। इस मौके पर चातुर्मास समिति 2026 की ओर से डॉ. समकितमुनि की प्रकाशचंद बेताला और गुलाबचंद पगारिया के नेतृत्व में आगामी 2026 की बेंगलूरु चातुर्मास हेतु विनती रखी। शोलींगर संघ ने गुरुदेव से तमिलनाडु प्रवेश की विनती रखी। दुगड़ परिवार ने चेन्नई में आयोजित अक्षय तृतीय पारणा समारोह में पधारने का आग्रह किया। जीतो बेंगलूरु चैप्टर द्वारा आगामी 9 अप्रेल को आयोजित विश्व नवकार महामंत्र दिवस पर सभी की सहभागिता के लिए निवेदन किया। इस आयोजन में राजाजीनगर श्री संघ के पदाधिकारी, कार्यकारिणी सदस्य, त्रिशला महिला मण्डल, त्रिशला बहु मण्डल, राजाजीनगर युवा, जिनेश्वर मण्डल, महावीर जैन पाठशाला व समस्त सहयोगी संस्थाओं ने सहयोग प्रदान किया। विशेष सहयोग आवास निवास समिति के ज्ञानचंद लोढ़ा व टीम एवं भोजन समिति के प्यारेलाल टपरावट, राजेश टोडरवाल व राजाजीनगर युवा अध्यक्ष धीरज नाहर व टीम सदस्यों का रहा। अध्यक्ष प्रकाशचंद ने सभी का स्वागत किया। उपाध्यक्ष रोशनलाल नाहर, सहमंत्री राकेश दलाल, कोषाध्यक्ष प्रसन्न भलगट ने आभार जताया।

कानून का उद्देश्य राज्य की राजधानी की प्रशासनिक मशीनरी को मजबूत करना: शिवकुमार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। विधान परिषद के कई सदस्यों की आपत्तियों के बावजूद, विवादास्पद ग्रेटर बेंगलूरु गवर्नेंस बिल, 2024, बुधवार को कर्नाटक विधानमंडल के ऊपरी सदन में पारित हो गया।

इसी बीच विधेयक के क्रियान्वयन से बेंगलूरु के बंटवारे की चिंताओं को संबोधित करते हुए, उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार, जो बेंगलूरु विकास मंत्री भी हैं, ने कहा कि इस कानून का उद्देश्य राज्य की राजधानी की प्रशासनिक मशीनरी को मजबूत करना है। केम्पेगौड़ा ने इस शहर की नींव रखी और इसके क्षेत्र को चिह्नित किया, लेकिन बेंगलूरु उन सीमाओं से परे फैल गया है। मैं आपकी सभी चिंताओं को समझता हूं, और आपको आश्वासन देता हूं कि बेंगलूरु का बंटवारा नहीं होगा। शिवकुमार ने बताया कि नागरिकों के साथ व्यापक परामर्श के अलावा हितधारकों के साथ कई दौर के विचार-विमर्श के बाद विधेयक का मसौदा तैयार किया गया था। विपक्ष के नेता चलवाडी नारायणस्वामी द्वारा पूछे गए एक सवाल का जवाब देते हुए, जिन्होंने कुछ स्थानीय निकायों द्वारा पर्याप्त राजस्व उत्पन्न करने में असमर्थ होने की संभावना की ओर इशारा किया, शिवकुमार ने कहा हमने अनुच्छेद 74 को नहीं छुआ है, और स्थानीय निकायों के बीच राजस्व हस्तांतरण की अनुमति नहीं दी जाएगी। यदि कोई स्थानीय निकाय कमजोर दिखाई देता है, तो हमने राज्य सरकार को उन्हें वित्तीय सहायता देने की अनुमति देने वाले प्रावधान शामिल किए हैं। उपमुख्यमंत्री ने परिषद को आश्वासन दिया कि ग्रेटर बेंगलूरु प्राधिकरण के लिए नियम तैयार करते समय सभी सदस्यों को विश्वास में लिया जाएगा।

उन्होंने कहा मुख्यमंत्री को नियमित रूप से बैठकों की अध्यक्षता करनी होगी क्योंकि कई परियोजनाओं को वित्त विभाग से मंजूरी की आवश्यकता होगी। यह बताते हुए कि बेंगलूरु में प्रवेश करने वाले लोग अपने पुराने गृहनगर नहीं लौट रहे हैं, शिवकुमार ने विधेयक की आवश्यकता का बचाव किया। कांग्रेस एमएलसी एम आर सीताराम और जेडी(एस) सदस्य टी ए शरवण द्वारा बनाए जाने वाले निगमों की संख्या के बारे में पूछे जाने पर, शिवकुमार ने कहा सात निकायों के लिए प्रावधान हैं, लेकिन हम इतने से शुरू नहीं करेंगे।

सरकार ने सोना तस्करी मामले में सीआईडी जांच रद्द की

आईएएस के नेतृत्व में जांच के आदेश दिए

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। एक आश्चर्यजनक कदम उठाते हुए, कर्नाटक सरकार ने सैंडलवुड अभिनेत्री रान्या राव से जुड़े हाई-प्रोफाइल सोना तस्करी मामले में सीआईडी जांच वापस ले ली है और इसके बजाय आईएएस के नेतृत्व में जांच का आदेश दिया है। इस फैसले ने मामले में संभावित राजनीतिक और नौकरशाही संबंधों को लेकर अटकलों को हवा दे दी है। शुरू में, एयरपोर्ट पर पुलिस कर्मियों द्वारा प्रोटोकॉल उल्लंघन की रिपोर्ट सामने आने के बाद मामले की जांच के लिए आपराधिक जांच विभाग (सीआईडी) को नियुक्त किया गया था। जांच इस बात पर केंद्रित थी कि क्या कुछ अधिकारियों ने रान्या राव को उनके कथित तस्करी ऑपरेशन के दौरान सुरक्षा के बीच से गुजरने में मदद की थी। हालांकि, एक त्वरित उलटफेर में, सरकार ने घोषणा की कि अतिरिक्त मुख्य सचिव गौरव गुप्ता अब जांच का नेतृत्व करेंगे। अंडर सेक्रेटरी एच महालक्ष्मी (आंतरिक विभाग - अपराध) द्वारा औपचारिक रूप दिए गए फैसले में मामले की देखरेख के लिए एक वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी की आवश्यकता का हवाला दिया गया। नई जांच के तहत रान्या राव द्वारा पुलिस प्रोटोकॉल का कथित दुरुपयोग, विशेष विशेषाधिकार देने में उनके सौतेले पिता डीजीपी (पुलिस आवास निगम) के रामचंद्र राव की भूमिका, तस्करी नेटवर्क से जुड़े किसी भी राजनीतिक संबंध समेत अन्य मुद्दों की जांच होगी। गृह विभाग ने यह पता लगाने के लिए एक आंतरिक जांच भी शुरू की है कि रान्या राव ने मानक हवाई अड्डे की सुरक्षा जांच को कैसे दरकिनार किया। जांचकर्ता इस बात की जांच कर रहे हैं कि क्या उनके सौतेले पिता के प्रभाव ने बेंगलूरु अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर अनधिकृत विशेषाधिकार प्रदान करने में भूमिका निभाई। सूत्रों का सुझाव है कि रान्या राव ने दुबई से सोने की तस्करी के लिए अपने संबंधों का इस्तेमाल किया हो सकता है, जिससे हवाई अड्डे की सुरक्षा प्रोटोकॉल और प्रणालीगत खामियों में संभावित खामियों के बारे में चिंता बढ़ गई है। इस मामले ने एक राजनीतिक मोड़ ले लिया है, अटकलें लगाई जा रही हैं कि एक शक्तिशाली राजनेता ने अभिनेत्री को बचाया हो सकता है। रिपोर्ट बताती हैं कि सरकार द्वारा सीआईडी जांच को अचानक वापस लेने के पीछे प्रभावशाली व्यक्तियों का दबाव हो सकता है। इस बीच, राजस्व खुफिया निद-ेशालय (डीआरआई), जिसने पिछले सप्ताह रान्या राव को गिरफ्तार किया था, ने अदालत को एक रिपोर्ट सौंपी है, जिसमें कहा गया है कि इस मामले में अंतरराष्ट्रीय हवाला और तस्करी के तार जुड़े हुए हैं, जिससे यह राष्ट्रीय सुरक्षा का मामला बन जाता है। डीआरआई का प्रतिनिधित्व करने वाले वरिष्ठ वकील मधु राव ने रान्या राव की जमानत याचिका का विरोध करते हुए तर्क दिया कि एक बड़ा तस्करी सिंडिकेट शामिल हो सकता है। अदालत ने इस मामले पर अपना फैसला सुरक्षित रख लिया है। कई एजेंसियों के शामिल होने के कारण, इस मामले ने पूरे देश का ध्यान अपनी ओर खींचा है। सीबीआई और डीआरआई तस्करी रैकेट की समानांतर जांच जारी रखे हुए हैं। इस बीच, राज्य के नेतृत्व वाली आईएएस जांच से कानून प्रवर्तन अधिकारियों द्वारा सत्ता के दुरुपयोग का पता चलने की उम्मीद है।

7 सरकारी पीयू कॉलेज शुरू करने का है प्रस्ताव: मधु बंगारप्पा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। स्कूल शिक्षा और साक्षरता मंत्री एस. मधुबंगारप्पा ने विधानसभा में बताया कि राज्य के विभिन्न जिलों और तालुकों में 7 सरकारी हाई स्कूलों को अपग्रेड करने और एक नया सरकारी प्री-यूनिवर्सिटी कॉलेज शुरू करने का प्रस्ताव है। बहस सत्र के दौरान विधायक विश्वास वसंत वैद्य के एक सवाल का जवाब देते हुए मंत्री ने कहा कि स्कूल शिक्षा विभाग (स्नातक) के निदेशक ने 9 दिसंबर को यह प्रस्ताव प्रस्तुत किया था। उन्होंने कहा कि वित्त विभाग से अनुमति मिलते ही नियमानुसार कार्यवाही की जाएगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि इस प्रस्ताव में बेलगावी जिले के सावदत्ती तालुक में मोदुर सरकारी हाई स्कूल को अपग्रेड करने का प्रस्ताव भी शामिल है। मंत्री ने कहा कि बजट में की गई घोषणा के अनुसार कर्नाटक में नए पब्लिक स्कूल शुरू किए जाएंगे।

राजपुरोहित को किया सम्मानित

मैसूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। बन्नूर रोटरी फाउंडेशन के अध्यक्ष वेंकटेश और सचिव सी. राजू के नेतृत्व में एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। रोटरी इंटरनेशनल डिस्ट्रिक्ट गवर्नर एमपीएचएफ विक्रम दत्त ने रोटरी संस्था में गत 25 वर्षों से निरंतर सेवाकार्य में अग्रणी रहने पर समाजसेवी महेंद्र सिंह राजपुरोहित तथा संतोष कंवर का सम्मान किया गया। पीडीजी डॉ. नागार्जुन, डीजीएन सतीश बोलर, डीजी यशस्विनी सोमशेखर, जिला सचिव रीतिस बालिगा, माणकचंद चौधरी, जोनल प्रतिनिधि केजी महेश, रोटरी संगठन के अध्यक्ष वेंकटेश, सचिव सी. राजू, स्कूल समिति के मानद अध्यक्ष सी. पार्थसारथी, अध्यक्ष वाई.एच. हनुमंते गौड़ा, योगेन्द्र, वन्या कंवर, विराटसिंह, डॉ. राजीव, बीएन सुरेश, रामचंद्र, नवीना, जीपी प्रसन्ना, राजेंद्र, बसवराजू, शिवकुमार, सतीश बालिगा, जयारामे गौड़ा, वेंकटेश प्रसाद, प्रभाकर, वासुदेव, सिद्देगौड़ा, महेंद्रकुमार और राजेश आदि उपस्थित रहे।

साध्वी पावनप्रभा ने राजाराजेश्वरी नगर में बरसाए होली पर आध्यात्मिक रंग

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। युगप्रधान आचार्य महाश्रमणजी की सुशिष्या साध्वीश्री पावनप्रभाजी ने होली उत्सव पर अपने उद्गार प्रकट करते हुए कहा होली रंगों का त्यौहार है। यह एक लौकिक पर्व माना जाता है। इस पर्व के साथ चतुर्दशी व पक्खी जुड़कर अध्यात्ममय बन जाता है। जैसे वस्त्रों के दाग व धब्बों को धोने के लिए रिमूवर, आला ब्लीच आता है वैसे ही आत्मा के दोषों, धब्बों को मिटाने का रिमूवर है प्रतिक्रमण। इस आध्यात्मिक अनुष्ठान के द्वारा हम खमतखामणा कर के सभी जीवों के साथ मैत्रीभाव रख सकते हैं।

मैत्री का दीप जला सकते हैं। साध्वी आत्मयशाजी, उन्नतयशाजी व रम्यप्रभाजी ने होली का त्योहार रंगो का उपहार सम्बन्ध में परिसंवाद की प्रस्तुति से रंगों के महत्व को प्रकट किया। पंच परमेष्ठी के पाँच रंगों से उपस्थित श्रावक-श्राविकाओं को आध्यात्मिक होली खिलाई। शासनमाता की स्मृति में साध्वीवृन्द द्वारा सामूहिक सुमधुर गीत के माध्यम से सभी ने श्रद्धा भाव से शासन माता का स्मरण किया। कार्यक्रम की शुरुआत तेरापंथी सभा के मंत्री गुलाब बाँठिया के मंगलाचरण से हुई। सभा की उपाध्यक्ष सरोज आर बैद ने पहली बार होली पर ऐसा आध्यात्मिक वातावरण का निर्माण करने हेतु साध्वीवृन्द के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करते हुए उपस्थित श्रावक समाज को होली की आध्यात्मिक शुभकामना प्रेषित की। श्रावक समाज ने भिन्न समाचारी के रूप में राजाराजेश्वरी नगर में विराजित साध्वी संपूर्णयशा जी की सुखसाता की पृच्छा की।

वैश्विक समुदाय डिजिटल डोमेन में रचनात्मकता और उच्च स्तरीय सामग्री के निर्माण के लिए एक मंच पर आए

नई दिल्ली, 13 मार्च (एजेंसियां)। भारत ने वैश्विक समुदाय का आज आह्वान किया कि वह डिजिटल डोमेन में रचनात्मकता को सशक्त बनाने और उच्च स्तरीय सामग्री के निर्माण के लिए सक्षम बनाने के लिए एक मंच पर आए।

विदेश मंत्री डॉ एस जयशंकर और सूचना प्रसारण, रेल, इलैक्ट्रानिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव और महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस ने यहां सौ से अधिक देशों के राजदूतों, उच्चायुक्तों एवं राजनयिकों की उपस्थिति में दुनिया भर के डिजिटल रचनाकारों को इस पहल से जुड़ने का आह्वान किया और मुंबई में एक से चार मई के बीच होने वाले पहले वर्ल्ड ऑडियो विजुअल एंड एंटरटेनमेंट समिट (वेव्स) 2025 में आमंत्रित किया जिसका उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी करेंगे।

विदेश मंत्री डॉ एस जयशंकर कहते हैं, दुनिया पहले से ही आर्थिक और राजनीतिक पुनर्संतुलन देख रही है। यह अब अपनी तकनीक और इसके सांस्कृतिक पहलुओं की ओर भी बढ़ रहा है। वैश्वीकरण एक कथानक या एक सच्चाई के बारे में नहीं है; यह पृथ्वी पर हमारे लोगों की विशाल विविधता को समझने के बारे में है। हम वास्तव में कभी भी तब तक वैश्विक नहीं हैं, जब तक कि हम वास्तव में स्थानीय नहीं हैं। यह आपसी सम्मान की भावना है और उस दृष्टिकोण से जुड़ा हुआ है, जो हमें एक साथ लाता है।

विदेश मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जिस तरह से विकास भी और विरासत भी पर जोर देते हैं, उसी प्रकार से डिजिटल जगत में सांस्कृतिक पहचान आधुनिक तकनीक को जोड़ कर विश्वस्तरीय सामग्री का निर्माण किया जाए तो उसके बड़े पैमाने पर प्रसार होगा, ग्राहक मिलेंगे। यह तकनीक का लोकतांत्रीकरण होगा और समाज में उसका विस्तार होगा।

डॉ जयशंकर ने कहा कि वेव्स मीडिया और मनोरंजन उद्योग के लिए चर्चा, सहयोग और नवाचार को बढ़ावा देने के लिए एक महत्वपूर्ण मंच के रूप में काम करेंगे। यह कार्यक्रम उद्योग के नेताओं, हितधारकों और नवप्रवर्तनकों को अवसरों का पता लगाने, चुनौतियों का समाधान करने और क्षेत्र के भविष्य को आकार देने के लिए एकजुट करेगा।

केंद्रीय मंत्री श्री वैष्णव ने कहा, प्रौद्योगिकी के उपयोग के कारण रचनात्मकता और मनोरंजक दुनिया बदल रही है और बदल रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने यह अनुमान लगाया था और इसलिए पिछले साल क्रिएटर्स अवार्ड्स का आयोजन किया गया था। इसे बहुत बड़े पैमाने पर आगे बढ़ाते हुए, इस साल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 01-04 मई से मुंबई में पहले वेव्स शिखर सम्मेलन का उद्घाटन करेंगे। यह ऑडियो-विजुअल मनोरंजन उद्योग के लिए सबसे बड़े प्लेटफार्मों में से एक होने जा रहा है। दुनिया भर के सीईओ और निर्माता इसमें शामिल होंगे।

श्री वैष्णव ने कहा कि इसी के साथ क्रिएट इन इंडिया चैलेंज में रचनात्मक पेशेवरों की 25 लाख प्रविष्टियों का विश्लेषण करके 80000 से अधिक प्रविष्टियों को अगले चरण के लिए चुना किया है। हम सार्वजनिक निजी भागीदारी में 1 अरब डॉलर का कोष भी स्थापित कर रहे हैं। पहला भारतीय क्रिएटिव टेक्नोलॉजी संस्थान (आईआईसीटी) मुंबई में लगभग 391 करोड़ रुपये की राशि के साथ स्थापित किया जा रहा है।

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने 'वेव्स शिखर सम्मेलन' की मेजबानी मुंबई को मिलने पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि राज्य सरकार चर्चा, नवाचारों और रणनीतिक गठबंधनों को देखने के लिए उत्साहित है जो वैश्विक मीडिया परिदृश्य के भविष्य को परिभाषित करेंगे क्योंकि हमारा संवाद चल रहा है।

श्री फडणवीस ने कहा, हम मुंबई में वेव्स शिखर सम्मेलन की मेजबानी करेंगे। वह शहर जो कभी नहीं सोता है। उन्होंने कहा कि भारत में लगभग 60 ओटीटी प्लेटफॉर्म हैं, जो दक्षिण पूर्व एशियाई देशों को पीछे छोड़ते हैं और ब्रिटेन, जापान, दक्षिण कोरिया और ऑस्ट्रेलिया जैसे विकसित बाजार हैं।

श्री फडणवीस ने कहा कि स्क्रिप्टेड, अनस्क्रिप्टेड और स्पोर्ट्स प्रोग्रामिंग सहित स्थानीय मनोरंजन में निवेश मजबूत रहा है, 2023 में 5.8 अरब अमरीकी डालर तक पहुंच गया है। अकेले भारत के ऑनलाइन वीडियो उद्योग में अगले पांच वर्षों में निवेश में 17 अरब अमरीकी डालर आकर्षित करने की क्षमता है, जिससे देश की रचनात्मक अर्थव्यवस्था को काफी बढ़ावा मिला है। यह सत्र वैश्विक मीडिया का नेतृत्व करने वालों को साझीदारी बनाने का एक अद्वितीय अवसर प्रदान करेगा।

उन्होंने कहा,वेव्स 2025 एक आंदोलन है जो तकनीकी प्रगति और सामाजिक परिवर्तन में मीडिया की उभरती भूमिका को रेखांकित करता है। महाराष्ट्र निवेश को बढ़ावा देने और नवाचार को चलाने वाली वैश्विक साझेदारी बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। भारतीय क्रिएटिव टेक्नोलॉजी संस्थान की स्थापना का स्वागत करते हुए श्री फडणवीस ने आशा व्यक्त की कि मीडिया जन कल्याण की एक शक्ति बना रहेगा, भविष्य को आकार देगा जहां प्रौद्योगिकी और रचनात्मकता दुनिया को प्रेरित करने और जोड़ने का काम करती है।

बाद में संवाददाताओं से बातचीत में मुख्यमंत्री ने बताया कि गोरेगांव फिल्म सिटी में भारतीय क्रिएटिव टेक्नोलॉजी संस्थान के लिए जमीन चिह्नित की गई है।

सूचना और प्रसारण राज्य मंत्री डॉ. एल. मुरुगन ने धन्यवाद ज्ञापन किया। महाराष्ट्र सरकार की मुख्य सचिव सुजाता सौनिक और सूचना प्रसारण मंत्रालय में सचिव संजय जाजू के साथ इस अवसर पर भाग लिया।

इस कार्यक्रम का एक प्रमुख आकर्षण सूचना और प्रसारण मंत्रालय और महाराष्ट्र सरकार के बीच समझौता ज्ञापन का आदान-प्रदान रहा जिससे मीडिया, मनोरंजन और डिजिटल पहुंच में सहयोग को मजबूत किया जा सके।

राम मंदिर से अयोध्या की अर्थव्यवस्था में उछाल

पांच साल में ट्रस्ट ने सरकार को दिया 400 करोड़ टैक्स

लखनऊ, 13 मार्च (एजेंसियां)। अयोध्या श्री राम जन्मभूमि ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने बताया कि 2020 में अयोध्या में राम मंदिर की शुरुआत से श्रद्धालुओं की आवक में बढ़ोत्तरी हुई। पिछले एक साल में 4 करोड़ लोगों ने अयोध्या के दर्शन किए। 5 फरवरी 2020 से 5 फरवरी 2025 के बीचे राम मंदिर ट्रस्ट ने ही अकेले करीब 400 करोड़ का टैक्स सरकार को दिया। इसमें से 270 करोड़ तो केवल जीएसटी था।

चंपत राय ने कहा कि 2020 में जब सर्वोच्च न्यायालय के आदेश पर मंदिर निर्माण का रास्ता साफ हो गया तो अयोध्या में श्रद्धालुओं की संख्या में सहज रूप से वृद्धि हो गई। पहले तो ये संख्या 7,000 तक बढ़ी। बाद में ध्यान में आया कि अब आगंतुकों की संख्या 25,000 तक हो गई है। लेकिन, 22 जनवरी 2024 को राम मंदिर पर भगवान रामलला के 5 वर्ष के बालक की मूर्ति स्थापित हुई तो संख्या में एक झटके में वृद्धि आ गई। और प्रतिदिन के हिसाब से देखें तो अयोध्या में हर दिन करीब 75,000 श्रद्धालु आने लगे। शनिवार और मंगलवार को ये संख्या एक लाख पहुंच जाती है।

पिछले एक साल में करीब 4 से साढे चार करोड़ लोगों ने अयोध्या के दर्शन किए। 2011 की जनगणना के आंकड़े की अगर बात करें तो शायद ये 60,000 के आसपास है। 2011 तक अयोध्या नगर निगम नहीं था, लेकिन आज ये नगर निगम है। अयोध्या एक छोटा सा टेंपल टाउन है और मैं वहीं तक सीमित हूं। लेकिन कार्पोरेशन बनने से अयोध्या प्रभावित नहीं हुई। इस छोटी सी अयोध्या के लिए बातों को सही रूप में शासन में समझा गया। वहां सुधार होने शुरू हुए वो है सफाई। पहले एक मेले के बाद लोग चले जाते थे और गंदगी वहीं कि वहीं। लेकिन अब ये बदल गया है।

दूसरी बात सरयू के बगल से एक छोटी सी नहर निकाली गई और पंपिंग के द्वारा उसमें सरयू का जल डाला जाता है। पहले ये ऐसे ही पड़ा रहता था, लेकिन अब उसमें भी सुधार हो गया।

चंपत राय ने बताया कि महाकुंभ 2025 के दौरान अगर 15 जनवरी से 28 फरवरी तक के आंकड़ों पर नजर डालें तो 15 जनवरी से 28 फरवरी तक हर दिन 4 से साढ़े चार लाख लोग हर दिन दर्शन के लिए अयोध्या पहुंचे। इस अवधि में करीब डेढ़ करोड़ लोग अयोध्या आए। 10 ट्रेन प्रतिदिन कुंभ से अयोध्या आ रही थीं। रेलवे ने मुझे बताया कि हर दिन 4 से साढ़े चार हजार लोग एक ट्रेन से अयोध्या पहुंच रहे हैं।

गुत्थियों में उलझी है कठुआ में तीन युवकों की मौत

सुरेश एस डुग्गर

जम्मू, 13 मार्च। पांच दिन पहले जिन तीन युवकों के शव जम्मू संभाग के कठुआ जिले के बिलावर में एक खाई से मिले थे उनकी मौतों का मामला उलझ गया है। दरअसल 4 मार्च को लापता हुए इन तीन युवकों की पोस्टमार्टम रिपोर्ट में गोली लगने या शारीरिक हमले का कोई निशान नहीं मिला है, जिस कारण आतंकी हमले की संभावना से इनकार किया जा रहा है। पर केंद्रीय मंत्री जीतेंद्र सिंह समेत अन्य भाजपा नेता इसे आतंकी हमला करार दे रहे हैं।

तीनों के सिर सहित अन्य जगहों पर लगी चोटें ऊंचाई से गिरने से उनकी मौत की ओर इशारा करती हैं। हालांकि उप राज्यपाल मनोज सिन्हा द्वारा मामले की उच्चस्तरीय जांच के आदेश दिए जा चुके हैं जिनकी रिपोर्ट आनी बाकी है। जानकारी के लिए इस मुद्दे पर विधानसभा में खूब हो हल्ला हो चुका है पर पुलिस व सुरक्षा मामले प्रदेश सरकार के नियंत्रण से बाहर होने के कारण मुख्यमंत्री ने इस संबंध में कोई कदम उठाने में असमर्थता जाहिर की थी।

उल्लेखनीय है कि कठुआ के तीन वाशिंदों दर्शन सिंह (40), योगेश सिंह (32) और वरुण सिंह (15) के शव आठ मार्च को पाए गए थे। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के अनुसार, उनकी मौत का कारण आघात और सिर में चोट थी, जो कथित तौर पर अंधेरे में एक चट्टानी खाई में गलती से फिसलने के कारण हुई थी। उनमें से एक के द्वारा उठाया गया बैकपैक गिरते समय एक शाखा में फंस गया। उनके द्वारा इस्तेमाल किया गया एक मोबाइल भी घटनास्थल से बरामद किया गया। शराब की एक बोतल मिली जिसका आधा हिस्सा पी लिया गया था, जो दोनों वयस्कों की संभवतः नशे की हालत की ओर इशारा करता है।

मृत्यु के कारण और परिस्थितियों के बारे में आगे की जानकारी के लिए अब उनकी विसरा रिपोर्ट का इंतजार किया जा रहा है। लोहाई मल्हार में एक शादी में जा रहे तीन मृतकों के परिवार के सदस्यों के साथ पुलिस की बातचीत से पता चलता था कि वे 5 मार्च की शाम तक फोन पर उनके संपर्क में थे हालांकि, कुछ घंटों बाद उनके फोन बंद पाए गए। इसी तरह से पुलिस ने घटना की जानकारी साझा करते हुए कठुआ जिले से ही लापता हुए दो और नाबालिगों के प्रति बताया कि उनका अपने परिवार से झगड़ा हुआ था और संभवतः वे दिहाड़ी मजदूरी करने के लिए कहीं और चले गए थे।

ऐसा पहले भी हो चुका है, 12 और 15 साल के चचेरे भाई-बहन और दोनों चरवाहे दिहाड़ी मजदूरी करने के लिए अपने परिवार के घर से कई दिनों तक दूर रहते थे। पुलिस उनका पता लगाने के लिए उनके रिश्तेदारों और पिछले नियोक्ताओं से पूछताछ कर रही है।

शाह ने अहमदाबाद में 146 करोड़ रु के विकास कार्यों का किया लोकार्पण, शिलान्यास

अहमदाबाद, 13 मार्च (एजेंसियां)। केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने गुरुवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से गुजरात के अहमदाबाद में 146 करोड़ रुपए की लागत वाले विभिन्न विकास कार्यो का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया।

श्री शाह ने इस अवसर पर अपने संबोधन की शुरुआत देशवासियों को होली के पावन त्योहार की शुभकामनाएं देकर की और कहा कि आज तीन परियोजनाओं का ई-लोकार्पण और ई-शिलान्यास हो रहा है। इनमें 60 करोड़ रुपए की लागत से बनने वाला साणंद-चेखला-कडी रोड पर अहमदाबाद-विरमगाम रेलवे ट्रैक पर लगभग एक किलो मीटर लंबे रेलवे ओवरब्रिज का निर्माण शामिल है। इस ओवरब्रिज के बनने के बाद स्थानीय नागरिकों को आवागमन में बहुत सुविधा हो जाएगी।

उन्होंने कहा कि आज राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 147 पर नर्मदा नहर पर 36.30 करोड रुपए की लागत से चार लेन पुल का निर्माण और 45 करोड रुपए की लागत से सरखेज-गांधीनगर (एसजी) हाईवे छारोडी पर फ्लाई-ओवरब्रिज का भी भूमिपूजन हुआ है। उन्होंने कहा कि ये सभी विकास कार्य गांधीनगर लोकसभा क्षेत्र के चार विधानसभा क्षेत्रो में विकास के नये आयाम सिद्ध करेंगे।

केन्द्रीय गृह मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल ने गांधीनगर लोकसभा क्षेत्र में हजारों करोड़ रुपए की लागत से कई विकास कार्य पूरे किए हैं। बुनियादी अवसंरचना की दृष्टि से गुजरात आज पूरे देश में पहले स्थान पर है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में न सिर्फ साणंद तालुका, कलोल विधानसभा क्षेत्र और गांधीनगर लोकसभा क्षेत्र में विकास कार्य हुए हैं बल्कि पूरे गुजरात में विकास हुआ है। इन इन्फ्रास्ट्रक्चर के कार्यों से क्षेत्रवासियों का जीवन अधिक सुगम होगा और कनेक्टिविटी आसान होगी, जिससे रोजगार, उद्योग व व्यापार को नई गति मिलेगी।

श्री शाह ने कहा कि साणंद में भारत सरकार 500 बिस्तर वाला अत्याधुनिक अस्पताल बनाने जा रही है।

उन्होंने कहा कि केन्द्र सरकार ने निर्णय किया है कि साणंद और बावला तालुका के सभी नागरिकों के लिए यह अस्पताल 24 घंटे खुला रहेगा। इस क्षेत्र में कई ट्रस्ट्स के अस्पताल भी बन रहे हैं। कलोल तालुका में भी केन्द्र सरकार 300 बिस्तर का एक सरकारी अस्पताल बना रही है। ये सभी अस्पताल बनने के बाद किसी भी व्यक्ति को उसके घर के नज़दीक ही अत्याधुनिक स्वास्थ्य सुविधाएं मिल सकेंगीं।

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में पूरे देश के साथ ही गुजरात भी बहुत प्रगति कर रहा है।

कच्छ में विश्व के सबसे बड़े ग्रीन एनर्जी पार्क की योजना, एशिया में सबसे बड़ी ग्रीन सिटी, धोलेरा और भारत का दूसरा सबसे लंबा हाईवे-सुरत-चेन्नई एक्सप्रेस हाईवे गुजरात में हैं। उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय फाइनेंशियल हब बनाने के लिए अहमदाबाद में गिफ्ट सिटी, अहमदाबाद-मुंबई बुलेट ट्रेन और भुज से अहमदाबाद के बीच रेपिड रेल शुरु की गई है।

श्री शाह ने कहा कि श्री मोदी के नेतृत्व में दुनिया में दूसरा सबसे बड़ा सड़क नेटवर्क, तीसरा सबसे बड़ा मेट्रो रेल का नेटवर्क और चौथा सबसे बड़ा रेल नेटवर्क आज भारत में है। उन्होंने कहा कि देश में आज 136 वंदेभारत ट्रेन चल रही हैं और 97 प्रतिशत ब्रॉडगेज नेटवर्क का विद्युतीकरण पूरा हो चुका है।

उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय राजमार्ग में पिछले 10 साल में 60 प्रतिशत बढोतरी करने का काम मोदी सरकार ने किया है। आज़ादी के बाद की सभी सरकारों के 70 साल के मुकाबले श्री मोदी की सरकार के 10 साल में ज्यादा विकास हुआ है। उनके कार्यकाल में चार लेन हाईवे में ढाई गुना बढ़ोतरी हुई है, प्रतिदिन 36.5 किलोमीटर राजमार्ग का निर्माण हो रहा है और देश में आज 157 हवाईअड्डे हैं।

यमुना के 23 साइट्स वाटर क्वालिटी टेस्ट में फेल

ऑक्सीजन की मात्रा जीरो

दिल्ली, उत्तर प्रदेश और हरियाणा में स्थिति खराब

नई दिल्ली, 13 मार्च (एजेंसियां)। यमुना नदी के 33 में से 23 साइट्स वाटर क्वालिटी टेस्ट में फेल हो गए हैं। यहां पानी में ऑक्सीजन की मात्रा लगभग जीरो पाई गई है। वाटर रिसोर्स पर बनाई गई पार्लियामेंट्री स्टैंडिंग कमेटी ने यह जानकारी दी है।

स्टैंडिंग कमेटी ने मंगलवार (11 मार्च) को यह रिपोर्ट संसद में पेश की है। 33 साइट्स की मॉनिटरिंग के आधार पर यह रिपोर्ट तैयार की गई है। इसमें दिल्ली के भी 6 साइट्स शामिल हैं।

पैनल के मुताबिक 23 साइट्स की रिपोर्ट में चौंकाने वाली बात सामने आई है। इन जगहों पर पानी में घुलित ऑक्सीजन का स्तर जीरो पाया गया है। घुलित ऑक्सीजन नदी के जीवन को बनाए रखने की क्षमता को दर्शाता है।

दिल्ली में ऊपरी यमुना नदी सफाई परियोजना और नदी तल प्रबंधन पर अपनी रिपोर्ट में पैनल ने चेतावनी दी कि दिल्ली और उत्तर प्रदेश में सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट्स (डब्ल्यू) के निर्माण और अपग्रेडेशन के बावजूद प्रदूषण का स्तर खतरनाक रूप से ऊंचा बना हुआ है।

केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी)ने राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्डों के साथ जनवरी 2021 से मई 2023 के बीच 33 स्थानों पर पानी की गुणवत्ता का आकलन किया। इसे घुलित ऑक्सीजन, पीएच, बायोकेमिकल ऑक्सीजन डिमांड (बीओडी)और फेकल कोलीफॉर्म के चार प्रमुख पैरामीटर पर जांचा गया।

रिपोर्ट के मुताबिक 33 मॉनिटरिंग साइट्स में से उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश के 4 - 4 साइट्स जल गुणवत्ता मानदंडों को पूरा करते हैं। हरियाणा में सभी छह साइटें विफल रहीं। दिल्ली में 7 साइटों में से कोई भी 2021 में मानकों का अनुपालन नहीं करती है, हालांकि पल्ला साइट में 2022 और 2023 में सुधार दिखा था। यमुना नदी के तल में जमा हुआ मलबा एक बड़ी चिंता का विषय बना हुआ है। दिल्ली सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण विभाग द्वारा सीएसआईआर-नीरी के सहयोग से एक स्टडी की गई।

इसमें मानसून-पूर्व अवधि के दौरान पुराने लोहे के पुल, गीता कॉलोनी और डीएनडी पुल के ऊपर की ओर जैसे प्रमुख स्थलों से कीचड़ के सैंपल कलेक्ट किए गए। नमूनों में क्रोमियम, तांबा, सीसा, निकल और जस्ता जैसी भारी धातुओं के उच्च स्तर पाए गए।

पैनल ने इस जहरीले कीचड़ को हटाने के लिए नियंत्रित ड्रेजिंग की सिफारिश की। हालांकि, राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन ने चिंता जताई कि बड़े पैमाने पर ड्रेजिंग से नदी का तल अस्थिर हो सकता है और पर्यावरणीय गिरावट का कारण बन सकता है। पैनल ने यमुना में पर्यावरणीय प्रवाह (ई-फ्लो) को बनाए रखने में विफलता को भी चिह्नित किया।

यमुना बेसिन राज्यों के बीच 1994 के समझौता ज्ञापन के अनुसार, हरियाणा को पारिस्थितिक संतुलन बनाए रखने के लिए हथिनी कुंड बैराज से 10 क्यूमेक्स पानी छोड़ना आवश्यक है।

हालांकि, समिति ने पाया कि यह प्रवाह अपर्याप्त है, क्योंकि इसका अधिकांश हिस्सा दिल्ली पहुंचने से पहले ही वाष्पित हो जाता है या रिसकर बह जाता है।

रिपोर्ट में दिल्ली में चल रहे अनधिकृत उद्योगों के आंकड़ों की कमी की भी आलोचना की गई है। दिल्ली राज्य औद्योगिक और बुनियादी ढांचा विकास निगम ने पैनल को सूचित किया कि वह केवल 28 स्वीकृत औद्योगिक क्षेत्रों की निगरानी करता है।

इनमें से 17 क्षेत्र 13 सामान्य अपशिष्ट उपचार संयंत्रों से जुड़े हैं। शेष 11 को जल प्रदूषणकारी औद्योगिक क्षेत्रों के रूप में वर्गीकृत नहीं किया गया है।

हालांकि, पैनल ने कहा कि अनधिकृत औद्योगिक इकाइयों पर कोई डेटा उपलब्ध नहीं है जो यमुना में अनुपचारित अपशिष्टों को छोड़ रहे हैं। पैनल ने सिफारिश की कि दिल्ली सरकार ऐसी इकाइयों की पहचान करने और प्रदूषण नियंत्रण उपायों को मजबूत करने के लिए स्टडी करे।

पैनल ने घरेलू सीवेज के उपचार में विफलता की ओर भी इशारा किया। रिपोर्ट के अनुसार, लगभग 22 प्रमुख नाले अनुपचारित सीवेज को सीधे यमुना में छोड़ते हैं। यमुना दिल्ली में 40 किलोमीटर के क्षेत्र से होकर बहती है। यह हरियाणा से पल्ला में प्रवेश करती है और असगरपुर में उत्तर प्रदेश में निकलती है।

पिछले महीने हुए दिल्ली विधानसभा चुनाव में यमुना की सफाई सबसे बड़ा मुद्दा था। दिल्ली के पूर्व सीएम और आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल ने सार्वजनिक रूप से यमुना की सफाई नहीं होने पर माफी मांगी थी। जबकि भाजपा ने अपने घोषणापत्र में कहा था, भाजपा प्रदूषण मुक्त दिल्ली बनाने और यमुना नदी की सफाई के लिए प्रतिबद्ध है। हम सुनिश्चित करेंगे कि दिल्ली सबसे स्वच्छ और हरित शहरों में से एक बने और यमुना अपना पुराना गौरव पुनः प्राप्त करे।

चुनाव में जीत के बाद दिल्ली की सीएम रेखा गुप्ता अपनी पूरी कैबिनेट के साथ यमुना की आरती करने गई थीं।

भाजपा ने वादा किया कि दिल्ली सरकार केंद्र सरकार के साथ मिलकर साबरमती रिवरफ्रंट की तर्ज पर यमुना रिवरफ्रंट का विकास करेगी।

साथ यमुना में गिरने से पहले नालों के कचड़ो का सीवेज उपचार करेगी। इससे यमुना में रहने वाले जीवों के संरक्षण में भी मदद मिलेगी।

सोलर सिटी बनेंगे यूपी के सभी नगर निगम: सीएम योगी

गोरखपुर, 13 मार्च (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि कार्बन उत्सर्जन को न्यूनतम स्तर पर लाने और पर्यावरण संरक्षण के लिए प्रौद्योगिकी और जन जागरूकता के समन्वय से ही अच्छे परिणाम आएंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वर्ष 2070 तक नेट जीरो का लक्ष्य तय किया है उसमें राष्ट्रीय स्तर से लेकर स्थानीय स्तर तक के कार्यक्रमों को आगे बढ़ाने की आवश्यकता है। इन कार्यक्रमों में जन प्रतिनिधियों के जरिये जन सहभागिता भी होनी चाहिए क्योंकि कोई भी आंदोलन जन सहभागिता के बिना सफल नहीं हो सकता।

सीएम योगी गुरुवार को राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम (नेशनल क्लीन एयर प्रोग्राम- एन-सीएपी) पर नगर निगम की तरफ से एक होटल में आयोजित नेशनल कांफ्रेंस के समापन सत्र को संबोधित कर रहे थे। 2027 तक गोरखपुर को खुले में कचरा जलाने से मुक्त शहर बनाने का रोडमैप थीम पर महानगर के एक होटल में आयोजित कांफ्रेंस में मुख्यमंत्री ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के एक उद्धरण का उल्लेख करते हुए कहा कि प्रकृति सबकी आवश्यकता की पूर्ति कर सकती है पर किसी के लोभ को पूरा करने का सामर्थ्य उसमें नहीं है। उन्होंने कहा कि प्रकृति-पर्यावरण संरक्षण को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में चलाए गए कार्यक्रमों का उद्देश्य कार्बन उत्सर्जन को न्यूनतम स्तर पर लाना है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रकृति से खिलवाड़ का नतीजा सबने कोविड काल में देखा है। कोविड के दूसरे लहर में लोग ऐसे ही तड़प रहे थे जैसे जल से निकली मछली तड़पती है। उन्होंने कहा की मानव से तैयार विकृतियों का दुष्परिणाम मानव को खुद ही भुगतना होगा।

कार्बन उत्सर्जन को न्यूनतम करने के लिए प्रदेश सरकार के प्रयासों की चर्चा करते हुए

सीएम योगी ने कहा कि 2017 से राज्य सरकार ने प्रदेश से 17 लाख हैलोजन हटाकर एलईडी स्ट्रीट लाइट लगवाई है। इस पर एक भी पैसा खर्च नहीं हुआ। हैलोजन से कार्बन उत्सर्जन अधिक होता था साथ ही ऊर्जा का व्यय भी अधिक होता था। एलईडी लाइट लगने से कार्बन उत्सर्जन भी कम हुआ और ऊर्जा की भी बचत हो रही है। एलईडी लगवाने के एवज में संबंधित कम्पनी को ऊर्जा बचत के अंतर का पैसा दिया गया। इस व्यवस्था से निकायों में एक हजार करोड़ रुपए की बचत हुई। मुख्यमंत्री ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण के लिए ही सरकार ने सिंगल यूज प्लास्टिक पर प्रतिबंध लगाया। इसके समानांतर विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना लागू कर मिट्टी के उत्पादों को बढ़ावा दिया। मिट्टी के कारीगरों को क्षमता बढ़ाने के लिए इलेक्ट्रिक और सोलर चाक दिए गए। इससे प्लास्टिक के कचरे से तो मुक्ति मिली ही, रोजगार के नए अवसर भी सृजित हुए। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्लास्टिक उत्पादों के विकल्प रूप में केले के रेशे से उत्पाद बनाने वाले प्लांट का शिलान्यास लखीमपुर में किया गया है। इससे जो उत्पाद बनेंगे वह तीन माह में अपने आप ही मिट्टी में मिल जाएंगे।

मुख्यमंत्री ने पर्यावरण संरक्षण के लिए यूपी में पौधरोपण अभियान की सफलता का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि प्रदेश में विगत आठ वर्षों में 210 करोड़ पौधरोपण को भी सफलतापूर्वक किया गया है। इनमें से 70 से 75 प्रतिशत पौधे बढ़े भी हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि इन प्रयासों से यह सुखद अनुभूति है कि आबादी, इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट और तेजी से औद्योगिक विकास के बाद भी यूपी में फारेस्ट कवरेज बढ़ रहा है। उन्होंने घर के आसपास पेड़ पौधा लगाने की अपील करते हुए कहा कि पेड़ पौधों से ही घर की रौनक होती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रकृति की गोद में ही रहकर हम आध्यात्मिक अन्तःकरण को जी सकते हैं। प्रधानमंत्री ने भी कहा है कि प्रकृति के पास सबकुछ है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कार्बन उत्सर्जन कम करने के लिए सरकार नवीकरणीय ऊर्जा पर जोर दे रही है। सरकार का लक्ष्य 22 हजार मेगावाट ऐसी ऊर्जा के उत्पादन पर है। इसी क्रम में अयोध्या को पहली सोलर सिटी के रूप में विकसित किया गया है जहां 6 हजार मेगावाट सोलर एनर्जी की व्यवस्था हुई है।

बुंदलेखंड में 5 हजार मेगावाट के ग्रीन कॉरिडोर के रूप में विकसित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार प्रदेश के सभी 17 नगर निगमों को सोलर सिटी बनाएगी।

सीएम योगी ने कहा कि गांव के लोगों को पभोजन पकाने के लिए पहले लकड़ी, कोयला या गोबर के उपलों को जलाना पड़ता था। इससे पर्यावरण और स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता था। इस प्रतिकूल प्रभाव से बचाने तथा वायु गुणवत्ता सुधार के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उज्ज्वला योजना लागू कर 10 करोड़ परिवारों को एलपीजी गैस कनेक्शन उपलब्ध कराए। मुख्यमंत्री ने कहा कि कल होली पर प्रदेश के 1.81 करोड़ परिवारों को निशुल्क गैस सिलेंडर देने की प्रक्रिया को आगे बढ़ाया गया।

सीएम योगी ने कहा कि पराली (फसल अवशेष) जलाने के दुष्परिणाम दिल्ली-एन-सीआर में सबके सामने दिखते हैं। इस पर सुप्रीम कोर्ट को हस्तक्षेप करना पड़ता है। पर, यूपी में प्रदेश सरकार पराली का इस्तेमाल कम्प्रेस्ड बायो गैस और एथेनॉल बनाने के लिए कर रही है। सरकार पराली से किसानों को अतिरिक्त आय भी अर्जित करा रही है। कम्प्रेस्ड बायो गैस का एक प्लांट गोरखपुर में भी लगाया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा की प्रदेश में ग्रीन हाइड्रोजन की संभावनाओं पर भी पॉलिसी को आगे बढ़ाया जा रहा है।

अपनी संबोधन के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रेन वाटर हार्वेस्टिंग और तालाबों के संरक्षण पर जोर दिया। रेन वॉटर हार्वेस्टिंग की व्यवस्था हर घर में होनी चाहिए। इससे भूगर्भीय जल का स्तर सुधरेगा और सुख रही नदियों को भी संजीवनी मिलेगी। वातावरण में नमी का स्तर मेंटेन रहेगा और धूल के कण अवशोषित होते रहेंगे। उन्होंने कहा कि इसी तरह तालाबों को कब्जा मुक्त रखने की जरूरत है। सीएम योगी ने कहा कि नदियों को सूखने से बचाना होगा क्योंकि ये नदियां मानव शरीर की रक्तवाहिनियों की तरह प्रकृति की जीवनदायिनी हैं। नदियां सूख जाएंगी तो लाइफ लाइन सूख जाएगी। उन्होंने कहा कि किसी को भी नदियों को प्रदूषित करने या उनसे खिलवाड़ करने की छूट नहीं दी जानी चाहिए। नदियां बढ़ेंगी तो वन आच्छादन बढ़ेगा और इससे ऑक्सीजन का भंडार बढ़ेगा।

इस अवसर मुख्यमंत्री ने प्रयागराज माहाकुंभ की सफलता का राहास्य भी समझाया। उन्होंने कहा कि लोग स्नान तो अपने घर पर भी कर लेते हैं लेकिन वहां मां गंगा-यमुना को देखने और त्रिवेणी में डुबकी लगाकर पूर्ण का भागीदार बनने आ रहे थे। यदि वहां जल नहीं होता, गंदगी और अव्यवस्था होती, कनेक्टिविटी नहीं होती तो कोई नहीं आता। प्रयागराज महाकुंभ में 66 करोड़ से अधिक श्रद्धालु आए। सरकार ने यह सुनिश्चित किया कि माहाकुंभ के दौरान गंगा में 10 से 12 क्यूसिक और यमुना में 8 से 10 क्यूसिक पानी मेंटेन रहे। ऐसा नहीं होता तो पहले ही चरण में महाकुंभ मेला उखड़ गया होता।

मुख्यमंत्री ने कहा कि गोरखपुर बहुत अच्छी सिटी है। गोरखपुर और आसपास का क्षेत्र जल, जंगल और जमीन से समृद्ध है। यहां पर्याप्त फारेस्ट एरिया है, पर्याप्त लैंड है और कई झीलें और नदियां हैं। उन्होंने कहा कि सरप्लस लैंड का उपयोग कर हम कार्बन उत्सर्जन न्यूनतम करने में सफल हो सकते हैं। सीएम योगी ने कहा कि 2017 के पहले गोरखपुर में तीन से चार फीट तक जलजमाव होता था। ड्रेनेज सिस्टम ठीक होने और सिंगल यूज प्लास्टिक पर रोक से अब यहां बारह घंटे बारिश होने पर भी जलजमाव नहीं होता है। उन्होंने कहा कि पहले दूषित पानी राप्ती नदी में गिरने के कारण एनजीटी नगर निगम पर भारी जुर्माना करती थी। पर, अब देशी पद्धित से पानी का शोधन कर एसटीपी पर लगने वाले एकमुश्त 110 करोड़ रुपए और सालाना 10 करोड़ रुपए मेंटिनेंस खर्च की बचत हुई है। देशी पद्धति से गोरखपुर ने न केवल जल शोधन का मॉडल प्रस्तुत किया है बल्कि इससे 350 बीओडी के स्तर को 8 से 10 पर लाने में सफलता मिली है। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखपुर में वायु गुणवत्ता सुधार पर आधारित एक पुस्तिका का भी विमोचन किया।

किसानों की बदौलत यूपी सरकार ने तोड़ा अपना रिकॉर्ड

3.90 लाख मीट्रिक टन अधिक खरीदा गया धान

लखनऊ, 13 मार्च (एजेंसियां)। अन्नदाता किसानों को योगी का साथ पसंद है। किसानों के साथ की बदौलत योगी सरकार ने धान खरीद में अपना पिछले वर्ष का रिकॉर्ड तोड़ दिया। पिछले वर्ष की अपेक्षा खरीफ क्रय वर्ष 2024-25 में 3.90 लाख मीट्रिक टन अधिक धान की खरीद हुई। पिछले वर्ष 53.80 लाख मीट्रिक टन धान खरीद हुई थी, जबकि इस वर्ष यह बढ़कर 57.70 लाख मीट्रिक टन से अधिक हो गई। वहीं योगी सरकार ने 99 फीसदी से अधिक किसानों को भुगतान भी कर दिया। यह आंकड़ा 13326 करोड़ से अधिक का है। धान का समर्थन मूल्य 2300 रुपए व ग्रेड ए का 2320 रुपए प्रति क्विंटल निर्धारित किया गया था। गत वर्ष से इस वर्ष किसानों को 117 रुपए प्रति क्विंटल अधिक एमएसपी दिया गया।

वर्ष 2024-25 के लिए धान की बेतहाशा खरीद की गई। आठ लाख किसानों से 5770671.09 मीट्रिक धान की खरीद हो चुकी है। पिछले वर्ष (2023-24) तक इस अवधि तक 5380032.83 मीट्रिक टन धान की खरीद हुई थी।

पिछले वर्ष की तुलना में इस वर्ष 3.90 लाख मीट्रिक टन से अधिक की खरीद की जा चुकी है। योगी सरकार की देखरेख में धान खरीद तेजी से हुई। प्रदेश के 4339 क्रय केंद्रों पर 7,98,731 किसानों से 5770671.09 मीट्रिक टन धान की खरीद हुई है। इस एवज में सरकार द्वारा किसानों को 13326.357 करोड़ रुपए से अधिक का भुगतान भी कर दिया गया है। यानी किसानों को कुल 99.537 फीसदी से अधिक भुगतान किया गया है। किसानों को धान खरीद का निरंतर भुगतान किया जा रहा है।

सरकार ने धान का समर्थन मूल्य 2300 रुपए व ग्रेड ए का 2320 रुपए प्रति क्विंटल तय किया था। किसानों को धान की उतराई, छनाई व सफाई की मद में 20 रुपए प्रति क्विंटल की दर से प्रतिपूर्ति भी की गई। उत्तर प्रदेश के सभी जनपदों में किसानों द्वारा धान बिक्री के लिए खाद्य-रसद विभाग व अन्य क्रय एजेंसियों के कुल 4339 क्रय केंद्र निर्धारित किए गए हैं। इस वर्ष बटाईदार किसानों द्वारा भी पंजीकरण-नवीनीकरण कराते हुए धान की बिक्री की गई।

पश्चिमी उत्तर प्रदेश में पहली अक्टूबर से 31 जनवरी तक धान खरीद हुई थी।

दक्षिण कोरिया से अयोध्या पहुंचा 78 सदस्यीय शिष्टमंडल

अयोध्या, 13 मार्च (एजेंसियां)। अयोध्या और दक्षिण कोरिया के बीच सदियों पुराना रिश्ता एक बार फिर जीवंत हो उठा। गुरुवार को दक्षिण कोरिया के गारक राजवंश के प्रतिनिधियों सहित 78 सदस्यीय शिष्टमंडल अयोध्या की पावन धरती पर पहुंचा। इस खास मौके पर मेहमानों ने सबसे पहले नया घाट स्थित रानी हो मेमोरियल पार्क में अपनी सांस्कृतिक जड़ों को याद किया और यहां ढाई साल पहले निर्मित स्मारक पर श्रद्धासुमन अर्पित किए। इसके बाद, शिष्टमंडल ने भव्य राम मंदिर में दर्शन-पूजन किया और सरयू नदी के तट पर आरती के अलौकिक दृश्य के साक्षी बने।

अयोध्या की नई चमक और व्यवस्था से अभिभूत इस दल ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की जमकर प्रशंसा की। शाम ढलते ही लेजर शो की रंगीन छटा ने मेहमानों को मंत्रमुग्ध कर दिया। रात में पारंपरिक नृत्य की शानदार प्रस्तुति देखने को मिली, जहां आठ कलाकारों ने अपनी कला से सबका मन मोह लिया। शिष्टमंडल ने श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के सदस्य यतीन्द्र मिश्र से मुलाकात की और उनके साथ रात्रिभोज का आनंद लिया। शुक्रवार को यह शिष्टमंडल प्राकृतिक रंगों से होली खेलेगा, जो भारत और दक्षिण कोरिया की संस्कृतियों के मिलन का एक अनूठा प्रतीक बनेगा। दोपहर बाद यह दल अयोध्या से विदा लेगा, लेकिन अपने साथ दोनों देशों के बीच दोस्ती की नई यादें ले जाएगा।

अयोध्या और दक्षिण कोरिया का रिश्ता इतिहास की गहराइयों में समाया है। डॉ. आशीष के अनुसार, दोनों देशों के बीच सांस्कृतिक और ऐतिहासिक जुड़ाव लंबे समय से रहा है। यह दौरा न केवल उस बंधन को मजबूत करेगा, बल्कि दो महान संस्कृतियों के संगम का साक्षी भी बनेगा। दक्षिण कोरियाई प्रतिनिधिमंडल की अयोध्या की यह यात्रा एक बार फिर साबित करती है कि प्यार, परंपरा और इतिहास की डोर से बंधे रिश्ते समय की हर सीमा को पार कर सकते हैं।

पूरी तरह नकल विहीन हुई यूपी बोर्ड की परीक्षाएं

2020 में 760 नकलची पकड़े गए थे, इस बार मात्र 30

लखनऊ, 13 मार्च (एजेंसियां)। यूपी बोर्ड की परीक्षाएं बुधवार को पूरी पारदर्शिता और नकल विहीन माहौल में संपन्न हो गईं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश सरकार द्वारा परीक्षा प्रणाली में सुधार और नकल रोकने के लिए जो कठोर प्रयास किए गए थे, वे अब स्पष्ट रूप से सफल होते दिख रहे हैं। परीक्षा की शुचिता सुनिश्चित करने के लिए राज्य सरकार ने गुप्त रणनीति अपनाई और प्रत्येक स्तर पर माइक्रो प्लानिंग कर व्यवस्था को चाक-चौबंद बनाया। पिछले पांच वर्षों के आंकड़े बताते हैं कि इन प्रयासों के सकारात्मक परिणाम अब जमीन पर नजर आने लगे हैं।

परीक्षा के दौरान नकल के मामलों में अभूतपूर्व कमी दर्ज की गई। यदि 2020 से तुलना करें, तो 2025 में नकल के मामलों में अभूतपूर्व गिरावट देखी गई। 2020 में 760 परीक्षार्थी नकल करते पकड़े गए थे, जबकि 2022 में यह संख्या घटकर 190 रह गई।

2023 में केवल 127 मामले सामने आए, वहीं 2024 में यह आंकड़ा मात्र 48 रह गया। 2025 में यह संख्या और घटकर केवल 30 पर आ गई, जो ऐतिहासिक उपलब्धि मानी जा सकती है।

राज्य सरकार ने ऐसे मामलों पर भी सख्त शिकंजा कसा, जहां कोई अन्य व्यक्ति परीक्षार्थी के स्थान पर परीक्षा देता था। 2020 में ऐसे 108 मामले सामने आए थे, जबकि 2022 में यह घटकर 47 रह गए। 023 में 133, 2024 में 37 और 2025 में केवल 49 मामले दर्ज किए गए, जो दर्शाता है कि प्रशासन इस पर लगातार अंकुश लगाने में सफल हो रहा है। योगी सरकार से पहले परीक्षा केंद्रों के बाहर उत्तर पुस्तिकाएं लिखने के मामले आम थे, लेकिन अब इन पर लगभग पूरी तरह से रोक लग चुकी है। 2020 में ऐसे 7 मामले सामने आए थे, जबकि 2022 में यह घटकर 2 रह गए।

2023 और 2024 में एक भी मामला दर्ज नहीं हुआ, और 2025 में भी केवल 2 मामले सामने आए।

सरकार ने नकल माफिया पर कड़ा प्रहार करते हुए प्रश्न पत्र लीक रोकने के लिए विशेष कानून बनाए और परीक्षा प्रणाली को मजबूत किया। 2020 और 2022 में एक-एक प्रश्न पत्र लीक होने की घटना सामने आई थी। 2023, 2024 और 2025 में एक भी प्रश्न पत्र लीक नहीं हुआ, जो सरकार के मजबूत प्रशासनिक नियंत्रण को दर्शाता है।

सरकार की सख्ती से परीक्षा शुरू होने से पहले प्रश्न पत्र खोलने के मामलों में भी पूरी तरह से नियंत्रण पाया गया। 2020 में सिर्फ एक मामला दर्ज हुआ था, लेकिन इसके बाद 2022, 2023, 2024 और 2025 में एक भी मामला सामने नहीं आया। 2017 से पहले यूपी बोर्ड की परीक्षाओं में भारी संख्या में नकल और धांधली के मामले सामने आते थे, लेकिन योगी सरकार की तत्परता से इन मामलों पर पूरी तरह रोक लगाई गई। अब यूपी बोर्ड की परीक्षाएं न केवल निष्पक्ष हो गई हैं, बल्कि यह पूरे देश के लिए परीक्षा सुधार का एक आदर्श मॉडल बन गई हैं। प्रदेश सरकार द्वारा किए गए सख्त प्रबंधन, कानून व्यवस्था और आधुनिक तकनीकों के उपयोग ने यह साबित कर दिया है कि इच्छाशक्ति हो तो नकल मुक्त परीक्षा कराना संभव है।

महाकुंभ से प्रयागवाल, ब्राह्मण, पंडा और पुरोहितों में जबरदस्त उत्साह

सात पीढ़ियों के पूर्वजों को मोक्ष दिलाने विदेशों से पहुंचे श्रद्धालु

लखनऊ/प्रयागराज, 13 मार्च (एजेंसियां)। महाकुंभ में आस्था, परंपरा और संस्कृति का अद्भुत संगम देखने को मिला। योगी सरकार के सुव्यवस्थित प्रबंधों और धर्म-कर्म को बढ़ावा देने की नीति के चलते इस बार के महाकुंभ में न केवल देश बल्कि विदेशों से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु प्रयागराज पहुंचे।

कनाडा, मॉरीशस, ऑस्ट्रेलिया, अमेरिका और रूस जैसे देशों में बसे अप्रवासी भारतीय अपने पूर्वजों के मोक्ष के लिए प्रयागराज आए। तीर्थराज प्रयाग में बड़ी संख्या में लोग अपनी सात-आठ पीढ़ियों तक के पितरों को मुक्ति दिलाने के लिए कर्मकाण्ड करते दिखे। जिससे यहां के प्रयागवाल, ब्राह्मण, पुरोहित और पंडा सिर्फ महाकुंभ के दौरान सालभर से ज्यादा का काम कर गए। अप्रवासियों की संख्या अचानक बढ़ने के कारण प्रयागराज के घाटों पर प्रयागवाल, ब्राह्मण, पुरोहित और पंडों के पास श्रद्धालुओं की लंबी कतारें देखने को मिलीं। कर्मकाण्ड कराने वालों के लिए यह महाकुंभ रोजगार का एक बड़ा अवसर बनकर आया।

श्रद्धालुओं के लिए सुविधाएं बढ़ाने के साथ-साथ योगी सरकार ने पुरोहितों और पंडों के लिए भी जरूरी व्यवस्थाएं उपलब्ध कराईं। जिससे प्रयागराज के प्रयागवाल, ब्राह्मण, पुरोहित और पंडा में जबरदस्त उत्साह रहा।

प्रयागराज में संगम घाट के तीर्थ पुरोहित पंडित महेंद्र नाथ शर्मा ने बताया कि महाकुंभ में देश विदेश से अपने पूर्वजों की आत्मा की शांति के लिए आने वाले अप्रवासियों की संख्या अचानक बढ़ने से यहां लोगों को बड़ी संख्या में रोजगार मिला है। कनाडा, मॉरीशस, ऑस्ट्रेलिया, अमेरिका और रूस में रहने वाले अप्रवासी भारतीय बड़ी संख्या में प्रयागराज पहुंचे। वे अपने पूर्वजों के मोक्ष के लिए कर्मकाण्ड कराने और मां गंगा में पवित्र डुबकी लगाने आए। इनमें से कई लोग अपने पूर्वजों की अस्थियां भी लेकर आए। जिन्हें विधि-विधान से प्रवाहित किया गया। इस लिहाज से हम लोगों ने आने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए मुनीम और तमाम अन्य तरह के कर्मचारी भी रखे। जिन्हें पूरे मेले के दौरान भरपूर रोजगार मिला।

संगम तट पर ब्राह्मण, पुरोहित और पंडा के पास श्रद्धालुओं की लंबी कतारें लगी रहीं। बड़ी संख्या में लोग पिंडदान, तर्पण और अन्य धार्मिक अनुष्ठान करते दिखे। अप्रवासियों की संख्या बढ़ने से कर्मकाण्ड कराने वालों को भी रोजगार के खूब अवसर मिले। प्रयागराज के प्रयागवाल सुब्रह्मण्यम शास्त्री उर्फ चारी जी के अनुसार मेले में योगी सरकार के रात दिन चल रहे नवनिर्माण को देखकर स्थानीय लोगों के साथ-साथ अप्रवासियों में भी जबरदस्त उत्साह देखने को मिला। महाकुंभ में उत्तर प्रदेश, आंध्र प्रदेश, केरल, कर्नाटक, तमिलनाडु, मध्य प्रदेश, राजस्थान और तेलंगाना समेत देश के कई हिस्सों से श्रद्धालु पहुंचे। महाकुंभ के दौरान संगम तट पर धार्मिक अनुष्ठानों के लिए सुनियोजित टीम वर्क देखने को मिला। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए पुरोहितों ने पूरी प्रतिबद्धता के साथ कर्मकाण्ड कराए। ब्राह्मण पंकज पांडे ने बताया कि इस दौरान पुरोहितों को भी श्रद्धालुओं से दान और दक्षिणा प्राप्त हुई। जिससे बड़ी संख्या में लोगों की आय में वृद्धि हुई।

संपादकीय

सदन का मूड

फिलहाल सदन का मूड प्रश्नकाल की हिफाजत में जिरह कर रहा है, तो यह राज्य के प्रश्नों का प्रतिनिधित्व सरीखा है। हिमाचल अपने छोटे मसलों की गवाही में जब सदन में गूंजता है, तो परंपराएं सरकार और विपक्ष के बीच कई कॉमन पूल चुन लेती हैं। विधायक न तो विचारधारा है और न ही पक्ष-विपक्ष के बीच कोई विघटन, फिर भी तेवर और तीर चुभते रहते हैं। बहरहाल कुछ सुधारवादी नजरिए से जहां सरकार खड़ी है, वहां विपक्ष ने अपने मुद्दे झाडऩे शुरू किए हैं। जाहिर है बजट सत्र की भावना में गारंटियां अगर सत्ता की ताकत हैं, तो विपक्ष भी इनके ऊपर कड़ी नजर रखे हुए अपने सवाल पूछा रहा है, लेकिन हिमाचल में आर्थिक सुधारों की अनिवार्यता का माहौल अब न छुपाए छुपेगा और न ही आगे सरकाए सरकेगा। सरकार रास्ते खोज रही है और अपने आर्थिक मामलों को इकट्ठा कर रही है। प्रदेश की जरूरतें, विकास के वर्णन और वित्तीय विडंबनाओं के बीच बजट सत्र की दहलीज पर प्रश्नों का ढेर। राज्यपाल का अभिभाषण कुछ कड़वे घूंट पीकर बता चुका है कि हर सुधार और हर बयार की कीमत क्या है, फिर भी व्यवस्था परिवर्तन के आंगन में सुबह के सूरज को बुलाने की कोशिश जारी है। हिमाचल की घोषणाओं को तरोताजा रखने के लिए आवश्यक फंड चाहिए। केंद्रीय योजनाओं को बजट से जोडऩे के लिए फंड चाहिए। अनुपूरक बजट के 17053 करोड़ का हिसाब बता रहा है कि हमारी आमदनी से खर्च तक की रेखाओं में कितने असमंजस और कितने उधार खड़े हैं। खर्च की खिड़कियों से राज्य के लिए व्यय का चक्र और चक्रव्यूह में संसाधनों का लेखा-जोखा पुनः अपनी हैसियत को विश्वसनीय बनाने के इंतजाम से गुजर रहा है। इस बीच विपक्ष ने गारंटियों की खुशखबरी में अपने तर्क के तीर छोड़ दिए। महिलाओं को 1500 रुपए की गारंटी ने सदन को जवाबदेह बनाया, तो सत्ता पक्ष के पाठ्यक्रम से निकलकर यह विषय सीधे स्पष्टीकरण पर उतर आया। कांग्रेस के विधायकों को हर गारंटी का विशेषज्ञ होना पड़ेगा, कम से कम आशीष बुटेल के भाषण में यह दक्षता तो रही। शिकायतें जमीन पर उतर कर सामाजिक पेंशन के कई पन्नों को सुर्ख कर गईं तो विधायक दीपराज ने बिगड़े हुलिए में कई सुराख खोज लिए। बहस कहीं न कहीं मेरी कमीज उसकी कमीज से बेहतर की स्थिति में सत्ता बनाम विपक्ष के बीच हिमाचल में आसरा खोज रही है, तो यह कहना मुश्किल है कि किसका पलड़ा भारी है, लेकिन विधायकों के प्रश्न में प्राथमिक उल्लेख तो सामने आया। जसवां-परागपुर के तीन दफ्तर निजी परिसरों में चल रहे हैं, तो कहीं विद्युत विभाग के उपकेंद्र को जमीन मिल नहीं रही। इसी बीच वर्षों से चीख रहा केंद्रीय विश्वविद्यालय का जदरांगल परिसर पुनः अपने सवाल पर तड़पा। जयराम सरकार के बाद वर्तमान सरकार के भी ढाई साल गुजर गए, लेकिन फाइलों और शर्तों के जंगल में वन विभाग द्वारा मांगे गए तीस करोड़, इसके अस्तित्व को रोके बैठे हैं। आश्चर्य यह कि 260 करोड़ के कैंपस में सियासी ईंटों का फैसला नहीं हो पा रहा है। सदन में जदरांगल परिसर पर पूछा गया यह सवाल अंतिम नहीं है और न ही जवाब देने का सलीका, मगर मील के पत्थर अब पथराव कर रहे हैं। बजट को आसरा देने के लिए कितना खनन और कितना शराब बिकता है, यह छोटे से प्रदेश की आरजू है। आरजू यह है कि दनादन शराब के ठेके फिर बिकें और 2850 करोड़ राजस्व के जाम से कोई जाम टकरा जाए। आमदनी बढ़ाने के लिए हमने भी रास्ते खोज लिए, तू शराबी नहीं उठाएगा जाम तो खनक पैदा होगी। ऐसे में बजट की सिद्धि और प्रसिद्धि के बीच कहीं जलवा दिखाने की विवशता, तो कहीं खुद को समझने की जरूरत। बहस के परिसर से बच के निकलना है, है तेरी महिफल में मेरे हर कदम का हिसाब। यानी विपक्ष की तैयारियों के बीच सरकार को अपने खाके, राज्य के बही-खाते और विकास के सांचे सशक्त करने हैं। हिमाचल के नाम सरकार का बजट किस तहर श्रृंगार करता है, उससे पहले राज्यपाल के अभिभाषण के सुर केंद्र से शिकायत कर रहे हैं।

हिमाचल अपने छोटे मसलों की गवाही में जब सदन में गूंजता है, तो परंपराएं सरकार और विपक्ष के बीच कई कॉमन पूल चुन लेती हैं। विधायक न तो विचारधारा है और न ही पक्ष-विपक्ष के बीच कोई विघटन, फिर भी तेवर और तीर चुभते रहते हैं। बहरहाल कुछ सुधारवादी नजरिए से जहां सरकार खड़ी है, वहां विपक्ष ने अपने मुद्दे झाडऩे शुरू किए हैं। जाहिर है बजट सत्र की भावना में गारंटियां अगर सत्ता की ताकत हैं, तो विपक्ष भी इनके ऊपर कड़ी नजर रखे हुए अपने सवाल पूछा रहा है, लेकिन हिमाचल में आर्थिक सुधारों की अनिवार्यता का माहौल अब न छुपाए छुपेगा और न ही आगे सरकाए सरकेगा। सरकार रास्ते खोज रही है और अपने आर्थिक मामलों को इकट्ठा कर रही है। प्रदेश की जरूरतें, विकास के वर्णन और वित्तीय विडंबनाओं के बीच बजट सत्र की दहलीज पर प्रश्नों का ढेर। राज्यपाल का अभिभाषण कुछ कड़वे घूंट पीकर बता चुका है कि हर सुधार और हर बयार की कीमत क्या है, फिर भी व्यवस्था परिवर्तन के आंगन में सुबह के सूरज को बुलाने की कोशिश जारी है। हिमाचल की घोषणाओं को तरोताजा रखने के लिए आवश्यक फंड चाहिए। केंद्रीय योजनाओं को बजट से जोडऩे के लिए फंड चाहिए।

राजनीतिक स्वार्थ का निहितार्थ है हिंदी भाषा का विरोध

यह सभी भारतीय भाषाओं के विरोध का अभियान है

डॉ. मोतीलाल गुप्ता 'आदित्य'

कोई भी युग रहा हो, बांटो और राज करो की नीति का प्रयोग राजनीति में कमोबेश सदैव होता रहा है। भारत की लोकतांत्रिक व्यवस्था मैं जहां विभिन्न समुदायों के वोट पाने होते हैं और वोट बैंक बनाने होते हैं, वहां राजनीतिक रूप से जोड़ने के बजाय तोड़ने की बात अधिक लाभकारक सिद्ध होती है।

भले ही नेताओं द्वारा राष्ट्रीय एकता सद्भाव और समरसता की बातें की जाती हों, सच तो यह है कि सत्ता समीकरण साधने के लिए नेताओं द्वारा देश की जनता को बांटने के लिए जाति, मजहब, क्षेत्र, भाषा, लिंग, आयु, व्यवसाय आदि के नाम पर बांटने के लिए नेता निरंतर नए-नए तरीके खोजते रहते हैं। इन उपकरणों के आधार पर वे लोगों को लड़ाते और बांटते रहते हैं।

अलग-अलग वर्ग के नेताओं के बांटने के और लोगों को लड़ाने के अलग-अलग तरीके हैं, जिनके माध्यम से लोगों की भावनाएं भड़काई जाती हैं, आग लगाई जाती है। इसी प्रकार अलग-अलग राज्यों में बांटने के अलग-अलग तरीके कारगर होते हैं। ऐसा नहीं है कि ये नेता इस बात को नहीं जानते कि इससे देश का कितना नुकसान होता है, राष्ट्रीय एकता और सामाजिक सद्भाव पर इसका कितना प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है, लेकिन इसकी चिंता किसे है? षड्यंत्रकारी भले ही राजनीतिक वर्ग हो लेकिन उनकी सफलता उस जनता पर निर्भर करती है जो बार-बार उनके झांसे में आ जाती है। नेताओं को भी यह समझ में आता है कि राष्ट्रीय एकता के बजाय देश के लोगों को अलग-अलग मुद्दों पर बांटकर अधिक राजनीतिक लाभ बटोरा जा सकता है। आपसी सद्भाव के बजाए विद्वेष और घृणा से वोटो का झोला सरलतापूर्वक भरा जा सकता है।

तमिलनाडु में आजादी के बाद से ही द्रविड़ राजनीति के नाम पर लोगों को बांटने वाले नेता लगातार आर्य-द्रविड़ के नाम पर, उत्तर-दक्षिण के नाम पर, हिंदू धर्म का विरोध के नाम पर, संस्कृत और तमिल के नाम पर और फिर हिंदी विरोध के नाम पर तमिलनाडु में लोगों के बीच क्षेत्रीयता की भावनाएं भरकर वोटों की झोली भरते और सत्ता पाते रहे हैं। एक बार फिर तमिलनाडु के मुख्यमंत्री स्टालिन नई शिक्षा नीति में त्रिभाषा सूत्र को लेकर तमिल लोगों पर हिंदी थोपने का आरोप लगा रहे हैं। यह तमिलनाडु की राजनीति का एक आजमाया हुआ फार्मूला है।

भाषा के नाम पर सर्वप्रथम और सर्वाधिक आग तमिलनाडु में ही लगती रही है। लेकिन भाषाओं और बोलियों के नाम पर देश को बांटने का काम अन्य प्रदेशों में भी होता रहा है। आमतौर पर यह आग स्थानीय भाषा और बोली आदि के नाम पर लगाई जाती हो लेकिन इससे कभी स्थानीय भाषा/ बोली का भला हुआ हो ऐसा दूर-दूर तक नजर नहीं आता। अगर इसका लाभ कभी किसी को हुआ है, तो वह भाषा है अंग्रेजी। भाषा के नाम पर आग लगने वाले ज्यादातर राजनीतिक दल और नेता जाने-अनजाने भारतीय भाषाओं को नुकसान तथा विभिन्न प्रदेशों के लोगों के बीच भाषाई वैमनस्य और अंग्रेजी को लाभ पहुंचाते हैं।

तमिलनाडु और दक्षिण के राज्यों सहित विभिन्न राज्यों में समय-समय पर हिंदी विरोध के नाम पर आग लगाई जाती रही है। इसलिए नई शिक्षा नीति में भारत सरकार द्वारा जो त्रिभाषा सूत्र बनाया गया है उसमें हिंदी या किसी अन्य भाषा को अनिवार्य नहीं किया गया ताकि जनता अपनी आवश्यकताओं के अनुसार दो भारतीय भाषाएं और तीसरी भाषा के रूप में अंग्रेजी अथवा अन्य कोई भाषा पढ़ सकें। इस नीति में जहां एक ओर इस देश के विद्यार्थियों को उनकी इच्छा और आवश्यकता के अनुसार भाषाएं पढ़ने की पूर्ण स्वतंत्रता दी गई है, वहीं यह आरोप लगाने की गुंजाइश भी नहीं बचती कि किसी पर कोई विशेष भाषा थोपी जा रही है।

द्रविड़ मुन्नेत्र कड़गम के संस्थापक पेरियार हिंदी के ही नहीं तमिल के भी विरोधी रहे हैं। पेरियार ने तमिल को बर्बर भाषा कहा था। काटुमिरंडई भाषाई यानी बर्बर या असभ्य भाषा कहा था। ऐसा तमिल विरोधी व्यक्ति द्रविड़ आंदोलन का प्रेरक कैसे बन गया? फिर इन्होंने संस्कृत का विरोध किया। फिर हिंदी के विरोध पर तमिलनाडु को जलाया। और अब विद्यार्थियों को तमिल के अलावा किसी अन्य भारतीय भाषा पढ़ने से वंचित करना चाहतेहैं। सवाल यह है कि जब नई राजभाषा नीति में किसी भी भारतीय भाषा को पटाने की अनिवार्यता ना होकर कोई भी दो भारतीय भाषाएं चुनने का अधिकार विद्यार्थियों को दिया गया है तो फिर थोपने की बात कहां सेआ गई?

लेकिन भाषा की राजनीति करने वाले तमिलनाडु के नेताओं को यह बात कैसे रास आती। ऐसे में उन्होंने भाषाई राजनीति करने के लिए कहा तीन भाषा क्यों? दो भाषा क्यों नहीं? ताकि वे तमिल और अंग्रेजी को अनिवार्य करके अन्य किसी भी भारतीय भाषा को तमिलनाडु में पढ़ाने से वहां की जनता को वंचित कर सकें और इसमें हिंदी विरोध की बात कह कर फिर से भाषायी वैमनस्य के माध्यम से वोटो की झोली भर सकें।

अगर देखा जाए तो द्रविड़ मुनेत्र कड़गम की समग्र राजनीति में हर स्तर पर अलगाववाद की बू आती है। जो कभी उत्तर-दक्षिण के नाम पर, आर्य-द्रविड़ के नाम पर संस्कृत और तमिल के नाम पर, कभी सनातन धर्म के विरोध के नाम पर और कभी हिंदी विरोध के नाम पर निकल कर आती है। ऐसी ही कोशिशें दक्षिण भारत के अन्य राज्यों में भी होती रही हैं, जिनमें सबसे प्रमुख है कर्नाटक। मजे की बात यह है कि यहां पर हिंदी विरोध को सर्वाधिक शक्ति जिस दल से मिलती है, वह कांग्रेस है, जो एक राष्ट्रीय दल है, जो स्वयं को महात्मा गांधी की पार्टी कहता है। वही महात्मा गांधी, जिन्होंने हिंदी को भारत की राष्ट्रभाषा बनाने की बात कही थी। अगर देखा जाए तो भाषा के नाम पर कांग्रेस के दो मुंह रहे हैं। उत्तर में अलग, दक्षिण में अलग। मौकापरस्ती का आलम यह है कि जब दक्षिण में हिंदी पर हमले होते हैं तो उत्तर भारत के नेता चुप्पी साधकर मौन समर्थन देते हैं।

पिछले कुछ वर्षों में नेताओं ने हिंदी की घटक बोलियों/भाषाओं के बीच आग लगाकर राजनीतिक रोटियां सेंकने की कोशिश भी कुछ कम नहीं की। भले ही आम जनता की ऐसी मांगों में कोई रुचि न रही हो लेकिन अलग-अलग राज्यों में वहां प्रचलित बोलियां को संविधान की अष्टम अनुसूची में हिंदी के समक्ष स्थान देने की मांग पिछले समय से लगातार उठाती रही हैं। इन मांगों में भले ही आम जनता को क्षेत्रीय भावनाएं उकसाकर शामिल किया जाता है, लेकिन इसके प्रमुख लाभार्थी राजनेता हैं, जो इस नाम पर वोट बटोरना चाहते हैं। वे लालची साहित्यकार आदि हैं जिन्हें लगता है कि बिना उच्च साहित्य के उन्हें साहित्य अकादमी पुरस्कार मिल जाएगा या अकादमी संस्थान आदि के जरिए उनकी दुकानें चलेंगी, कुछ नौकरियां और पद मिलेंगे। सिविल सेवा परीक्षाओं में बोलियों के माध्यम से सफलता पाने के इच्छुक अक्षम विद्यार्थी भी इस भीड़ का हिस्सा बन जाते हैं। भले ही, वे स्वयं भी उन भाषा/बोलियां का बोलचाल में भी प्रयोग न करते हों। अब स्टालिन ने हिंदी को हिंदी भाषा क्षेत्र की बालियां से लड़ाने के लिए अभी यह बयान दे दिया है कि हिंदी इस क्षेत्र की सभी बालियां और भाषाओं को खत्म कर रही है। हो सकता है यह इंडिकेटर बंधन की सूची समझी चाल हो ताकि हिंदी के विरुद्ध वातावरण हिंदी त्रिभाषी क्षेत्र में ही नहीं उत्तर भारत में भी बनाया जा सके और लोगों को बांटा जा सके।

पिछले दिनों एक सज्जन किसी बोली भाषा की भारी वकालत और हिंदी का तीव्र विरोध करते हुए सोशल मीडिया पर लगातार पोस्ट डाल रहे थे, लेकिन सभी पोस्ट केवल हिंदी में थे। लेकिन जब हमने कहा कि भाई आप जिस बोली का समर्थन कर रहे हैं, उसे बोली में तो लिखिए तो सही, बार-बार कहने पर वे टूटी-फूटी अंग्रेजी में लिखने लगे। क्योंकि वे अच्छी तरह जानते थे कि हिंदी के बजाय वे जिस बोली/भाषा की वे वकालत कर रहे हैं, उसमें लिखेंगे तो उसे कोई समझेगा ही नहीं।

अब लगे हाथों उन राजनीतिक दलों की बात भी कर ली जाए, जो अपने को समाजवादी कहते हैं। जो अपने को राम मनोहर लोहिया की विचारधारा के उत्तराधिकारी मानते हैं। वही राम मनोहर लोहिया जो हिंदी और भारतीय भाषाओं के सबसे बड़े समर्थक थे। जिन्होंने हिंदी की बहुत बड़ी लड़ाई देश में लड़ी। लेकिन आज स्थिति यह है कि जब देश में कहीं भी और किसी भी तरह हिंदी का विरोध होता है तो ये कथित समाजवादी रेत में नाक घुसा कर बैठ जाते हैं। जिस प्रकार कांग्रेस चुप्पी साध लेते हैं, उसी प्रकार ये समाजवादी दल भी हिंदी विरोध पर चुप्पी साथ कर बैठ जाते हैं। जबकि ये दल पूर्णतः हिंदी भाषी क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करते हैं।

आज स्थिति यह है कि कोई भी ऐसी बात जिससे राष्ट्रीय एकता मजबूत होती हो, ये उससे किनारा कर लेते हैं। जात, मजहब, क्षेत्रवाद, भाषा बाद आदि जिन मुद्दों पर देशवासियों को बांटा जा सकता है, ये तलवार लेकर सबसे आगे खड़े होते है। हाल ही में संसद में प्रस्तुत अवैध प्रवासी नियंत्रण विधेयक पर भी विपक्षी दलों ने बवाल काटा है। यानी यह खुल्लम-खुल्ला घुसपैठ करवाने के पक्ष में खड़े हैं। देश के मतदाताओं को भी ये बातें देखनी-समझनी चाहिए।

अगर भाषा विरोध के मामले को बारीकी से देखा जाए तो यह सच सामने आता है कि राजनीतिक दल अपने राजनीतिक लाभ-लोभ के लिए न केवल देशवासियों के बीच परस्पर वैमनस्य पैदा कर रहे है बल्कि देश के विद्यार्थियों के विकास और प्रगति के अवसरों में अवरोध डाल रहे हैं। नई शिक्षा नीति कहती है कि बच्चों के स्वाभाविक विकास के लिए प्राथमिक शिक्षा मातृभाषा में दी जाए तो इससे किसका विरोध हो सकता है? इसमें किस स्थानीय भाषा का विरोध है? लेकिन जिन्होंने गुलामी की चादर ओढ़ रखी है उन्हें यह भी मंजूर नहीं। इस नीति में यह कहा गया है कि विद्यार्थी अपनी इच्छा से कोई भी दो भारतीय भाषाएं और अन्य अंग्रेजी या अन्य भाषा चुन सकता है। इसमें थोपने की बात कहां है? लेकिन नेता अच्छी तरह जानते हैं कि ज्यादातर विद्यार्थी अपने हित के लिए, शिक्षा और रोजगार के अवसरों को देखते हुए मातृभाषा के अतिरिक्त स्वेच्छा से हिंदी और अंग्रेजी को चुनना चाहेंगे। यही बात नेताओं को पसंद नहीं आ रही। कुल मिलाकर वे जनता की इच्छा के प्रतिकूल जा रहे हैं। वे अपने ही प्रदेश की जनता के आगे बढ़ने के अवसरों को सीमित कर रहे हैं, उनकी प्रगति के मार्ग अवरुद्ध कर रहे हैं। दूसरे शब्दों में तमिलनाडु के जो नेता वर्तमान शिक्षा नीति का विरोध कर रहे हैं, वे अपनी जनता की आकांक्षाओं का विरोध कर रहे हैं। ऐसे देश-विरोधी जन-विरोधी नेताओं का विरोध भी खुलकर होना चाहिए।

जब तक जनता स्वयं जागरूक और समझदार नहीं होगी और महत्वाकांक्षी नेताओं द्वारा जनता को बांटने के षडयंत्रों के प्रति सतर्क सचेत होकर इनका विरोध नहीं करेगी, ये देश-विरोधी, जन-विरोधी नेता लोगों को बांटने की चालें चलते रहेंगे। बात केवल भाषा की नहीं है, जात, मजहब, क्षेत्र, समुदाय आदि के नाम पर लोगों को बांटने और लड़ाने वाले नेताओं का विरोध भी जरूरी है।

(लेखक पूर्व क्षेत्रीय उपनिदेशक, राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय तथा निदेशक, वैश्विक हिंदी सम्मेलन, मुंबई हैं)

कुछ अलग

दुनिया का मेला

फेसबुक पर कोई भी व्यक्ति कोई ग्रुप बना सकता है, दूसरे लोगों को उसमें शामिल कर सकता है, और कोई भी व्यक्ति उस ग्रुप में शामिल हो सकता है, ग्रुप में अपने विचार रख सकता है, अन्य लोगों की पोस्ट पर टिप्पणी कर सकता है और इस प्रकार दुनिया भर में अपना संदेश फैला सकता है। फेसबुक में ऐसा ही एक ग्रुप है जिसका नाम है 'स्पिरिचुअल कलैक्टिव', जिसने हाल ही में मुझे एक ऑनलाइन सैशन में वक्ता के रूप में आमंत्रित किया ताकि मैं उनके साथ अपने अनुभव बांट सकूं। स्पिरिचुअल कलैक्टिव के सदस्य पेशेवर लोग हैं और उनमें से कई बहुत वरिष्ठ पदों पर विराजमान हैं, बड़ी कंपनियों में बड़े पदों पर विराजमान हैं या कंपनियों के मालिक हैं। ये लोग बड़ी-बड़ी टीमों का नेतृत्व कर रहे हैं। मैंने उन्हें प्रस्ताव दिया कि पहले पंद्रह मिनट हम अनौपचारिक बातचीत करेंगे और फिर मैं अपने अनुभवों की बात करूंगा। बातचीत में शीघ्र ही स्पष्ट हो गया कि ग्रुप के बहुत से लोग हालांकि अध्यात्म के मामले में किताबी ज्ञान ही रखते हैं, पर आध्यात्मिक यात्रा की गंभीरता से कोशिश करने को तैयार हैं। ऐसे में जब सारी दुनिया के धार्मिक और आध्यात्मिक गुरु इस एक बात पर जोर देते हैं कि दुनिया एक सपना है, अनित्य है, और परमात्मा को पाने का एक ही रास्ता है कि हम धन का मोह छोड़ें, इंद्रियों के रस को छोड़ें, मोह-माया को छोड़ें और अपने जीवन को सफल बनाने के लिए दान-पुण्य करते रहें और ब्रह्मचारी रहकर अपने इष्ट देव के जप में रम जाएं, तो मैंने तय किया कि मैं इसी विषय पर बात करूंगा। एक मजेदार बात यह रही कि ग्रुप के सदस्यों ने जब मुझे पहली बार लाइव देखा तो वे काफी निराश थे। उनकी धारणा थी कि उनके सैशन में कोई भगवाधारी जटाधारी योगी आएगा जो उन्हें अध्यात्म के पथ पर आगे बढऩे के सूत्रों की जानकारी देगा, लेकिन पैंट-कमीज पहने हुए एक आम आदमी को कैमरे के सामने पाकर उनके चेहरों पर निराशा का भाव स्पष्ट था, पर चूंकि वे मुझे आमंत्रित कर चुके थे तो मुझे सुनना उनकी विवशता थी। इसी पृष्ठभूमि में मेरा सैशन शुरू हुआ। मैंने शुरुआत इस बात से की कि यह तो सच है ही कि दुनिया अनित्य है। विज्ञान भी मानता है कि पृथ्वी पर जीवन हमेशा नहीं था। एक समय पृथ्वी भी आग का गोला ही थी। पृथ्वी ठंडी हुई तो पहले जलचर जीव आए, फिर ऐसे उभयचर जीव विकसित हुए जो समुद्र और पृथ्वी, दोनों जगह रह सकते थे, फिर पशु आए, कीट-पतंगे आए, वनमानुष आए और लंबे समय के विकास की प्रक्रिया में मनुष्य आए। आदिमानव के विकास के क्रम में हम आज की स्थिति में पहुंचे हैं। अनित्य उसे ही कहा जाता है जो सदा से न हो। इस अर्थ में यह दुनिया अनित्य है। हम जन्म लेते हैं और फिर मृत्यु हो जाती है। हम भी अनित्य हैं। लेकिन दुनिया कोई सपना नहीं है। यह अनित्य है, अस्थायी है, हम भी अनित्य हैं, दुनिया अस्थायी तो है, पर झूठ नहीं है। दुनिया है, यह एक सत्य है। इस सत्य को अस्वीकार करना, इसे झूठ मानना या सपना कहना गलत है। इस ब्रह्मांड के कण-कण में भगवान है। जब दुनिया की हर चीज में और हर जीव में परमात्मा है तो फिर दुनिया का विरोध कैसे होगा? हम इसीलिए भटकते रह जाते हैं क्योंकि हम यह मानने लग जाते हैं कि दुनिया छोड़े बिना भक्ति संभव नहीं है। यानी, हम परमात्मा को भी चुनते हैं, तो संसार के खिलाफ। इस तरह हम दुनिया के खिलाफ होकर परमात्मा को चुनना चाहते हैं। यही हमारी गलती है। स्पिरिचुअल कलैक्टिव ग्रुप के लोग यह जानकर आश्चर्यचकित थे कि मैं संन्यासी हूं, लेकिन गृहस्थ भी हूं और अपने परिवार के साथ ही रहता हूं और मैं एक कंपनी का चेयरमैन होने के नाते एक उद्यमी भी हूं।

देश दुनिया से

अवध की होली में गंगा-जमुनी तहजीब की रंगत

अयोध्या में होली का हुड़दंग पांच दिन पहले रंगभरी एकादशी के उत्सव से ही आरंभ हो जाता है। नागा साधु हनुमानगढ़ी में विराजमान हनुमंतलला के साथ होली खेलते, फिर उनके निशान के साथ अयोध्या की पंचकोसी परिक्रमा पर निकल जाते हैं। यह परिक्रमा सारे मठों-मन्दिरों के रंगोत्सव में शामिल होने का निमंत्रण होती है। फिर तो सारा संत समाज सड़कों पर निकल आता है। सारे भेदभाव भूलकर पांच दिन रंगों के साथ भंग आदि की तरंग में भी डूबता उतराता रहता है। यों, अवध में होली के रंगों की गिनती तब तक पूरी नहीं होती, जब तक उनमें उसकी गंगा-जमुनी तहजीब की रंगत शामिल न की जाये। क्या गांव-क्या शहर, क्या गली-क्या मोहल्ले और क्या चौराहे, जलती होलिकाएं और रंगे-पुते चेहरों वाले हुड़दंग मचाते हुरियारे किसी को किसी भी बिना पर होली से बेगानगी बरतने का मौका नहीं देते। इस गंगा-जमुनी तहजीब की नींव अवध के तीसरे नवाब शुजाउद्दौला ने अपनी तत्कालीन राजधानी फैजाबाद में रखी थी। 26 जनवरी, 1775 को उन्होंने फैजाबाद में ही अंतिम सांस भी ली। यों तो उन्हें कई ऐबों के लिए भी जाना जाता है, लेकिन मजहबी संकीर्णताएं उन्हें छूती भी डरती थीं। वर्ष 1775 में उनके पुत्र आसफउद्दौला ने राजधानी फैजाबाद से लखनऊ स्थानांतरित की, तो भी इस तहजीब का दामन नहीं छोड़ा। वे अपने सारे दरबारियों के साथ फूलों के रंग से होली खेला करते थे। आसफउद्दौला की बेगम शम्सुन्निसा उर्फ दुल्हन बेगम को भी, जो दुल्हन फैजाबादी नाम से शायरी भी करती थीं, रंग खेलने का बड़ा शौक था। एक होली पर आसफुद्दौला शीशमहल स्थित दौलतसराय सुल्तानी पर रंग खेल रहे थे तो हुरियारों ने दुल्हन बेगम पर भी रंग डालने की ख्वाहिश जताई। तब बेगम ने अपने उजले कपड़े बाहर भेजे और हुरियारों ने उन पर जी भर रंग छिड़का। फिर वे रंग सने कपड़े वापस महल में ले जाये गये जहां बेगम उन्हें पहनकर खूब उल्लसित हुईं। आसफउद्दौला के बाद के नवाबों में से कई को लोग उनके होली खेलने के खास अंदाज के कारण ही जानते हैं। नवाब सआदत अली खां के जमाने में होली का गंगा-जमुनी रंग तब और गाढ़ा हो गया जब उन्होंने होली के लिए राजकोष से धन देने की परम्परा डाली। आखिरी नवाब वाजिदअली शाह ने होली पर कई ठुमरियां लिखी हैं। उनको कृष्ण बनकर होली खेलने का शौक भी था। अपनी नवाबी के दौर में वे रासलीला की तर्ज पर 'रहस' का प्रदर्शन कराते थे जिसमें वे खुद कृष्ण बनते थे और उनकी चहेती बेगमें गोपियों की भूमिका निभाती थीं। कुछ मुस्लिम कट्टरपंथी इसे लेकर नाक-भौं भी सिकोड़ा करते थे, लेकिन उन्होंने उन्हें कभी कान नहीं दिया। आसफउद्दौला की ही राह पर चलते और कहते रहे- हम इश्क के बन्दे हैं मजहब से नहीं वाकिफ, गर काबा हुआ तो क्या, बुतखाना हुआ तो क्या? एक बार तो मुहर्रम का मातम भी उनको होली खेलने से नहीं रोक पाया था। दरअसल हुआ यह कि संयोग से होली और मुहर्रम एक ही दिन पड़ गए। फिर तो अंदेशा हुआ कि होली की खुशी और मुहर्रम के मातम में टकराव न हो जाये। इस अंदेशे के चलते लखनऊ के कई अंचलों में हुरियारों ने मोहर्रम वालों की भावनाओं का सम्मान करते हुए होली न खेलने का फैसला किया तो वाजिदअली शाह ने उन्हें इस सदाशयता का ऐसा सिला दिया कि कुछ न पूछिये। उन्होंने कहा, 'अगर हिंदू मुसलमानों की भावनाओं का इतना सम्मान करते हैं कि उन्हें ठेस न पहुंचे, इसके लिए होली नहीं खेल रहे, तो मुसलमानों का भी फर्ज है कि वे हिंदुओं की भावनाओं का सम्मान करें।' उन्होंने बिना देर किये ऐलान करा दिया कि अवध में न सिर्फ मुहर्रम के ही दिन होली मनाई जाएगी, बल्कि नवाब खुद उसमें हिस्सा लेने पहुंचेंगे। उन्होंने इस ऐलान पर अमल भी किया और सबसे पहले रंग खेलकर होली की शुरुआत की। उनकी एक प्रसिद्ध ठुमरी है : मोरे कन्हैया जो आए पलट के, अबके होली मैं खेलूंगी डटके, उनके पीछे मैं चुपके से जाके, रंग दूंगी उन्हें भी लिपट के। अंग्रेजों द्वारा बेदखली के बाद 1857 का स्वतंत्रता संग्राम शुरू हुआ, उनके अवयस्क बेटे बिरजिस कद्र की ताजपोशी के बाद सूबे की बागडोर मां बेगम हजरत महल के हाथ आई, तो उन्होंने भी होली के इन गंगा-जमुनी रंगों को फीका नहीं पड़ने दिया। आज भी लखनऊ में हुरियारे होली खेलते हुए मुस्लिम इलाकों से गुजरते हैं तो वहां उन पर इत्र छिड़का जाता और मुंह मीठा कराकर स्वागत किया जाता है। फिर तो फिजां में मुहब्बत का रंग ऐसे घुलता है कि किसी को अपना हिन्दू या मुसलमान होना याद ही नहीं रह जाता। इससे पहले वसंत पंचमी के दिन शहर के नुक्कड़ों पर होलिका दहन के लिए रेंडी के पेड़ (खंभ) गाड़े जाते और लकड़ियां जमा की जाती हैं तो इस काम में भी गंगा-जमुनी तहजीब अंगड़ाइयां लेती ही है। शायर सरशार सैलानी ने अपनी यह पंक्ति यकीनन, उन्हीं को लक्ष्य कर लिखी है : 'चमन में इख्तिलात-ए-रंगो-बू से बात बनती है, हमीं हम हैं तो क्या हम हैं, तुम्हीं तुम हो तो क्या तुम हो।' यह भी कि होली कोई एकरंगी त्योहार नहीं है। लखनऊ से सटे बाराबंकी जिले में स्थित संत हाजी वारिस अली शाह की दरगाह में हिंदुओं और मुसलमानों द्वारा मिलकर जलाई और खेली जाने वाली सूफियाना मिजाज की होली के रंग भी कुछ कम निराले नहीं होते। कौमी एकता गेट पर फूलों के साथ चादर का जुलूस भी निकाला जाता है जिसमें 'जो रब है, वही राम है' का संदेश दिया जाता है।

आप का नजरिया

पाकिस्तान का संकट

पाकिस्तान के बलूचिस्तान में विद्रोही लड़ाकों ने जाफर एक्सप्रेस ट्रेन का जिस तरह अपहरण किया, सैकड़ों बंधक बनाए और 30 से ज्यादा फौजियों की हत्या कर दी, यकीनन यह घटना मुल्क के अस्तित्व और हुकूमत के लिए बहुत बड़ी चुनौती है। यह मुल्क पर युद्ध थोप देने सरीखी घटना है। बलूचिस्तान में यह लड़ाई दशकों से लड़ी जा रही है। बलूचिस्तान पाकिस्तान से आजादी चाहता है, जबकि पाकिस्तान ने 1948 में फौज के हमले के जरिए उसे जबरन अपना हिस्सा बनाया था। बलूच लिबरेशन आर्मी (बीएलए) के लड़ाकों को पाकिस्तान के अलावा ब्रिटेन और अमरीका जैसे देश भी 'आतंकवादी' करार देते हैं, लेकिन भारत उन्हें 'विद्रोही' या 'क्रांतिकारी' मानता रहा है। पाकिस्तान की संसद में मौलाना फजलुर रहमान ने कहा था कि बलूचिस्तान में 5-7 जिले ऐसे हैं, जो कभी भी पाकिस्तान से अलग होकर खुद को 'आजाद मुल्क' घोषित कर सकते हैं। बलूच और खैबर पख्तूनख्वा तो पाकिस्तान से कभी भी आजाद हो सकते हैं, लेकिन अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञों का मानना है कि एक दिन ऐसा भी आएगा, जब पाकिस्तान अपने पंजाब प्रांत तक ही सिमट कर रह सकता है। यही नहीं, पाक अधिकृत कश्मीर (पीओके) में भी हुकूमत और फौज के खिलाफ जन-आंदोलन छिड़े हैं। वहां के बाशिंदे भारत के जम्मू-कश्मीर के साथ जुडऩा चाहते हैं। दरअसल बलूचिस्तान का इतिहास और अतीत बेहद दिलचस्प हैं। यह भी भारत की 565 रियासतों में से एक थी। 1947 में भारत-विभाजन के वक्त उसे दो विकल्प दिए गए थे। वह भारत या पाकिस्तान किसी का भी हिस्सा बन सकती थी, लेकिन बलूचिस्तान ने 'आजाद मुल्क' रहना तय किया। विभाजन के बाद परिस्थितियां इतनी तेजी से बदलीं कि 27 मार्च, 1948 को बलूचिस्तान ने भारत में विलय का प्रस्ताव भेजा। तत्कालीन रक्षा मंत्री वीके कृष्णा मेनन ने आकाशवाणी पर बाकायदा यह घोषणा की, लेकिन प्रथम प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू ने उस प्रस्ताव को खारिज कर दिया। इस पर तत्कालीन उपप्रधानमंत्री एवं गृह मंत्री सरदार पटेल इतना नाराज हुए कि उन्होंने घोषणा कर दी कि बलूचिस्तान का कोई भी प्रस्ताव नहीं मिला है। अंततः पाकिस्तान के राष्ट्रपति मुहम्मद अली जिन्ना के आदेश पर फौज ने हमला किया और बलूचिस्तान को पाकिस्तान का एक प्रांत बना दिया। पाकिस्तान का आधा भू-भाग बलूचिस्तान की परिधि में है, लिहाजा वह सबसे बड़ा प्रांत भी है। कभी वहां हिंदू और बौद्ध धर्म का वर्चस्व था, लेकिन धर्मांतरणों के बाद उसे 'इस्लामी सूबा' बना दिया गया। बलूचिस्तान में अजीब विरोधाभास हैं कि वहां प्राकृतिक संसाधनों, खनिजों के अमूल्य भंडार हैं, लेकिन करीब 70 फीसदी आबादी 'गरीबी रेखा के तले' जीने को अभिशप्त है। बीएलए लड़ाकों की संख्या 6000 से अधिक बताई जाती है। उनके पास अमरीकी एम-16 ऑटोमैटिक राइफल्स हैं और अन्य हथियार भी हैं। सभी लड़ाके फिदायीन हैं। बीते 4 साल में बीएलए ने 76 हमलों में पाकिस्तान के 1156 फौजियों को मौत के घाट उतारा है। बहरहाल इस घटना ने पाकिस्तान हुकूमत और फौज की कमजोरियों को बेनकाब कर दिया है।

पाकिस्तान ट्रेन हाईजैक : रेस्क्यू ऑपरेशन में 33 बीएलए विद्रोही ढेर, 122 बंधक छुड़ाए गए

इस्लामाबाद, 13 मार्च (एजेंसियां)।

पाकिस्तान सेना ने बलूचिस्तान में हाईजैक की गई जाफर एक्सप्रेस का सफल रेस्क्यू ऑपरेशन पूरा कर लिया है। सेना के मुताबिक, 24 घंटे चले इस ऑपरेशन में बलूच लिबरेशन आर्मी (बीएलए) के सभी 33 विद्रोहियों को मार गिराया गया और 122 बंधकों को सुरक्षित छुड़ा लिया गया। इससे पहले बीएलए ने 21 यात्रियों की हत्या कर दी थी, जिसमें 4 सैनिक भी शामिल थे। जानकारी अनुसार जाफर एक्सप्रेस ट्रेन 440 यात्रियों को लेकर मंगलवार

जाफर एक्सप्रेस छुड़ाने 24 घंटे चला ऑपरेशन

सुबह 9 बजे क्वेटा से पेशावर के लिए रवाना हुई थी। ट्रेन जब बोलान दर्रे के माशफाक टनल में पहुंची, तो पहले से घात लगाए बीएलए के विद्रोही लड़ाकों ने उस पर हमला कर टनल नंबर-8 को विस्फोट से उड़ा दिया। धमाके के कारण ट्रेन बेपटरी हो गई, इसके बाद उन्होंने ट्रेन पर रॉकेट लॉन्चर और बंदूकों से हमला किया और ट्रेन को हाईजैक कर लिया। सेना का कहना है कि बीएलए ने 21 यात्रियों की हत्या कर दी थी, जिनमें 4 पाकिस्तानी सैनिक भी शामिल थे। इसके बाद ही पाकिस्तानी सेना ने रेस्क्यू ऑपरेशन शुरु किया और 24 घंटे चले इस ऑपरेशन में पाकिस्तानी सेना ने 212 यात्रियों को छुड़ा लिया, जिसमें 122 बंधक शामिल थे। इस ऑपरेशन के दौरान बीएलए के 33 विद्रोही मारे गए। आतंकियों ने हमले के लिए मजीद ब्रिगेड और फतेह दस्ते को उतारा था। बीएलए ने इस हमले की जिम्मेदारी लेते हुए कहा कि उनका मकसद बलूच राजनीतिक कैदियों की रिहाई करवाना था। उन्होंने धमकी दी थी कि यदि उनकी मांगें नहीं मानी गईं, तो वे बंधकों की हत्या कर देंगे। कैसे हुआ सेना का जवाबी ऑपरेशन पाकिस्तानी सेना ने इस चुनौतीपूर्ण स्थिति से निपटने के लिए एक विशेष ऑपरेशन शुरू किया, जिसमें सैकड़ों सैनिक, वायुसेना और विशेष बलों को तैनात किया गया। पहला चरण: सेना ने आतंकियों को घेर लिया और उनके बचाव के रास्ते बंद कर दिए।

न्यूज ब्रीफ

लॉन्च से चंद घंटे पहले झटका: सुनीता विलियम्स को लेने जा रहा नासा का मिशन स्थगित

वॉशिंगटन। नासा ने बुधवार को नासा-स्पेसएक्स क्रू-10 मिशन को स्थगित करने की घोषणा की। एलन

मस्क की कंपनी स्पेसएक्स का क्रू ड्रैगन अंतरिक्ष यान इन अंतरिक्ष यात्रियों को वापस लाने के लिए तैयार किया गया था। क्रू-10 मिशन के तहत चार अंतरिक्ष यात्रियों को आईएसएस भेजा जाना था, और वापसी में सुनीता विलियम्स और विल्मोर को लाना था। यह मिशन 12 मार्च 2025 को फ्लोरिडा के कैनेडी स्पेस सेंटर से फाल्कन-9 रॉकेट के जरिए लॉन्च होने वाला था, लेकिन लॉन्च पैड पर हाइड्रोलिक्स से संबंधित समस्या के कारण इसे स्थगित कर दिया गया। इससे अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर फंसे दो अंतरिक्ष यात्रियों, सुनीता विलियम्स और बुच विलमोर की वापसी में देरी हो गई है। यह मिशन इन दोनों अंतरिक्ष यात्रियों के स्थान पर एक नई टीम को भेजने के लिए निर्धारित था, लेकिन लॉन्च से चार घंटे पहले इंजीनियरों को रॉकेट के एक महत्वपूर्ण हाइड्रोलिक सिस्टम में खराबी मिली। जानकारी के मुताबिक, रॉकेट की लॉन्चिंग से ठीक पहले, तकनीशियन ग्राउंड हाइड्रोलिक सिस्टम की जांच कर रहे थे। यह प्रक्रिया रॉकेट को लॉन्च पैड पर सुरक्षित रखने वाले दो में से एक आर्म को रिलीज करने के लिए आवश्यक होती है। नासा के लॉन्च कमेंटेटर डेरोल नेल ने बताया, यह समस्या ग्राउंड साइड हाइड्रोलिक सिस्टम में थी, जबकि रॉकेट और स्पेसक्राफ्ट पूरी तरह ठीक थे। लॉन्च कैप्सूल में बैठ चुके चारों अंतरिक्ष यात्रियों को अंतिम निर्णय के लिए इंतजार करना पड़ा। लॉन्च काउंटडाउन के एक घंटे से भी कम समय शेष रहते स्पेसएक्स ने मिशन को टालने का फैसला लिया। हालांकि, अभी नई लॉन्च तारीख की आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है, लेकिन कंपनी ने संकेत दिया कि अगला प्रयास गुरुवार रात तक हो सकता है। क्रू-10 के अंतरिक्ष स्टेशन पहुंचने के बाद, वहां पहले से मौजूद दो अंतरिक्ष यात्रियों – सुनीता विलियम्स और बट्च विलमोर – को वापस लाने की प्रक्रिया शुरू होगी। दोनों पिछले साल जून में आईएसएस पहुंचे थे, लेकिन बोइंग के नए स्टारलाइनर कैप्सूल में तकनीकी गड़बड़ी के कारण उन्हें अतिरिक्त समय तक स्टेशन पर रहना पड़ा।

नौ महीने के भीतर बच्चे पैदा नहीं किए तो जाएगी नौकरी

बीजिंग। हाल ही में चीन की एक केमिकल कंपनी शंगडोंग शंटियन ग्रुप ने अपने कर्मचारियों को

अल्टीमेटम देते हुए कहा कि अगर वे नौ महीने के भीतर बच्चे पैदा नहीं करते तो उन्हें नौकरी से हाथ धोना पड़ सकता है। यह पहली बार नहीं है जब चीन में कंपनियां इस तरह के फरमान जारी कर रही हैं। कुछ सप्ताह पहले एक सुपरमार्केट चेन ने भी शादी करने और परिवार बढ़ाने को प्रोत्साहित करने के लिए अपने कर्मचारियों से शादी में महंगे उपहार मांगने से बचने की अपील की थी। चीन सरकार भी लगातार कोशिश कर रही है कि युवा शादी करें और परिवार बसाएं, लेकिन महंगी जीवनशैली और व्यक्तिगत आजादी की चाह ने युवाओं को शादी से दूर कर दिया है। चीन में जन्मदर घटने के पीछे मुख्य वजह वहां की सख्त जनसंख्या नीति रही है। दशकों तक लागू एक बच्चा नीति ने समाज में ऐसा बदलाव ला दिया कि अब जब सरकार ज्यादा बच्चे पैदा करने को प्रोत्साहित कर रही है, तो भी लोग इसके लिए तैयार नहीं हैं। 2021 में चीन ने इस नीति को खत्म कर तीन बच्चों की अनुमति दी थी, लेकिन इसका कोई खास असर नहीं दिखा। 2023 में चीन में केवल 61 लाख शादियां हुईं, जो 1986 के बाद सबसे कम है। सरकार अब शादी की न्यूनतम उम्र घटाने पर विचार कर रही है। वर्तमान में चीन में लड़कों के लिए शादी की न्यूनतम उम्र 22 और लड़कियों के लिए 21 साल है, जिसे 18 साल करने का प्रस्ताव आया है। साथ ही, सरकारी कर्मचारी महिलाओं को गर्भधारण के लिए प्रेरित कर रहे हैं और प्रचार अभियान चला रहे हैं कि प्रेग्नेंसी से महिलाएं अधिक आकर्षक दिखती हैं।

साल में एक इंजेक्शन और एचआईवी के खतरनाक इंफेक्शन से बचाओ

वॉशिंगटन। एचआईवी एक खतरनाक इंफेक्शन है, जो लोगों की जिंदगी बर्बाद कर देता है। एचआईवी संक्रमण

के ज्यादा फैलने पर एड्स नामक जानलेवा बीमारी हो सकती है। एचआईवी से बचने के लिए लोगों को रोज गोलियां और समय-समय पर इंजेक्शन होते हैं। जिन लोगों को एचआईवी का ज्यादा खतरा होता है, उन्हें लगातार ट्रीटमेंट लेने की जरूरत होती है। हालांकि अब वैज्ञानिकों ने अच्छी खबर दी है। एक नई रिसर्च के क्लीनिकल ट्रायल में एचआईवी से बचाने वाला इंजेक्शन असरदार साबित हुआ है। यह इंजेक्शन साल में सिर्फ एक बार लगवाना होता है।

व्हाइट हाउस का दावा, अमेरिका में कंपनियां करेंगी बड़ा निवेश, लाखों लोगों को मिलेगा रोजगार

वाशिंगटन, 13 मार्च (एजेंसियां)।

राष्ट्रपति डोनाल्ड जे. ट्रंप अमेरिका को एक बार फिर दुनिया की विनिर्माण महाशक्ति बनाने के मिशन पर तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। मात्र सात सप्ताह में परिदृश्य बदलने लगा है। ट्रंप पर भरोसा दुनिया भर की कंपनियां अमेरिका में बड़ा निवेश करने की घोषणा कर रही हैं। कहा गया है कि इससे लाखों लोगों को रोजगार मिलेगा।

व्हाइट हाउस ने ट्रंप के पदभार ग्रहण करने के बाद इस दिशा में हुई प्रगति का विवरण जारी किया है। इसमें कहा गया है कि एप्पल ने 500 बिलियन डालर के निवेश की घोषणा की है। इससे 20,000 नौकरियों का सृजन होगा। राष्ट्रपति ट्रंप ने खुद आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस इंफ्रास्ट्रक्चर में 500 बिलियन डालर के निजी निवेश की घोषणा की है। इसके अलावा टीएसएमसी ने ने यूएस आधारित सेमीकंडक्टर चिप निर्माण में 100 बिलियन डालर के निवेश की घोषणा की है। एली लिली एंड कंपनी ने अपने यूएस आधारित विनिर्माण में 27 बिलियन डालर के निवेश की घोषणा की। राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा कि शिपिंग दिग्गज सीएमए सीजीएम यूएस शिपिंग और लॉजिस्टिक्स में 20 बिलियन डालर का निवेश करेगी। इससे 10,000 नए अमेरिकी रोजगार सृजित होंगे। इसके अलावा नए यूएस आधारित डेटा सेंटर बनाने के लिए डीएएमएसी प्रॉपर्टीज 20 बिलियन डालर का निवेश करेगी।

व्हाइट हाउस ने इसके अलावा अन्य कंपनियों की निवेश घोषणाओं का विवरण जारी किया है। इसमें कहा गया है कि सऊदी अरब ने घोषणा की कि वह अगले चार वर्षों में अमेरिका में 600 बिलियन डालर का निवेश करने का इरादा रखता है। संयुक्त अरब अमीरात ने घोषणा की कि वह अमेरिका में महत्वपूर्ण निवेश करेगा और ताइवान ने अपने अमेरिकी-आधारित निवेश को बढ़ावा देने की प्रतिबद्धता दोहराई है।

व्हाइट हाउस ने कहा कि इस बीच टैरिफ से बचने के लिए इलेक्ट्रॉनिक्स दिग्गज सैमसंग और एलजी ने मेक्सिको से अपने संयंत्रों को अमेरिका में स्थानांतरित करने पर विचार शुरू कर दिया है। हुंडई मोटर भी अमेरिका में उत्पादन को स्थानीय बनाने की योजना बना रही है। निसान मेक्सिको से अमेरिका में उत्पादन स्थानांतरित करने पर विचार कर रही है। होंडा से इंडियाना में अपने अगली पीढ़ी के सिविक हाइब्रिड मॉडल का उत्पादन करने की उम्मीद है।

क्या बनेगी बात युद्धविराम का प्रस्ताव लेकर पुतिन के पास जा रही ट्रंप की टीम

मॉस्को। रूस और यूक्रेन के बीच लंबे समय से युद्ध चल रहा है। कई बार शांति के प्रयास भी हुए लेकिन नतीजा शून्य रहा। एक बार फिर युद्ध रोकने के प्रयास हो रहे हैं, इसके लिए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की टीम एक प्रस्ताव लेकर पुतिन के पास जा रही है। यह प्रतिनिधिमंडल मॉस्को के लिए रवाना हो गया है, ताकि रूस के साथ युद्धविराम की बातचीत को आगे बढ़ाया जा सके। दूसरी ओर, रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने बुधवार को कुर्स्क क्षेत्र का दौरा किया, जहां हाल ही में रूसी सेना ने यूक्रेनी बलों से 100 वर्ग किलोमीटर से अधिक क्षेत्र और 12 बस्तियों पर फिर से कब्जा किया है। रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो के नेतृत्व में एक उच्च-स्तरीय प्रतिनिधिमंडल में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के विशेष दूत स्टीव विटकॉफ भी शामिल हैं, जो रूसी राष्ट्रपति पुतिन से मुलाकात करने की योजना बना रहे हैं। यह यात्रा सऊदी अरब के जेद्दा में हाल ही में हुई वार्ता के बाद हो रही है, जहां यूक्रेन ने अमेरिकी प्रस्ताव के तहत 30 दिनों के युद्धविराम को स्वीकार करने की सहमति दी थी। अमेरिका ने इसके बाद यूक्रेन के साथ सैन्य सहायता और खुफिया जानकारी साझा करने पर लगी रोक को तुरंत हटाने का ऐलान किया था।रुबियो ने कहा, अब गेंद रूस के पाले में है। हम उम्मीद करते हैं कि मॉस्को इस प्रस्ताव पर सकारात्मक जवाब देगा, ताकि हम स्थायी शांति की दिशा में आगे बढ़ सकें। उन्होंने कहा, हम (रूसियों को) इस पेशकश से अवगत कराएंगे।

पुतिन पहुंचे कुर्स्क, कमांड पोस्ट का दौरा किया

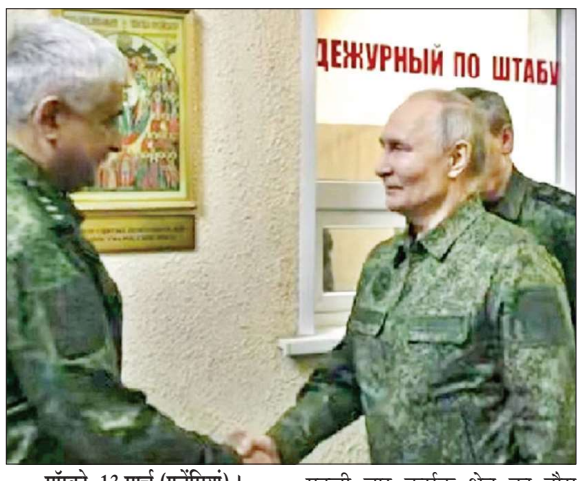

मॉस्को, 13 मार्च (एजेंसियां)।

यूक्रेन से छिड़ी जंग के बीच रूस के राष्ट्रपति रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन कुर्स्क क्षेत्र का जायजा लेने पहुंचे। उन्होंने बैटलग्रुप के एक कमांड पोस्ट का दौरे किया। पुतिन ने इस दौरान कहा कि रूसी सेना को जल्द से जल्द कुर्स्क क्षेत्र में यूक्रेनी सेना को हराने और एक क्षेत्रीय सुरक्षा क्षेत्र स्थापित करने की आवश्यकता है। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने यहां रूसी सशस्त्र बलों के जनरल स्टाफ के प्रमुख वालेरी गेरासिमोव से भी मुलाकात की।

राष्ट्रपति पुतिन ने कमांडरों से भी मुलाकात की और कुर्स्क ऑपरेशन में भाग लेने वाले सभी सैनिकों के प्रति अपना आभार व्यक्त किया। राष्ट्रपति ने यूक्रेन की घुसपैठ के बाद पहली बार कुर्स्क क्षेत्र का दौरा किया। बताया गया है कि पुतिन ने शुरू में मॉस्को के बाहर अपने नोवो-ओगारियोवो निवास में एक आर्थिक बैठक में हिस्सा लेने की योजना बनाई थी। क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेसकोव ने बताया कि इसमें बदलाव कर राष्ट्रपति ने कुर्स्क जाने का फैसला किया। इस बीच क्रेमलिन ने पुतिन की कुर्स्क क्षेत्र की यात्रा का फुटेज जारी किया है। पुतिन ने कहा कि रूसी सशस्त्र बलों को कुर्स्क क्षेत्र में एकत्र यूक्रेन की सेना को खदेड़ना होगा। कुर्स्क क्षेत्र को पूरी तरह से मुक्त करने की जरूरत है और सीमा पर स्थिति को बहाल करने की जरूरत है। उन्होंने उम्मीद जताई कि ऐसा बहुत जल्द होगा। राष्ट्रपति पुतिन ने कहा कि कुर्स्क क्षेत्र में जो लोग नागरिकों के खिलाफ अपराध कर रहे हैं और हमारे सशस्त्र बलों, कानून प्रवर्तन एजेंसियों और सुरक्षा सेवाओं के खिलाफ लड़ रहे हैं, वे रूसी कानूनों के अनुसार आतंकवादी हैं। क्रेमलिन के अनुसार, बैटलग्रुप कुर्स्क ने पिछले पांच दिनों में अकेले कुर्स्क क्षेत्र में 24 बस्तियों और 259 वर्ग किलोमीटर को मुक्त कराया है।

ग्लोबल वार्मिंग के कारण उपग्रहों और अंतरिक्ष यात्रा के लिए गंभीर खतरा पैदा हो रहा

हमारे ग्रह पर मंडराते खतरे, जलवायु परिवर्तन के कारण, अब एक नए और भयावह रूप ले रहे हैं। नए अध्ययन ने चेतावनी दी है कि ग्लोबल वार्मिंग न केवल हमारे ग्रह को नुकसान पहुंचा रही है, बल्कि यह अंतरिक्ष में कक्षाओं को भी अस्थिर कर रही है, जिससे उपग्रहों और अंतरिक्ष यात्रा के लिए गंभीर खतरा पैदा हो रहा है। जैसे-जैसे कोयला, तेल और गैस का जलना जारी है, वैसे-वैसे हमारा वायुमंडल गर्म हो रहा है। विडंबना यह है कि यह गर्मी ऊपरी वायुमंडल में ठंडक पैदा करती है, जहां अंतरिक्ष शुरू होता है। यह शीतलन एक पतले वातावरण के लिए बनाता है, और एक पतला वातावरण का अर्थ है घर्षण में कमी।

संयुक्त राष्ट्र में सिमा बहौस ने भारत की डिजिटल क्रांति की प्रशंसा की

न्यूयॉर्क, 13 मार्च (एजेंसियां)।

संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में महिलाओं की स्थिति पर आहूत 69वें सत्र में हिस्सा लेने पहुंचीं भारत की केंद्रीय महिला एवं बाल विकासमंत्री अन्नपूर्णा देवी ने यूएन वूमन की कार्यकारी निदेशक सिमा बहौस के साथ द्विपक्षीय बैठक में हिस्सा लिया।

सिमा बहौस ने भारत की डिजिटल क्रांति, शून्य हिंसा, समान निर्णय लेने की शक्ति, शांति और सुरक्षा के अलावा किशोरियों और युवाओं को महिला नेतृत्व वाले विकास के केंद्र में रखने की दिशा में भारत के प्रयासों की सराहना की। केंद्रीय महिला एवं बाल विकासमंत्री अन्नपूर्णा देवी ने यह जानकारी फोटो के साथ अपने एक्स हैंडल पर साझा की। इसके अलावा संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में महिलाओं की स्थिति हो रहे 69वें सत्र में अन्नपूर्णा देवी ने कहा कि भारत लैंगिक डिजिटल बंटवारे को पाटने के लिए डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचे का उपयोग करने के अपने अनुभव को दुनिया के साथ साझा करना चाहता है। भारत महिलाओं के नेतृत्व वाले विकास के साथ आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि भारत एक ऐसे देश का निर्माण कर रहा है जहां महिलाएं अवधारणा से लेकर डिजाइन, कार्यान्वयन और निगरानी तक में भाग लेकर सक्रिय आर्किटेक्ट के रूप में नेतृत्व करती हैं। उल्लेखनीय है कि 10 मार्च से शुरू संयुक्त राष्ट्र आयोग का 69वां सत्र 21 मार्च तक चलेगा। अन्नपूर्णा देवी ने कहा कि भारत दुनिया के साथ अपने अनुभव को साझा करने में प्रसन्न है।

बांग्लादेश के मुख्य सलाहकार यूनुस 28 मार्च को बीजिंग में मिलेंगे शी जिनपिंग से

ढाका, 13 मार्च (एजेंसियां)।

नई दिल्ली और ढाका के बीच चल रहे तनाव के बीच बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने चीन की तरफ दोस्ती का हाथ बढ़ाया है। देखना यह है कि चीन उसे कितना महत्व देता है। अंतरिम सरकार के प्रमुख (मुख्य सलाहकार) डॉ. मोहम्मद यूनुस इस महीने के अंत में चीन का दौरा करने वाले हैं। उनके कार्यक्रम में कोई फेरबदल नहीं हुआ तो वह 28 मार्च को बीजिंग में चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग से मुलाकात करेंगे। दोनों के बीच द्विपक्षीय संबंधों के साथ-साथ उभरते भू-राजनीतिक परिदृश्य पर भी चर्चा हो सकती हैं।

मोहम्मद यूनुस के साथ बैठक में शी जिनपिंग वैश्विक विकास पहल (जीडीआई), वैश्विक सुरक्षा पहल (जीएसआई) और वैश्विक सभ्यता पहल (जीसीआई) चर्चा कर सकते हैं। बदली हुई

परिस्थितियों में ढाका यूनुस की इस यात्रा को काफी महत्व दे रहा है। बांग्लादेश विदेश मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि ढाका मुख्य सलाहकार की चीन यात्रा को बहुत महत्वपूर्ण मानता है। इस यात्रा की तैयारियां शुरू हो चुकी हैं। बीजिंग में राष्ट्रपति शी जिनपिंग और मुख्य सलाहकार के बीच बैठक होगी। इसके अतिरिक्त मुख्य सलाहकार बोआओ फोरम फॉर एशिया को संबोधित करेंगे। मुख्य सलाहकार को 25 से 28 मार्च तक चीन के हैनान प्रांत में आयोजित होने वाले बोआओ फोरम फॉर एशिया सम्मेलन में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया गया है। चीन के राष्ट्रपति के साथ बैठक की पुष्टि के बाद उनकी यात्रा को अंतिम रूप से दिया गया है।

इस यात्रा के दौरान दोनों देशों के बीच कई समझौतों पर हस्ताक्षर किए जा सकते हैं। एक अधिकारी ने कहा कि विदेश मामलों के सलाहकार मोहम्मद तौहीद हुसैन ने जनवरी में चीन का दौरा किया था। हुसैन ने दोनों देशों के बीच राजनयिक संबंधों की 50वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में उच्चस्तरीय चर्चा की थी।

बांग्लादेश के अधिकारियों का कहना है कि चीन बांग्लादेश का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है। इसके अलावा चीन के निवेशक बांग्लादेश में रुचि रखते हैं। इस यात्रा के दौरान निवेश संबंधों पर मुख्य ध्यान दिया जा सकता है। उल्लेखनीय है कि कूटनीति कभी स्थिर नहीं होती। जो देश मित्रवत हैं, वह कल हितों या अन्य कारकों के आधार पर अपना रुख बदल सकते हैं। उदाहरण के लिए पांच अगस्त से पहले भारत बांग्लादेश के साथ मिलकर काम करता था, जबकि अमेरिका के साथ उसके संबंध कम मधुर थे।

इग्लैंड के वेल्स में है दुनिया का सबसे गहरा होटल

इग्लैंड। दुनिया का एक अनोखा होटल है 'डीप स्लीप', जिसे दुनिया का सबसे गहरा होटल कहा जाता है। यह होटल इग्लैंड के वेल्स में स्नोडोनिया पहाड़ियों के नीचे 1375 फीट (419 मीटर) की गहराई पर स्थित है। यह खाली पड़े क्रमोर्थिन स्लेट खदान के एक हिस्से में बनाया गया है, जिसे दुनिया के सबसे गहरे होटल के रूप में प्रचारित किया जा रहा है। यहां चार प्राइवेट ट्विन-बेड केबिन और एक डबल बेड के साथ ग्रोटो रूम, डाइनिंग एरिया और शौचालय की सुविधाएं दी गई हैं। यह होटल उन लोगों के लिए है, जो रोमांच और एडवेंचर के शौकीन हैं। यहां ठहरने के लिए न केवल प्रति रात लगभग 62 हजार रुपये खर्च करने होंगे, बल्कि वहां तक पहुंचने के लिए भी एक कठिन और खतरनाक रास्ता तय करना पड़ेगा। मेहमानों को पुरानी खदानों के शाफ्ट से होते हुए एक 'खड़ी और चुनौतीपूर्ण' चढ़ाई करनी पड़ती है। सबसे खास बात यह है कि यह होटल हफ्ते में सिर्फ एक दिन, शनिवार को ही खुलता है। यहां रुकने के लिए गेस्ट को पहले से ऑनलाइन बुकिंग करनी होती है। शनिवार शाम को ब्लेनाउ फेस्टिनियोग शहर से गेस्ट अपनी यात्रा शुरू करते हैं, जहां से प्रशिक्षित गाइड उन्हें होटल तक ले जाते हैं। पहले पहाड़ों के बीच 45 मिनट की चढ़ाई करनी होती है, फिर खदान में प्रवेश करने के बाद करीब एक घंटे तक संकरी और चुनौतीपूर्ण राहों से गुजरना पड़ता है। होटल में पहुंचने के बाद मेहमानों को हॉट कॉफी, टी या सूप और खाने की सुविधा दी जाती है। यहां पूरे साल तापमान 10 डिग्री सेल्सियस रहता है, लेकिन केबिन अच्छी तरह से इंसुलेटेड हैं, जिससे ठंड का असर कम महसूस होता है। होटल में सतह पर लगे 4 जी एंटीना के जरिए एक किलोमीटर लंबी ईथरनेट केबल से बिजली, पानी और इंटरनेट की सुविधा भी दी गई है।

स्पेशल ओलंपिक्स वर्ल्ड विंटर गेम्स के दूसरे दिन भारत ने 5 और पदक जीते, कुल पदकों की संख्या 9 हुई

नई दिल्ली,13 मार्च (एजेंसियां)।

स्पेशल ओलंपिक्स वर्ल्ड विंटर गेम्स 2025 में भारतीय एथलीटों ने अपने शानदार प्रदर्शन को जारी रखते हुए दूसरे दिन भी सफलता का परचम लहराया। बुधवार को दो स्वर्ण, दो रजत और एक कांस्य पदक जीतकर भारत की कुल पदक संख्या अब 9 हो गई है। एफ

स्नोबोर्डिंग, जिसने पहले दिन भारत को चार पदक दिलाए थे, ने दूसरे दिन भी पदक तालिका में इजाफा किया। भारती (डिवीजन एफ25) ने नोविस स्लैलम फाइनल में स्वर्ण पदक जीता, जबकि हर्षिता ठाकुर (डिवीजन एफ26) ने इसी स्पर्धा में कांस्य पदक हासिल किया। यह भारती का टूर्नामेंट में दूसरा स्वर्ण पदक है जबकि हर्षिता ने पहले दिन रजत पदक जीता था।

भारतीय दल ने अल्पाइन स्कीइंग में भी शानदार प्रदर्शन किया, जहां एक स्वर्ण और दो रजत पदक भारत की झोली में आए। नर्मला देवी (डिवीजन एफ06) ने इंटरमीडिएट जायंट स्लैलम फाइनल में स्वर्ण पदक जीता, वहीं राधा देवी (डिवीजन एफ01) ने इसी स्पर्धा में रजत पदक हासिल किया। इसके अलावा, अभिषेक कुमार (डिवीजन 02) ने नोविस जायंट स्लैलम फाइनल में रजत पदक जीतकर भारत की पदक संख्या को और बढ़ाया।

भारतीय स्नोबोर्डिंग टीम के मुख्य कोच अनूप कुमार शर्मा ने खिलाड़ियों की सराहना करते हुए कहा, हम अपने एथलीटों के प्रदर्शन पर बेहद गर्व महसूस कर रहे हैं। हमने पहले ही 9 पदक जीत लिए हैं, जिनमें से 6 स्नोबोर्डिंग में आए हैं। हमारे खिलाड़ी कड़ी मेहनत कर रहे हैं और इस पदक संख्या को ऐतिहासिक ऊंचाइयों तक ले जाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं। ट्यूरिन, इटली में आयोजित हो रहे स्पेशल ओलंपिक्स वर्ल्ड विंटर गेम्स 2025 में 102 देशों के 1,500 से अधिक एथलीट भाग ले रहे हैं। इस टूर्नामेंट में कुल 8 खेलों का आयोजन हो रहा है, जिसमें भारतीय दल 6 खेलों—स्नोबोर्डिंग, स्नोशूइंग, अल्पाइन स्कीइंग, स्पीड स्केटिंग, फ्लोरबॉल और क्रॉस कंट्री स्कीइंग में अपनी चुनौती पेश कर रहा है।

न्यूज ब्रीफ

बीसीसीआई ने सैयद आबिद अली के निधन पर शोक जताया

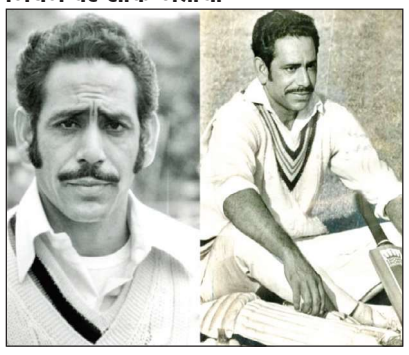

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने पूर्व भारतीय ऑलराउंडर सैयद आबिद अली के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है। सैयद आबिद अली का 12 मार्च 2025 को निधन हो गया था। 1960 और 70 के दशक में भारतीय क्रिकेट में महत्वपूर्ण योगदान देने वाले आबिद अली अपनी बहुमुखी प्रतिभा के लिए प्रसिद्ध थे। उन्होंने भारत के लिए 29 टेस्ट और 5 वनडे मैच खेले। खासकर 1971 में इंग्लैंड और वेस्टइंडीज के खिलाफ भारत की ऐतिहासिक टेस्ट सीरीज जीत में उनका योगदान बेहद अहम रहा। उनकी शानदार फील्डिंग, गेंदबाजी और बल्लेबाजी ने टीम को कई मौकों पर मजबूती प्रदान की। उनका जुझारू स्वभाव और क्रिकेट के प्रति समर्पण उन्हें भारतीय क्रिकेट जगत में एक सम्मानित व्यक्तित्व बनाता है। बीसीसीआई अध्यक्ष रोजर बिन्नी ने कहा, श्री सैयद आबिद अली एक सच्चे ऑलराउंडर थे, जिन्होंने खेल की भावना को पूरी तरह आत्मसात किया। 1970 के दशक में भारत की ऐतिहासिक जीत में उनकी भूमिका को हमेशा याद किया जाएगा। उनका समर्पण और बहुआयामी खेल उन्हें विशेष बनाता था। इस कठिन समय में मेरी संवेदनाएं उनके परिवार और दोस्तों के साथ हैं। बीसीसीआई के मानद सचिव देवजीत सैकिया ने कहा, श्री सैयद आबिद अली की ऑलराउंड प्रतिभा और भारतीय क्रिकेट में उनके योगदान को हमेशा सराहा जाएगा। वह खेल के सच्चे सज्जन थे। हमारी प्रार्थनाएं और संवेदनाएं उनके परिवार और प्रियजनों के साथ हैं।

विश्व इनडोर चैंपियनशिपः हलीमा नकायी युगांडा का प्रतिनिधित्व करने वाली एकमात्र एथलीट

कंपाला। महिला एथलीट हलीमा नकायी आगामी 21 से 23 मार्च तक चीन के नानजिंग में होने वाली वर्ल्ड इंडोर एथलेटिक्स चैंपियनशिप में यूगांडा का एकमात्र प्रतिनिधित्व करेंगी। यूगांडा एथलेटिक्स फेडरेशन (यूएएफ) के अध्यक्ष डोमिनिक ओटुचेट ने बुधवार को शिन्हुआ को पुष्टि करते हुए बताया कि केवल नकायी ही 800 मीटर दौड़ के लिए क्वालीफाई कर सकी हैं। ओटुचेट ने बताया, हम उम्मीद कर रहे थे कि चीन में होने वाली इस चैंपियनशिप के लिए हमारे कई एथलीट क्वालीफाई करेंगे, लेकिन ठंडे मौसम की वजह से यूरोप में हुई विभिन्न प्रतियोगिताओं में कुछ एथलीट अच्छा प्रदर्शन नहीं कर सके। 30 वर्षीय हलीमा नकायी कंप्यूटर साइंस एंड टेक्नोलॉजी में स्नातक हैं और वह 800 मीटर महिला वर्ग में यूगांडा की राष्ट्रीय रिकॉर्ड धारक भी हैं। उन्होंने 2019 में कतर के दोहा में आयोजित वर्ल्ड चैंपियनशिप में इसी स्पर्धा में स्वर्ण पदक भी जीता था।

एटलेटिको मैड्रिड के फॉरवर्ड एंजेल कोरेआ पर लगा पांच मैचों का प्रतिबंध

मैड्रिड। एटलेटिको मैड्रिड के फॉरवर्ड एंजेल कोरेआ पर स्पेनिश फुटबॉल फेडरेशन की अनुशासनात्मक समिति ने पांच मैचों का प्रतिबंध लगा दिया है। यह निर्णय पिछले सप्ताहांत गेटाफे के खिलाफ 2-1 की हार के दौरान मिले उनके रेड कार्ड के बाद लिया गया है। अर्जेंटीनी खिलाड़ी को मैच के 87वें मिनट में गेटाफे के डिफेंडर डीजेने के खिलाफ एक खतरनाक टैकल करने के लिए वीएआर समीक्षा के बाद बाहर भेज दिया गया था, जब उनकी टीम 1-0 से आगे थी। रेड कार्ड मिलने के बाद, कोरेआ ने रेफरी कुआद्रा फर्नांडीज के खिलाफ गंभीर अपशब्द कहे, जिसके कारण उनका निलंबन एक मैच से बढ़ाकर पांच मैचों तक कर दिया गया। इस निलंबन के कारण कोरेआ अब ला लीगा में अगले सप्ताहांत एफसी बार्सिलोना के खिलाफ घरेलू मैच के अलावा एस्पेनयोल, सेविला और वायादोलिद के खिलाफ होने वाले मुकाबलों से बाहर रहेंगे। इसके अलावा, क्योंकि उनका निलंबन चार मैचों से अधिक का है, उन्हें कोपा डेल रे के सेमीफाइनल के दूसरे चरण में भी एक मैच का निलंबन झेलना होगा। यह मुकाबला 2 अप्रैल को बार्सिलोना के खिलाफ एटलेटिको के घरेलू मैदान पर खेला जाएगा।

भारत ने वर्ल्ड पैरा एथलेटिक्स ग्रां प्री 2025 में पदक तालिका में मचाया धमाल

नई दिल्ली,13 मार्च (एजेंसियां)।

वर्ल्ड पैरा एथलेटिक्स ग्रां प्री 2025 में भारत ने अपना दबदबा कायम रखते हुए बुधवार को दूसरे दिन के अंत तक 95 पदकों के साथ पदक तालिका में शीर्ष स्थान पर कब्जा जमा लिया है। भारत ने अब तक 33 स्वर्ण, 29 रजत और 33 कांस्य पदक जीते हैं। इसके बाद न्यूट्रल पैरा एथलीट्स दल दूसरे स्थान पर है, जिनके नाम 26 पदक (13 स्वर्ण, 9 रजत, 4 कांस्य) हैं, जबकि उज्बेकिस्तान 4 स्वर्ण, 4 रजत और 4 कांस्य पदकों के साथ तीसरे स्थान पर काबिज है।

प्रतियोगिता के अंतिम दिन भारत के कई प्रमुख एथलीट पदक की उम्मीदों के साथ मैदान में उतरेंगे। इनमें स्प्रिंटर प्रीति पाल का नाम शामिल है, जिन्होंने पहले ही एक रजत पदक जीत लिया है और अब 200 मीटर टी38 स्पर्धा में हिस्सा लेंगी।

गोला फेंक एफ41 स्पर्धा में रवि रंगोली अपना दमखम दिखाएंगे। वह राष्ट्रीय चैंपियनशिप में लगातार शीर्ष पर रहे हैं और यहां भी पदक जीतने के प्रबल दावेदार हैं।

अनुभवी पैरा एथलीट और अर्जुन अवार्डी अंकुर धामा 5000 मीटर टी12 दौड़ में हिस्सा लेंगे। उन्होंने कई पैरालंपिक्स में भारत का प्रतिनिधित्व किया है और लंबी दूरी की दौड़ में उनकी मजबूत पकड़ जानी जाती है।

एशियन पैरा गेम्स पदक विजेता कशिश लाकड़ा डिस्कस थ्रो एफ53 स्पर्धा में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगी। वह व्हीलचेयर थ्रो स्पर्धाओं में भारत की उभरती हुई स्टार हैं। एशियन यूथ पैरा गेम्स के पदक विजेता प्रणब प्रशांत देसाई 200 मीटर टी64 स्पर्धा में दौड़ते नजर आएंगे। उनकी तेज रफ्तार और बेहतरीन तकनीक उन्हें ट्रैक इवेंट्स में खतरनाक दावेदार बनाती है। गोला फेंक एफ11 स्पर्धा में बालाजी राजेंद्रन भी हिस्सा लेंगे। अपनी जबरदस्त ताकत और शानदार तकनीक के चलते वह राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में लगातार पदक जीतते आ रहे हैं। राष्ट्रीय स्तर पर कांस्य पदक विजेता और तेज गति के लिए मशहूर अभिषेक बी जाधव 200 मीटर टी35 स्पर्धा में दौड़ लगाएंगे। उनसे भारतीय दल के लिए एक और मजबूत प्रदर्शन की उम्मीद है। इस ग्रां प्री में वैश्विक आकर्षण का केंद्र बनेंगी दिग्गज पैरा एथलीट वेनेसा लो, जो महिला लंबी कूद टी38, टी44, टी61 और टी64 स्पर्धाओं में भाग लेंगी। दो बार की पैरालंपिक पदक विजेता और विश्व रिकॉर्ड धारक वेनेसा लो की मौजूदगी इस प्रतियोगिता को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर और अधिक प्रतिष्ठित बनाएगी।

भारतीय खिलाड़ियों की मजबूत दावेदारी और वेनेसा लो जैसी दिग्गज एथलीट की उपस्थिति के चलते ग्रां प्री का अंतिम दिन खेल उत्कृष्टता, जज्बे और नए रिकॉर्ड की शानदार मिसाल पेश करने के लिए पूरी तरह तैयार है।

रिवर प्लेट ने कोलंबियाई मिडफील्डर केविन कास्टानो के साथ किया करार

ब्यूनस आयर्स,13 मार्च (एजेंसियां)।

अर्जेंटीना की शीर्ष फुटबॉल क्लब रिवर प्लेट ने कोलंबिया के अंतरराष्ट्रीय मिडफील्डर केविन कास्टानो के साथ करार किया है। वह रूस के क्लब क्रास्नोडार से रिवर प्लेट में शामिल होंगे।

बुधवार को कास्टानो मेडिकल टेस्ट के लिए ब्यूनस आयर्स पहुंचे और जल्द ही दिसंबर 2028 तक का अनुबंध करने की उम्मीद है। स्थानीय मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, यह ट्रांसफर 14 मिलियन अमेरिकी डॉलर में हुआ है। रिवर प्लेट ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर कहा, केविन, तुम शीर्ष पर पहुंच चुके हो। तुम्हारा नए घर में स्वागत है!

16 बार कोलंबिया की राष्ट्रीय टीम का प्रतिनिधित्व कर चुके कास्टानो ने जनवरी 2024 में मेक्सिको के क्रूज़ अज़ुल से क्रास्नोडार में शामिल होने के बाद क्लब के लिए 32 मैच खेले।

कास्टानो रिवर प्लेट में शामिल होने वाले दूसरे कोलंबियाई खिलाड़ी हैं। टीम में पहले से ही मिगुएल बोरहा बतौर स्ट्राइकर खेल रहे हैं।

पीसीबी ने खिलाड़ियों की मैच फीस में भारी कटौती की

लाहौर। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी खत्म होते ही खिलाड़ियों की मैच फीस में भारी कटौती की है। पीसीबी ने मैच फीस घटाकर आधी से भी कम कर दी है। इससे अब 14 मार्च से शुरु हो रहे नेशनल टी20 कप में हिस्सा लेने वाले खिलाड़ियों को पहले की तुलना में 75 फीसदी कम फीस मिलेगी। एक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार इस कटौती के बाद खिलाड़ियों को अब मात्र 10,000 पाकिस्तानी रुपये ही मिलेंगे। पीसीबी के इस प्रकार फीस कम करने से साफ है कि चैंपियंस ट्रॉफी की मेजबान से हुए नुकसान हुआ है और उसकी आर्थिक तंगी बढ़ गयी है। वहीं गत वर्ष नेशनल टी20 कप में मैच फीस के रूप में खिलाड़ियों को 40 हजार पाकिस्तानी रुपये मिले थे जबकि रिजर्व खिलाड़ी को केवल पांच हजार पाकिस्तानी रुपये मिलेंगे। इससे पहले साल 2022 में भी खिलाड़ियों की मैच फीस में भारी कटौती हुई थी तब खिलाड़ियों को 60,000 पाकिस्तानी रुपये मैच फीस मिल रही थी। पीसीबी का ताजा फैसला हैरान करने वाला है क्योंकि पीसीबी अध्यक्ष मोहसिन नकवी ने कहा था कि पीसीबी के पास जो भी पैसे हैं वो देश में खेल की बेहतरी के लिए खर्च होंगे। अपनी मेजबानी में हुए चैंपियंस ट्रॉफी में पाकिस्तान की टीम का प्रदर्शन बेहद खराब रहा और वह नॉकआउट में भी नहीं पहुंच पायी।पिछले साल पीसीबी के अध्यक्ष के रूप में अपनी नियुक्ति के कुछ दिनों बाद नकवी ने कहा था, हम आपके लिए बेस्ट उपलब्ध कराने का प्रयास करेंगे। मैंने पीसीबी से कहा है कि हमारा काम जमा करके रखना नहीं है, बल्कि उसे जमीनी स्तर से लेकर नेशनल टीम तक के लिए उपयोग में लाना है पर ताजा फैसले से वह गत साबित हुए हैं।

बीएनपी परिबास ओपन टेनिस में कार्लोस अल्कारेज

इंडियन वेल्स में बीएनपी परिबास ओपन टेनिस में कार्लोस अल्कारेज ग्रिगोर डिमित्रोव को हराने के बाद उत्साहित दिखे।

झारखंड ने 15वीं हॉकी इंडिया सीनियर महिला राष्ट्रीय चैंपियनशिप 2025 का खिताब जीता

पंचकूला,13 मार्च (एजेंसियां)।

15वीं हॉकी इंडिया सीनियर महिला राष्ट्रीय चैंपियनशिप 2025 के फाइनल में हॉकी झारखंड ने रोमांचक मुकाबले में गत विजेता हॉकी हरियाणा को 4-3 से हराकर खिताब अपने नाम किया। निर्धारित समय तक मैच 1-1 की बराबरी पर रहा, जिसके बाद पेनल्टी शूटआउट में झारखंड ने जीत दर्ज की। हॉकी झारखंड के लिए प्रमोदनी लकड़ा (44) ने गोल किया, जबकि हॉकी हरियाणा की कप्तान रानी (42) ने अपनी टीम के लिए गोल किया।

मैच की शुरुआत से ही दोनों टीमों के बीच कड़ा मुकाबला देखने को मिला। हॉकी हरियाणा ने शुरुआती मिनटों में गेंद पर नियंत्रण बनाए रखा, लेकिन हॉकी झारखंड ने भी कई अच्छे मौके बनाए। पहले क्वार्टर में झारखंड को एक पेनल्टी कॉर्नर मिला, लेकिन वे इसे गोल में तब्दील नहीं कर सके। दूसरे क्वार्टर में दोनों टीमों को एक-एक पेनल्टी कॉर्नर मिला, लेकिन हाफ टाइम तक कोई भी टीम स्कोर करने में सफल नहीं रही।

तीसरे क्वार्टर में मैच में रोमांच बढ़ा और दोनों टीमों ने गोल किए। 42वें मिनट में हॉकी हरियाणा को पेनल्टी कॉर्नर मिला, जिसे कप्तान रानी ने शानदार शॉट के जरिए गोल में बदल दिया। हालांकि, महज दो मिनट बाद हॉकी झारखंड ने जवाबी हमला किया और प्रमोदनी लकड़ा ने रक्षापंक्ति की गलती का फायदा उठाकर शानदार फील्ड गोल दाग दिया।

अंतिम क्वार्टर में दोनों टीमों ने विजयी गोल के लिए आक्रामक खेल दिखाया। 51वें मिनट में हरियाणा की रानी को डी के अंदर बेहतरीन मौका मिला, लेकिन उनका शॉट गोलपोस्ट के ऊपर से निकल गया। निर्धारित समय में कोई भी टीम विजयी गोल नहीं कर सकी, जिससे मुकाबला पेनल्टी शूटआउट में पहुंचा। पेनल्टी शूटआउट में हॉकी झारखंड ने 4-3 से जीत दर्ज की। झारखंड की ओर से रजनी केरकेट्टा, निराली कुजूर, बिनिमा धन और कप्तान अलेबला रानी टोप्पो ने अपने प्रयासों को गोल में बदला। हरियाणा के लिए पिंकी, अन्नू और मनीषा ने शूटआउट में गोल किए, लेकिन झारखंड की गोलकीपर अंजलि भिंजिया ने दो अहम बचाव किए और अपनी टीम को चैंपियन बना दिया।

द हंड्रेड ड्राफ्टः नूर अहमद और माइकल ब्रेसवेल को मिला बड़ा करार

लंदन,13 मार्च (एजेंसियां)।

अफगानिस्तान के बाएं हाथ के कलाई स्पिनर नूर अहमद और न्यूजीलैंड के टी20 कप्तान माइकल ब्रेसवेल को द हंड्रेड ड्राफ्ट में 2,00,000 पाउंड के बड़े करार मिले। अहमद को मैनचेस्टर ओरिजिनल्स ने चुना, जबकि ब्रेसवेल को सदर्न ब्रेव ने अपने दल में शामिल किया, जो पिछले सीजन के उपविजेता थे।

प्रमुख खिलाड़ियों की नीलामी

जॉर्जिया वोल, जैमी ओवरटन और डेविड वॉर्नर भी प्रमुख हस्ताक्षर में शामिल रहे। वोल, जिन्होंने महिला प्रीमियर लीग में नाबाद 99 रन बनाए थे, को बर्मिंघम फीनिक्स ने चुना। लंदन स्पिरिट ने जैमी ओवरटन को 2,00,000 पाउंड के सौदे में खरीदा, जबकि अनुभवी ऑस्ट्रेलियाई ओपनर डेविड वॉर्नर को 1,20,000 पाउंड में शामिल किया। वॉर्नर पहली बार द हंड्रेड में खेलते नजर आएंगे।

अन्य प्रमुख सौदे - इंग्लैंड के ऑलराउंडर डेविड विली (2,00,000 पाउंड - ट्रेंट रॉकेट्स)

न्यूजीलैंड के रचिन रविंद्र (1,20,000 पाउंड - मैनचेस्टर ओरिजिनल्स) - महिला टूर्नामेंट में पैस स्कॉलफील्ड को ओवल इन्विन्सिबल्स ने 65,000 पाउंड में रिटेन किया। हालांकि, इंग्लैंड के दिग्गज तेज गेंदबाज जेम्स एंडरसन अनसोल्ड रह गए, बावजूद इसके कि उन्होंने खुद को टूर्नामेंट के लिए उपलब्ध किया था।

टूर्नामेंट और आगामी ड्राफ्ट - इस बार पुरुष और महिला वर्ग में कुल 66 खिलाड़ी ड्राफ्ट किए गए, जिससे ज्यादातर टीमें लगभग पूरी हो गई हैं। हालांकि, वाइल्डकार्ड ड्राफ्ट के जरिए टीमें अपने स्क्वॉड को और मजबूत करने का मौका पाएंगी। द हंड्रेड की शुरुआत 5 अगस्त से होगी, जिसमें पहला मुकाबला लंदन स्पिरिट और ओवल इन्विन्सिबल्स के बीच लॉर्ड्स में खेला जाएगा।

कोच द्रविड़ पैर में प्लास्टर के बाद भी राजस्थान रॉयल्स की तैयारियों को देखने पहुंचे

जयपुर। राजस्थान रॉयल्स के मुख्य कोच राहुल द्रविड़ चोटिल होने के बाद भी 22 मार्च से शुरु हो रहे आईपीएल को देखते हुए टीम के अभ्यास शिविर में पहुंचे। द्रविड को एक सप्ताह पहले ही बेंगलुरु में एक क्लब मैच के दौरान बाएं पैर में चोट लग गई थी। रॉयल्स ने एक तस्वीर भी सोशल मीडिया पर साझा की है। इसमें द्रविड़ अपने बाएं पैर में प्लास्टर पहने हुए दिखाई दे रहे हैं। इसमें उसने लिखा, मुख्य कोच द्रविड़, जिन्हें बेंगलुरु में क्रिकेट खेलते समय चोट लगी थी, अब ठीक हो रहे हैं और जयपुर में हमारे साथ जुड़ें। द्रविड साल 2011 से 2015 तक फ्रेंचाइजी के साथ पांच सत्र तक रहे हैं। उन्होंने 2014 में रॉयल्स के साथ अपने कोचिंग करियर की शुरुआत की थी। उस समय वह टीम के मेंटर थे। द्रविड़ ने 22 फरवरी को नासूर मेमोरियल शील्ड में लीग मैच में अपने छोटे बेटे अन्वय के साथ खेलना था।

महंगा हुआ सोना, चांदी एक बार फिर 1 लाख के पार

नई दिल्ली, 13 मार्च (एजेंसियां) ।

होलिका दहन के दिन घरेलू सर्राफा बाजार में तेजी का रुख बना हुआ है। सोना 470 रुपये से लेकर 510 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हुआ है। इसी तरह चांदी का भाव भी 2,200 रुपये किलोग्राम तक मजबूत हुआ है। भाव में आए उछाल के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 87,990 रुपये से लेकर 88,140 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है।

इसी तरह 22 कैरेट सोना 80,660 रुपये से लेकर 80,810 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। कीमत में तेजी आने के कारण दिल्ली सर्राफा बाजार में चांदी भी एक लाख का स्तर पार करके 1,00,100 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर कारोबार कर रही है।

देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना 88,140 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 80,810 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 87,990 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 80,660 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 88,040 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 80,710 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना 87,990 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 80,660 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 87,990 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 80,660 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 88,140 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 80,810 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। वहीं पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 88,040 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 80,710 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

इसी तरह जयपुर में 24 कैरेट सोना 88,140 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 80,810 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी सोना महंगा हुआ है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना 87,990 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 80,660 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

न्यूज ब्रीफ

इंडसइंड बैंक में हुई गड़बड़ी का शेयरधारकों की बैंक में रकम पर नहीं होगा असर

नई दिल्ली। इंडसइंड बैंक में आर्थिक गड़बड़ी की खबर आने के बाद बैंक के शेयरधारकों को करोड़ों रुपए का नुकसान हुआ है, साथ ही बैंक के जमाकर्ता भी अब टेंशन में है। अब परेशानी इस बात की है कि बैंक में हुई इस धांधली का उनकी जमा रकम पर कोई असर तो नहीं होगा, कहीं ऐसा तो नहीं कि बैंक की वित्तीय स्थिति आगे जाकर और खराब हो जाए। हालांकि, इंडसइंड बैंक में हुई यह गड़बड़ी डेरेवेटिव पोर्टफोलियो में विसंगति को लेकर है, इसका बैंक के जमाकर्ताओं से कोई लेना-देना नहीं है। फिर भी इस सनसनीखेज खुलासे के बाद बैंक की विश्वसनीयता और साख पर सवाल खड़े हो रहे हैं। माना जा रहा है कि अगर किसी स्थिति में कोई बैंक दिवालिया होता है या डूब जाता है तो जमाकर्ताओं के पैसों का क्या होगा, क्रेडिट गारंटी के तौर पर उन्हें कितना पैसा मिलता है। बैंक खाते या एफडी में रखा पैसा सरकार की गारंटी से पूरी तरह सुरक्षित है, भले ही बैंक डूब ही क्यों न जाएं। यह संभव होता है 'क्रेडिट गारंटी स्कीम', इसके तहत बैंक में जमा पर मिलने वाली रकम का बीमा रहता है। बैंक जमा रकम पर 'बीमा डिपॉजिट इंश्योरेंस एंड क्रेडिट गारंटी कॉरपोरेशन' द्वारा सुरक्षा प्रदान की जाती है। यह आरबीआई की स्वामित्व वाली सहायक कंपनी है, जो वाणिज्यिक बैंकों, क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों, स्थानीय क्षेत्र बैंकों और सहकारी बैंकों में जमा रकम का बीमा प्रबंधन करती है। डिपॉजिट इंश्योरेंस एक सुरक्षा कवच है जो बैंक जमाकर्ताओं को बैंक का ऋण चुकाने में असमर्थता से बचाता है। क्रेडिट गारंटी योजना के तहत फिलहाल जमाकर्ता को पांच लाख रुपए तक की राशि के लिए इंश्योरेंस कवर मिलता है। हालांकि, सरकार ने एक प्रस्ताव में इस रकम को बढ़ाने की बात कही है।

भारतीय अर्थव्यवस्था पर मूडीज का नजरिया सकारात्मक

नई दिल्ली। ग्लोबल रेटिंग एजेंसी मूडीज ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था पर उनका नजरिया सकारात्मक है। साथ ही उन्होंने पाकिस्तान के बैंकिंग सेक्टर पर भी सकारात्मक दृष्टिकोण दिखाया है। मूडीज रेटिंग्स ने इस बदलाव को पाकिस्तान सरकार के बेहतर दृष्टिकोण के समर्थन में बताया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि पाकिस्तान के बैंकिंग सेक्टर की ऑपरेशनल कंडीशन और फाइनेंशियल परफॉर्मेंस बेहतर हो चुकी है, जिससे उनका नजरिया स्थिर से पॉजिटिव में बदल गया है। इससे पाकिस्तान के बैंकिंग सेक्टर में सकारात्मक माहौल बना है। मूडीज ने आखिरी बार 3 मार्च, 2023 को पाकिस्तान के बैंकिंग क्षेत्र की रेटिंग कम की थी, लेकिन अब उन्होंने इसे स्थायीता के दृष्टिकोण से पॉजिटिव में बदल दिया है। रिपोर्ट में उन्होंने बताया कि पाकिस्तान की बैंकिंग सिस्टम की स्थिति स्टैबल है और सरकारी सिक्योरिटीज की होल्डिंग से जुड़ी जोखिम भी कम हो चुकी है।

देश के कई राज्यों में पेट्रोल-डीजल हुआ सस्ता, कहीं महंगा

नई दिल्ली। होली से पहले गुरुवार को देशभर में पेट्रोल और डीजल की खुदरा कीमतों में बदलाव हुआ है।

सरकारी तेल कंपनियों ने कहीं कीमतों में कटौती की है तो कहीं तेल के दाम बढ़ा दिए हैं। वैश्विक बाजार में उछाल के बावजूद तेल कंपनियों ने ज्यादातर शहरों में दाम घटाए हैं। हालांकि, दिल्ली-मुंबई जैसे देश के चारों महानगरों में गुरुवार को भी तेल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। सरकारी तेल कंपनियों के अनुसार, यूपी के गौतम बुद्ध नगर जिले में पेट्रोल 26 पैसे महंगा होकर 94.98 रुपये लीटर बिक रहा है। डीजल भी 30 पैसे चढ़ा और 88.13 रुपये लीटर पहुंच गया है। गाजियाबाद में पेट्रोल 26 पैसे गिरकर 94.39 रुपये और डीजल 30 पैसे टूटकर 87.45 रुपये लीटर हो गया है। बिहार की राजधानी पटना में पेट्रोल 22 पैसे बढ़त के साथ 105.58 रुपये लीटर हो गया तो डीजल 20 पैसे महंगा होकर 92.94 रुपये लीटर बिक रहा है। कच्चे तेल की बात करें तो बीते 24 घंटे में इसकी कीमतों में भी उछाल दिख रहा है। ब्रेंट क्रूड का भाव करीब डेढ़ डॉलर बढ़कर 72.75 डॉलर प्रति बैरल पहुंच गया है। डब्ल्यूटीआई भी बड़ी उछाल के साथ 68.81 डॉलर प्रति बैरल हो गया है। वहीं दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपये और डीजल 87.62 रुपये प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 103.44 रुपये और डीजल 89.97 रुपये प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 100.76 रुपये और डीजल 92.35 रुपये प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 104.95 रुपये और डीजल 91.76 रुपये प्रति लीटर है ।

ग्लोबल मार्केट से मिले-जुले संकेत एशियाई बाजारों पर दबाव

नई दिल्ली, 13 मार्च (एजेंसियां) ।

ग्लोबल मार्केट से मिले-जुले संकेत मिल रहे हैं। डोनाल्ड ट्रंप की टैरिफ पॉलिसी की वजह से अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान लगातार उतार-चढ़ाव होता रहा। इस उतार-चढ़ाव के बाद वॉल स्ट्रीट के सूचकांक मिले-जुले परिणाम के साथ बंद हुए। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स फिलहाल गिरावट के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार में पिछले सत्र के दौरान लगातार खरीदारी होती रही। वहीं एशियाई बाजारों में आमतौर पर दबाव बना हुआ नजर आ रहा है।

टैरिफ नीति को लेकर बनी अनिश्चितता और ग्लोबल ग्रोथ में गिरावट आने की आशंका के कारण अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान लगातार उतार-चढ़ाव का सामना करने के बाद मिले-जुले परिणाम के साथ बंद हुए। डाउ जॉन्स इंडस्ट्रियल एवरेज 82.55 अंक यानी 0.20 प्रतिशत की गिरावट के साथ 41,350.93 अंक के स्तर पर बंद हुआ। दूसरी ओर, एसएंडपी 500 इंडेक्स ने 0.49 प्रतिशत की तेजी के साथ 5,599.30 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसी तरह नैस्डेक भी 212.35 अंक यानी 1.22 प्रतिशत उछल कर 17,648.45 अंक के स्तर पर बंद हुआ। हालांकि डाउ जॉन्स फ्यूचर्स फिलहाल 0.12 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 41,299.93 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है।

यूरोपीय बाजार में पिछले सत्र के दौरान लगातार तेजी का माहौल बना रहा। एफटीएसई इंडेक्स 0.53 प्रतिशत की मजबूती के साथ 8,540.97 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह सीएसी इंडेक्स ने 0.59 प्रतिशत की तेजी के साथ 7,988.96 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा डीएएक्स इंडेक्स 347.64 अंक यानी 1.53 प्रतिशत की बढ़त के साथ 22,676.41 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

एशियाई बाजारों में आमतौर पर बिकवाली का दबाव बना हुआ है। एशिया के 9 बाजारों में से 8 के सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि सिर्फ 1 सूचकांक बढ़त के साथ हरे निशान में नजर आ रहा है। एशियाई बाजार में इकलौता निक्केई इंडेक्स 192.95 अंक यानी 0.52 प्रतिशत की तेजी के साथ 37,012.04 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

दूसरी ओर, गिफ्ट निफ्टी 0.15 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 22,516 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 0.06 प्रतिशत फिसल कर 3,830.82 अंक के स्तर पर पहुंच गया है। हैंग सेंग इंडेक्स फिलहाल 153.54 अंक यानी 0.65 प्रतिशत की गिरावट के साथ 23,446.77 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह ताइवान वेटेड इंडेक्स 124.35 अंक यानी 0.56 प्रतिशत लुढ़क कर 22,154.01 अंक के स्तर तक गिर गया है। इसके अलावा कोस्पी इंडेक्स 0.18 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 2,570.08 अंक के स्तर पर, सेट कंपोजिट इंडेक्स 0.01 प्रतिशत की सांकेतिक फिसलन के साथ 1,159.93 अंक के स्तर पर, जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स 0.02 प्रतिशत की मामूली गिरावट के साथ 6,663.68 अंक के स्तर पर और शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 0.44 प्रतिशत टूट कर 3,357.02 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं।

टेमासेक ने हल्दीराम की 10 फीसदी हिस्सेदारी खरीदी, हल्दीराम की कुल कीमत लगभग 10 अरब डॉलर आंकी गई

नई दिल्ली। हल्दीराम, भारत की प्रमुख नमकीन और मिठाई ब्रांड, में हिस्सेदारी खरीदने के लिए बाजी मारने वाली कई कंपनियों में से एक कंपनी हुआ है- सिंगापुर की सरकारी निवेश कंपनी टेमासेक। एक रिपोर्ट के मुताबिक, टेमासेक ने हल्दीराम के स्नैक्स बिजनस में लगभग 10 फीसदी की हिस्सेदारी के लिए 1 अरब डॉलर में खरीद ली है। इस सौदे से हल्दीराम की कुल कीमत लगभग 10 अरब डॉलर आंकी गई है। यह समझौता कई महीनों की बातचीत के बाद हुआ है, जिसमें अन्य कंपनियों की भी दिखी थी दिलचस्पी। बल्कि, कुछ महीने पहले तक कुछ निजी इक्विटी फर्में भी उससे अधिक हिस्सेदारी के लिए वातावरण बनाने में लगे रहे थे। हल्दीराम की प्रमुखता और जानपहचान ने इस बाजार में एक चौंकाने वाली गति दे दी है। टेमासेक के इस फैसले से हल्दीराम की वैल्यूएशन में वृद्धि की उम्मीद है, जबकि अन्य अनिच्छुक कंपनियां भी इस समाचार के बारे में चर्चा कर रही हैं।

होली पर बंद रहेगा शेयर बाजार

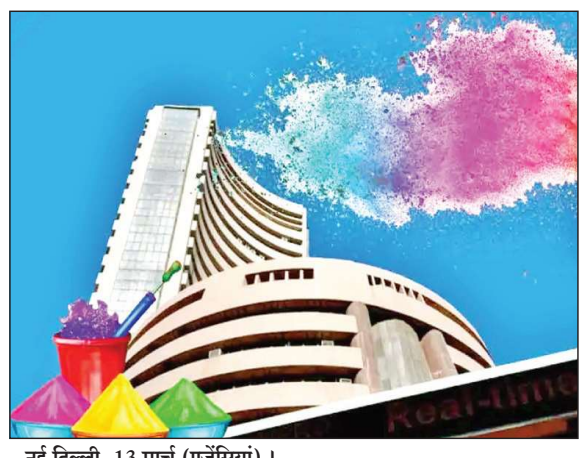

नई दिल्ली, 13 मार्च (एजेंसियां) ।

भारतीय शेयर बाजार के प्रमुख बेंचमार्क इंडेक्स निफ्टी 50 और सेंसेक्स शुक्रवार 14 मार्च को होली के अवसर पर बंद रहेंगे। बीएसई और एनएसई में कोई कारोबार नहीं होगा। इसके अलावा, इक्विटी डेरिवेटिव्स, सिक्योरिटीज लेंडिंग एंड बॉरोइंग, मुद्रा डेरिवेटिव्स और इलेक्ट्रॉनिक गोल्ड रिसीट्स सेगमेंट में भी ट्रेडिंग नहीं होगी। बाजार 17 मार्च सोमवार से फिर से सामान्य समय पर खुलेगा। एनएसई की तरफ जारी 2025 हॉलिडे कैलेंडर के अनुसार इस पूरे साल में कुल 14 छुट्टियों के लिए शेयर बाजार बंद रहेंगे। होली के अवसर पर 14 मार्च को शेयर बाजार बंद होने के अलावा मार्च में 31 मार्च (सोमवार) को ईद-उल-फित्र के अवसर पर भी बीएसई और एनएसई में कोई ट्रेडिंग नहीं होगी।

अप्रैल में छुट्टियों में 10 अप्रैल (गुरुवार) को श्री महावीर जयंती, 14 अप्रैल (सोमवार) को डॉ बाबा साहेब अंबेडकर जयंती और 18 अप्रैल (शुक्रवार) को गुड फ्राइडे शामिल होंगे।

इसके अलावा 1 मई (गुरुवार) को महाराष्ट्र दिवस के अवसर पर भी घरेलू शेयर बाजार बंद रहेंगे। अगस्त में स्वतंत्रता दिवस (15 अगस्त, शुक्रवार) और गणेश चतुर्थी (27 अगस्त, बुधवार) के दिन शेयर बाजार में कामकाज नहीं होगा और यह बंद रहेंगे। वहीं अक्टूबर में कई छुट्टियां होंगी।

इनमें 2 अक्टूबर (गुरुवार) को महात्मा गांधी जयंती/दशहरा, 21 अक्टूबर (मंगलवार) को दिवाली लक्ष्मी पूजन और 22 अक्टूबर (बुधवार) को दिवाली-बालिप्रतिपदा शामिल हैं। 5 नवंबर (बुधवार) को श्री गुरु नानक देव का प्रकाश गुरुपर्व मनाया जाएगा और 25 दिसंबर (गुरुवार) को क्रिसमस के साथ वर्ष का समापन होगा। भारतीय शेयर बाजार के कारोबार का समय सोमवार से शुक्रवार सुबह 9:15 बजे से दोपहर 3:30 बजे तक है।

नियमित कारोबारी दिनों में प्री-ओपन सेशन सुबह 9:00 बजे से सुबह 9:15 बजे तक चलता है। शनिवार और रविवार को बाजार बंद रहता है।

पिछले 24 घंटों में क्रिप्टोकरेंसी बाजार में आई तेजी

पिछले 24 घंटों में क्रिप्टोकरेंसी बाजार में एक तेजी का दौर आया है। सबसे धमाकेदार उछाल में पाई नेटवर्क ने अपनी कीमत में 20 फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज की है। बुधवार से गुरुवार शाम 5 बजे तक पाई नेटवर्क का मूल्य 1.38 डॉलर से 1.66 डॉलर तक बढ़ गया है। इसके साथ ही बिटकॉइन, रिपल, डॉगकॉइन जैसी अन्य क्रिप्टोकरेंसियों में भी उछाल देखने को मिली है। अमेरिकी बाजार में गिरावट और ट्रेड वॉर के बीच, क्रिप्टोकरेंसी में तेजी का दौर दर्शायी जा रही है। निवेशकों को इस उछाल ने उत्साहित किया है और वह धीरे-धीरे इस सेक्टर में विश्वास जता रहे हैं।

अनिल अंबानी की रिलायंस कैपिटल बिकने के करीब, हिंदूजा ग्रुप के इंडसइंड इंटरनेशनल के साथ हो सकता है सौदा

नई दिल्ली, 13 मार्च (एजेंसियां) ।

कर्ज में डूबी रिलायंस कैपिटल, भारतीय रिज़र्व बैंक (आरबीआई) द्वारा इंसॉल्वेंसी प्रॉसीडिंग्स शुरू कर दी गई है। रिलायंस कैपिटल पर लगे 40,000 करोड़ रुपएसे अधिक के कर्ज के कारण आरबीआई ने इस कार्रवाई को लिया।

इसके बाद, हिंदूजा ग्रुप की कंपनी इंडसइंड इंटरनेशनल होल्डिंग्स लिमिटेड बहुत नजदीक आ गई है, जो रिलायंस कैपिटल को 98.6 अरब रुपये में खरीदने के लिए करीब है। सूत्रों के मुताबिक यह सौदा जल्द ही पूरा हो सकता है।

इंडसइंड इंटरनेशनल के प्रतिनिधियों ने इस सौदे पर कोई टिप्पणी नहीं की है।

रिलायंस कैपिटल को खरीदने के लिए आईआईएचएल ने 9,861 करोड़ रुपये की बोली लगाई थी। रिलायंस कैपिटल में लगभग 20 वित्तीय सेवा कंपनियाँ हैं, जिनमें सिक्योरिटीज ब्रोकिंग, इंश्योरेंस और एक एआरसी शामिल है। आरबीआई के अनुसार, रिलायंस कैपिटल अपने भुगतान करने में असमर्थ था और गंभीर प्रशासनिक चिंताओं का भी हवाला दिया गया था। आरबीआई का कहना था कि कंपनी के अंदर काफी गड़बड़ी थी और बोर्ड ने इन समस्याओं को ठीक करने में विफल रहा।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

फ्री की...

मुफ्त बिजली, मुफ्त बस यात्रा, राशन या फिर बाकी तरीकों का इस्तेमाल करके चुनाव में उतर रही हैं। बीते कुछ चुनावों में यह चलन तेजी से बढ़ा है।भारतीय राजनीति में रेवड़ी और मुफ्त में सुविधाएँ दिए जाने का चलन आम आदमी पार्टी ने दिल्ली में आजमाया था और उसे 2015 तथा 2020 के चुनाव में बड़ी सफलता मिली थी। इसके बाद कॉन्ग्रेस को भी ऐसे ही वादों के सहारे कर्नाटक, हिमाचल प्रदेश और तेलंगाना में बड़ी सफलताएँ मिलीं। रेवड़ी कल्चर का पहला विरोध करने वाली भाजपा ने भी बाद में महिलाओं को नकद राशि जैसे वादे किए हैं। हालाँकि, अर्थशास्त्रियों ने इस चलन को बजट के लिए खतरनाक बताया है और इसे अर्थव्यवस्था पर बोझ बताया है। कर्नाटक में कॉन्ग्रेस सरकार के रेवड़ी बाँटने के असर बजट पर दिखाई भी दिए हैं।कर्नाटक में कॉन्ग्रेस सरकार दलितों और जनजातीय समुदाय के कल्याण के लिए बनाया गया बजट अपनी 'गारंटी स्कीम' में लगा दिया है। हजारों करोड़ रूपए की धनराशि गारंटी स्कीम में लगाई गई है। कर्नाटक ने कई टैक्स भी बढ़ा दिए हैं। हालाँकि, इससे कर्नाटक में गरीबी रेखा पर कोई असर पड़ा हो, ऐसी जानकारी नहीं सामने आई है। नारायणमूर्ति ने इसी से जुड़ी बात कही है।उन्होंने यह भी स्पष्ट किया है कि कोई भी देश इसमें सफल नहीं हुआ है। दरअसल, उनका इशारा वेनेजुएला जैसे देशों की तरफ था। वेनेजुएला ने भी तेल की कमाई के सहारे अपने नागरिकों को रेवड़ियाँ बाँटनी चालू की थी। उसने सरकारी नौकरियाँ आदि भी खूब बाँटी थी। बाद में वेनेजुएला की अर्थव्यवस्था तबाह हो गई।

गौतम अडाणी का...

भारत कुछ शर्तों के साथ साल 2006 में इस संधि में शामिल हुआ था।पहला विवाद : हिंडनबर्ग रिसर्च ने मनी लॉन्ड्रिंग के आरोप लगाए : जनवरी 2023 की है। गौतम अडाणी की फ्लैगशिप कंपनी अडाणी एंटरप्राइजेज ने 20,000 करोड़ का फॉलोऑन पब्लिक ऑफर लाने की घोषणा की। 27 जनवरी 2023 को इस ऑफर को खुलना था, लेकिन उससे ठीक पहले 24 जनवरी 2023 को हिंडनबर्ग रिसर्च ने एक रिपोर्ट जारी की, जिसमें अडाणी ग्रुप पर मनी लॉन्ड्रिंग से लेकर शेयर मैनिपुलेशन जैसे आरोप लगाए गए।25 जनवरी तक ग्रुप के शेयरों मार्केट वैल्यू करीब 12 बिलियन डॉलर (करीब 1 लाख करोड़ रुपए) कम हो गई। हालांकि, अडाणी ने किसी भी गलत काम के आरोपों से इनकार किया। ऐसे में अडाणी ग्रुप ने अपना 20,000 करोड़ का फॉलोऑन पब्लिक ऑफर भी कैंसिल कर दिया। केस की जांच के लिए सुप्रीम कोर्ट ने 6 सदस्यीय कमेटी बनाई और सेबी ने भी मामले की जांच की।कोर्ट के फैसले के बाद अडाणी ग्रुप के चेयरमैन गौतम अडाणी ने कहा था, कोर्ट के फैसले से पता चलता है कि सत्य की जीत हुई है। सत्यमेव जयते। मैं उन लोगों का आभारी हूं जो हमारे साथ खड़े रहे। भारत की ग्रोथ स्टोरी में हमारा योगदान जारी रहेगा। जय हिन्द।

दूसरा विवाद: लो-ग्रेड कोयले को हाई-ग्रेड में बेचने का आरोप एक महीने पहले फाइनेंशियल टाइम्स ने ऑर्गनाइज्ड क्राइम एंड करप्शन रिपोर्टिंग प्रोजेक्ट की एक रिपोर्ट का हवाला देते हुए दावा किया था कि जनवरी 2014 में अडाणी ग्रुप ने एक इंडोनेशियाई कंपनी से 28 डॉलर (करीब 2360 रुपए) प्रति टन की कथित कीमत पर लो-ग्रेड कोयला खरीदा था।रिपोर्ट में आरोप लगाया गया है कि इस शिपमेंट को तमिलनाडु जेनरेशन एंड डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी को उच्च गुणवत्ता वाले कोयले के रूप में 91.91 डॉलर (करीब 7750 रुपए) प्रति टन की औसत कीमत पर बेच दिया गया था।

हैदराबाद में होली...

क्योंकि उनके पूर्ववर्ती के चंद्रशेखर राव 'आठवें निजाम' थे। उन्होंने आरोप लगाया कि निजाम अपने शासनकाल में हिंदुओं को परेशान करते थे। विधायक ने कहा कि रेवंत रेड्डी निजाम की तरह व्यवहार कर रहे हैं।उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार एक अलग तरह की अधिसूचना जारी कर सकती थी, जिसमें मुसलमानों से अपील की जाती कि वे होली के दौरान एक दिन के लिए घरों से बाहर न आकर हिंदू भाइयों के साथ सहयोग करें। बीजेपी विधायक ने कहा कि लेकिन सरकार ने प्रतिबंध लगाकर हिंदुओं के खिलाफ कार्रवाई करने का विकल्प चुना। उन्होंने मुख्यमंत्री से ऐसी नीति बदलने का आह्वान किया।

होली के दिन 3 राशियों पर बरसेगी भगवान शिव की कृपा

ज्योतिषीय गणना अनुसार, शुक्रवार 14 मार्च को होली है। यह पर्व देशभर में धूमधाम से मनाया जाता है। इस शुभ अवसर पर लोग एक दूसरे को रंग और गुलाल लगाकर होली की हार्दिक बधाई देते हैं। साथ ही एक दूसरे को मिठाई और पूरी-पकवान खिलाकर मुंह मीठा करते हैं।

ज्योतिषियों की मानें तो फाल्गुन पूर्णिमा यानी होली के दिन कई राशि के जातकों के लिए शुभ रहने वाला है। इन राशियों पर देवों के देव महादेव की कृपा बरसेगी। उनकी कृपा से सभी बिगड़े और अधूरे काम बन जाएंगे। साथ ही जीवन में सुखों का आगमन होगा। भगवान शिव की कृपा से आर्थिक तंगी से निजात मिलेगी।

कर्क राशि के स्वामी मन के कारक चंद्र देव हैं और आराध्य देवों के देव महादेव हैं। इस राशि में देवगुरु बृहस्पति उच्च के होते हैं। होली के दिन कर्क राशि के जातकों पर भगवान शिव की विशेष कृपा बरसेगी। उनकी कृपा से सुखों में वृद्धि होगी। मन प्रसन्न रहेगा।

सभी अधूरे काम पूरे होंगे। परिवार में खुशियों का माहौल रहेगा। घर पर मेहमानों का आगमन होगा। रिश्तों में मिठाई आएगी। पार्टनर से प्यार मिलेगा। खूबसूरत पल बिताने का अवसर मिलेगा। किसी खास शख्स से मिलना होगा। इस दौरान कारोबार संबंधी बातचीत होगी। निवेश के लिए प्लान बनेगा। किसी अपने से प्यार मिलेगा। धन की समस्या दूर होगी। भगवान शिव की कृपा पाने के लिए होली के दिन दूध या गन्ने के रस से भगवान शिव का अभिषेक करें।

मकर और कुंभ राशि

मकर और कुंभ राशि के जातकों के लिए होली शुभ साबित होगा। इन दोनों राशि के जातकों पर भगवान शिव की कृपा बरसेगी। उनकी कृपा से मानसिक तनाव से निजात मिलेगी। मन प्रसन्न रहेगा। कोई बड़ी खुशखबरी मिल सकती है। घर पर लोगों का आना-जाना रहेगा। रिश्तेदार घर आ सकते हैं।

बॉस से उत्तम कार्य के लिए शाबाशी मिल सकती है। माता-पिता का आशीर्वाद मिलेगा। अटका हुआ पैसा वापस मिल सकता है। सोचे हुए काम पूरे होंगे। बड़ों की सेवा और सम्मान करें। घर पर खुशियों का माहौल रहेगा। स्वादिष्ट व्यंजन खाने का अवसर मिलेगा।

विशेष काम में सफलता पाने के लिए अबीर या गुलाल से भगवान शिव का अभिषेक करें। लोगों में आपके प्रति मान-समान बढ़ेगा। उन्हें अपनी गलती का अहसास होगा। धर्म कर्म में रूचि बढ़ेगी। चंद्र देव की कृपा से चिंता दूर होगी। साथ ही शुभ कामों में सफलता मिलेगी।

राशि अनुसार खेलें रंगों की होली और बनें सौभाग्यशाली

फाल्गुन मास की पूर्णिमा तिथि को होली का त्योहार मनाया जाता है। इसके अगले दिन चैत्र मास की प्रतिपदा तिथि को रंग वाली होली खेली जाती है। इस साल होलिका दहन 13 मार्च को मनाया जाएगा। जबकि रंग वाली होली 14 मार्च को खेली जाएगी। श्री लक्ष्मीनारायण एस्ट्रो सॉल्यूशन अजमेर की निदेशिका ज्योतिषाचार्या एवं टैरो कार्ड रीडर नीतिका शर्मा ने बताया कि हिंदू पंचाग के अनुसार इस बार होलिका दहन का उत्सव फाल्गुन शुक्ल पूर्णिमा 13 मार्च के दिन मनाया जाएगा। इसके अगले दिन 14 मार्च को धूम-धाम से रंगों का पर्व धुलंडी मनाया जाएगा। होली खेलने के लिए सभी रंगों का अपना-अपना महत्व है। ज्योतिष की दृष्टि से देखें तो कई रंग हमारे लिए बहुत भाग्यशाली होते हैं तो वहीं कई रंग हमारे लिए परेशानी का कारण बनते हैं। होली खेलते समय यदि आप अपनी राशि के अनुसार रंगों का सही चुनाव करते हैं तो इससे आप खुद को और अपने परिवार को स्वस्थ, खुशहाल और नकारात्मकता से दूर रख सकते है।

हिन्दू धर्म में होली महापर्व को बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक माना जाता है। इस दिन सभी लोग आपस के मतभेद को भुलाकर रंगों के इस त्योहार को एकसाथ मनाते हैं और एक दूसरे को रंग लगाकर बधाई देते हैं। अध्यात्मिक दृष्टिकोण से भी इस दिन का विशेष महत्व है। इस विशेष पर हनुमान जी उपासना के साथ कुल देवी-देवताओं की उपासना करने से साधक को बहुत लाभ मिलता है और जीवन में सुख-समृद्धि आती है। इस वर्ष रंगवाली होली बुधवार के दिन खेली जाएगी। इसलिए इस विशेष दिन पर होली खेलने से पहले गौरी पुत्र गणेश जी उपासना करना न भूलें। ऐसा करने से व्यक्ति को धन-धान्य की प्राप्ति होती है और जीवन से सभी संकट दूर हो जाते हैं।

मेष राशि –मेष राशि को लाल और पीले रंग से होली का त्योहार मनाना चाहिए। इन रंगों से होली खेलने से आपके जीवन में प्यार और सकारात्मक ऊर्जा का संचार बना रहेगा।

वृषभ राशि – वृषभ राशि के जातकों को होली के दिन सफेद कपड़े पहनकर नारंगी और बैंगनी रंग से होली खेलनी चाहिए। ऐसा करने से आपके सौभाग्य में वृद्धि होती है।

मिथुन राशि –मिथुन राशि के जातकों को हरे रंग से होली खेलनी चाहिए। ऐसा करने से ना सिर्फ इनके मान-सम्मान में बढ़ोत्तरी होगी बल्कि संबंधों में प्रगाढ़ता भी आएगी।

कर्क राशि–कर्क राशि के जातकों को सफेद कपड़े पहनकर होली खेलनी चाहिए। ऐसा करने से उन्हें धन, यश के साथ बेहद सुकून भी मिलेगा।

सिंह राशि –सिंह राशि के लोग गोल्डन, पीले, लाल और नारंगी रंग से होली खेल सकते हैं। ऐसा करने से न सिर्फ ये लोग ऊर्जावान बने रहेंगे बल्कि इनके साथ होली खेलने वाले लोग भी उत्साह से भर जाएंगे।

कन्या राशि – कन्या राशि के लोगों को हरे, भूरे और नारंगी रंग से होली खेलनी चाहिए। इन रंगों से होली खेलने से इस राशि के लोगों का आर्थिक संकट दूर होता है।

तुला राशि –तुला राशि के जातक सफेद और हल्के गुलाबी रंग के कपड़े पहनकर होली खेलें। ऐसा करने से आपको अच्छे परिणाम प्राप्त होंगे।

वृश्चिक राशि –वृश्चिक राशि के लोगों को लाल, मैरून और पीले रंग से होली खेलने जाना चाहिए। ऐसा करने से आपके आर्थिक संकट दूर होते हैं।

धनु राशि– धनु राशि के जातकों को होली खेलने के लिए लाल, और पीले रंग का इस्तेमाल करना चाहिए। ऐसा करने से आपका अपने परिजनों के साथ रिश्ता मजबूत बनेगा और गुरु ग्रह से जुड़ी कोई परेशानी भी आपके सामने नहीं आएगी।

मकर राशि– मकर राशि के लोगों को होली जरूर खेलनी चाहिए. इसके लिए इन्हें नीले, काले रंग का इस्तेमाल करना चाहिए। ऐसा करने से आपको शीघ्र ही अपने लक्ष्य की प्राप्ति होगी।

कुंभ राशि – कुंभ राशि के जातकों को होली खेलने के लिए काला, बैंगनी और लाल रंग के गुलाल का इस्तेमाल करना चाहिए। ऐसा करने से आप कठिन परिस्थितियों को भी अपने बस में कर पाएंगे।

मीन राशि – मीन राशि के लोगों को पीले रंग से होली खेलनी चाहिए। इस राशि के लोगों को होली के दिन पीला रंग शिवलिंग पर चढ़ाने के बाद ही होली खेलने जाना चाहिए। माना जाता है कि ऐसा करने से आपको धन और ऐश्वर्य की प्राप्ति होती है।

होलिका दहन के बाद धुलेंडी क्यों और कैसे मनाई जाती है

होली के अगले दिन धुलेंडी का त्योहार आता है। धुलेंडी को धुरड्डी, धुरखेल, धूलिवंदन और चैत बदी आदि नामों से जाना जाता है। होली के अगले दिन धुलेंडी को पानी में रंग मिलाकर होली खेली जाती है तो रंगपंचमी को सूखा रंग डालने की परंपरा रही है। कई जगह इसका उल्टा होता है। पुराने समय में धुलेंडी के दिन टेसू के फूलों का रंग और रंगपंचमी को गुलाल डाला जाता था। सूखा रंग उस घर के लोगों पर डाला जाता हैं जहां किसी की मौत हो चुकी होती है।

क्यों मनाते हैं धुलेंडी :

1। कहते हैं कि त्रैतायुग के प्रारंभ में विष्णु ने धूलि वंदन किया था। इसकी याद में धुलेंडी मनाई जाती है। धूल वंदन अर्थात लोग एक दूसरे पर धूल लगाते हैं।

2। यह भी कहते हैं कि इस दिन से ब्रज में श्रीकृष्ण ने 'रंग उत्सव' मनाने की परंपरा का प्रारंभ किया था। तभी से इसका नाम फगवाह हो गया, क्योंकि यह फागुन माह में आती है। कृष्ण ने राधा पर रंग डाला था। श्रीकृष्ण ने ही होली के त्योहार में रंग को जोड़ा था।

कैसे मनाते हैं धुलेंडी :

होली के अगले दिन धुलेंडी के दिन सुबह के समय लोग एक दूसरे पर कीचड़, धूल लगाते हैं। पुराने समय में यह होता था जिसे धूल स्नान कहते हैं। पुराने समय में चिकनी मिट्टी की गारा का या मुलतानी मिट्टी को शरीर पर लगाया जाता था। शाम को लोग अबीर और गुलाल आदि रंग एक दूसरे पर डालते हैं। पुराने समय में धुलेंडी के दिन टेसू के फूलों का रंग बनाकर एक दूसरे पर लगाया जाता था।

ढोल बजा कर होली के गीत गाए जाते हैं और घर-घर जा कर लोगों को रंग लगाया जाता है। एक दूसरे को रंगने और गाने-बजाने का दौर दोपहर तक चलता है। इसके बाद स्नान कर के विश्राम करने के बाद नए कपड़े पहन कर शाम को लोग एक दूसरे के घर मिलने जाते हैं। ऐसा माना जाता है कि होली के दिन लोग पुरानी कटुता को भूल कर गले मिलते हैं और फिर से दोस्त बन जाते हैं। गले मिलकर एक दूसरे को मिठाइयां खिलाते हैं।

राग-रंग के बाद कुछ लोग भांग खाते हैं और कुछ लोग भजिये या गुझिया बनाकर ठंडाई का मजा लेते हैं। गुझिया होली का प्रमुख पकवान है जो कि मावा (खोया) और मैदा से बनती है और मेवाओं से युक्त होती है इस दिन कांजी के बड़े खाने व खिलाने का भी रिवाज है।

धुलेंडी से रंगपंचमी तक की पूरी जानकारी

धुलेंडी पांच दिन तक प्रतिपदा तिथि से पंचमी तक चलने वाला प्रेम, उल्लास, एकता और भाईचारा का त्योहार है।

होलिका दहन के पश्चात् प्रतिपदा को धुलेंडी पूजन कर माता-पिता से भी आशीर्वाद लिया जाता है।

फिर टोली बनाकर ढोलक अथवा मृदंग बजाते-गाते चल समारोह निकाला जाता है।

इस दौरान मित्रों, पड़ोसियों, रिश्तेदारों को रंग-गुलाल लगाकर गले मिलते है।

द्वितीया, तृतीया और चतुर्थी एक-दूसरे को होली की शुभकामनाएं देने तथा मिठाई खाने-खिलाने का विधान है।

रंग-पंचमी को फिर वही किया जाता है जैसा कि प्रतिपदा धुलेंडी को किया था।।

कुछ क्षेत्रों में रंग पंचमी का त्योहार ज्यादा जोर-शोर से मनाया जाता है।

इन पाँच दिनों में दुश्मन के घर जाकर, उससे गले मिलकर, गिले-शिकवे दूर कर उनके साथ भी होली खेली जाती है।

क्यों मनाया जाता है धुलेंडी का पर्व कथा-1

चैत्र शुक्ल प्रतिपदा तिथि को धुलेंडी का पर्व मनाया जाता है। धुलेंडी का त्योहार होलिका दहन के अगले दिन रंग-गुलाल लगाकर मनाया जाता है। वहीं दूसरे जगहों पर इस दिन होली मनाई जाती है। इस दिन हर कोई सब गिले-शिकवे भूलकर एक-दूसरे के रंग में रंग जाते हैं। बता दें कि धुलेंडी को धुलंडी, धुरड्डी, धुरखेल या धूलिवंदन जैसे नामों से भी जाना जाता है। धुलेंडी मनाने के पीछे दो कथाएं प्रचलित है। पहली कथा के अनुसार धलुंडी के दिन भोलेनाथ ने कामदेव को उनकी तपस्या भंग करने के प्रयास में भस्म कर दिया था। लेकिन देवी रति की प्रार्थना पर उन्होंने कामदेव को क्षमा दान देकर पुर्नजन्म दिया। महादेव ने देवी रति को यह वरदान दिया कि वह श्रीकृष्ण के पुत्री रूप में जन्म लेंगी। कामदेव के पुर्नजन्म और देवी रति को प्राप्त वरदान की खुशी में धूमधाम से मनाया जाता है।

क्यों मनाते हैं धुलेंडी कथा-2

त्रैतायुग की शुरुआत में भगवान विष्णु ने धूलि वंदन किया था, इसकी याद में धुलेंडी मनाई जाती है। धूल वंदन अर्थात लोग एक दूसरे पर धूल लगाते हैं। कई जगहों पर होली की राख को लगाने की परंपरा है। होली के अगले दिन धुलेंडी के दिन सुबह के समय लोग एक दूसरे पर कीचड़, धूल लगाते हैं। इसे धूल स्नान कहते हैं। पुराने समय में इस दिन चिकनी मिट्टी की गारा का या मुलतानी मिट्टी को शरीर पर लगाया जाता था।

भारत में नहीं दिखेगा चंद्र ग्रहण

नहीं रहेगा ग्रहण का सूतक, पूरे दिन कर सकेंगे तो धर्म-कर्म और पूजा-पाठ

साल 2025 का पहला चंद्र ग्रहण 14 मार्च को सुबह 9:29 मिनट से दोपहर 3:29 मिनट तक रहने वाला है। लेकिन भारत में यह चंद्र ग्रहण नजर नहीं आएगा, इसलिए इसका सूतक काल भी मान्य नहीं होगा। ऐसे में इसका कोई असर होली के त्योहार पर भी नहीं होगा। पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर जोधपुर के निदेशक ज्योतिषाचार्य डा.अनीष व्यास ने बताया कि साल 2025 में भी चार ग्रहण देखने को मिलेंगे। इनमें से दो सूर्य ग्रहण और दो चंद्र ग्रहण होंगे। वर्ष 2025 में कुल दो चंद्र ग्रहण लगने वाले हैं। इनमें से पहला ग्रहण भारत में नहीं दिखेगा जबकि दूसरा चंद्र ग्रहण भारत में नजर आएगा। पहला चंद्र ग्रहण 14 मार्च 2025 को लगेगा। यह पूर्ण ग्रहण होगा। यह चंद्र ग्रहण धुलंडी के दिन लगेगा। लेकिन भारत में दिखाई नहीं देने के कारण इस चंद्र ग्रहण का भारत में कोई असर नहीं होगा। ये चंद्र ग्रहण यूरोप, अमेरिका, अफ्रीका और पैसिफिक में दिखाई देगा। दूसरा चंद्र ग्रहण 7 सितंबर 2025 को लगेगा। यह चंद्र ग्रहण पितृ पक्ष की शुरुआत में लगेगा और यह भारत में दिखाई देगा, जिससे इसका सूतक काल मान्य होगा। जिन जगहों पर ग्रहण दिखाई देता है, वहां-वहां चंद्र ग्रहण शुरू होने से 9 घंटे पहले सूतक शुरू हो जाता है। चंद्र ग्रहण के सूतक के समय में पूजा-पाठ नहीं किए जाते हैं, मंदिर बंद रहते हैं। ग्रहण खत्म होने के बाद सूतक खत्म होता है। मंदिरों का शुद्धिकरण होता है और फिर पूजा-पाठ आदि धर्म-कर्म किए जाते हैं, लेकिन 14 मार्च का ग्रहण भारत में नहीं दिखने से यहां सूतक भी नहीं रहेगा, इस वजह से पूरे दिन धर्म-कर्म और पूजा-पाठ आदि शुभ काम किए जा सकेंगे।

पंचांग के मुताबिक होली फाल्गुन पूर्णिमा के अगले दिन मनाते हैं, जबकि फाल्गुन पूर्णिमा की रात होलिका दहन किया जाता है। इस साल 13 मार्च की रात होलिका दहन किया जाएगा और अगले दिन यानी 14 मार्च 2025 को होली मनाई जाएगी। लेकिन इस साल होली पर साल का पहला चंद्र ग्रहण लगने जा रहा है, जिससे सभी 12 राशियां प्रभावित हो सकती हैं। बता दें चंद्र ग्रहण 14 मार्च को सुबह 9: 29 मिनट से दोपहर 3: 29 मिनट तक रहेगा। हालांकि भारत में ये चंद्र ग्रहण नहीं नजर आएगा, इसलिए इसका सूतक काल भी मान्य नहीं होगा।

चंद्र ग्रहण की तिथि और समय

साल 2025 का पहला चंद्र ग्रहण 14 मार्च को लगेगा। यह ग्रहण फाल्गुन शुक्ल पूर्णिमा के दिन घटित होगा।

उपछाया ग्रहण शुरू- सुबह 9.27 बजे
आंशिक ग्रहण शुरू- सुबह 10.41 बजे
पूर्ण चंद्रग्रहण शुरू- सुबह 11.56 बजे
अधिकतम ग्रहण- दोपहर 12.28 बजे
पूर्ण चंद्रग्रहण समाप्त- दोपहर 1.01 बजे
आंशिक चंद्रग्रहण समाप्त- दोपहर 2.18 बजे
उपछाया चंद्रग्रहण समाप्त- शाम 3.30 बजे

पहला चंद्र ग्रहण (पूर्ण चंद्र ग्रहण)

साल 2025 का पहला चंद्र ग्रहण 14 मार्च को फाल्गुन मास की शुक्ल पूर्णिमा के दिन लगेगा। यह ग्रहण भारतीय समयानुसार सुबह 10:41 बजे से दोपहर 14:18 बजे तक रहेगा। यह पूर्ण चंद्र ग्रहण होगा जो मुख्य रूप से ऑस्ट्रेलिया के अधिकांश भाग यूरोप अफ्रीका के अधिकांश भाग, उत्तरी और दक्षिणी अमेरिका, प्रशांत अटलांटिक आर्कटिक महासागर, पूर्वी एशिया और अंटार्कटिका, आदि क्षेत्रों में दिखाई देगा। यह भारत में दिखाई नहीं देगा, इसलिए इस ग्रहण का धार्मिक दृष्टि से भारत में कोई महत्व नहीं होगा। खगोलीय दृष्टि से यह चंद्र ग्रहण सिंह राशि और उत्तरा फाल्गुनी नक्षत्र में लगेगा, इसलिए सिंह राशि और उत्तरा फाल्गुनी नक्षत्र में जन्मे लोगों के लिए यह ग्रहण विशेष रूप से प्रभावशाली रहने वाला है। चंद्र ग्रहण के दिन चंद्रमा से सप्तम भाव में सूर्य और शनि विराजमान रहेंगे और चंद्रमा को पूर्ण सप्तम दृष्टि से देखेंगे। ऐसे में इसका प्रभाव और भी गहरा देखने को मिलेगा। इस दिन चंद्रमा से दूसरे भाव में केतु, सप्तम भाव में सूर्य और शनि, अष्टम भाव में राहु, बुध और शुक्र, दशम भाव में बृहस्पति और एकादश भाव में मंगल विराजमान होंगे।

ग्रहण प्रारंभ होने का समय: सुबह 10:41 मि.

ग्रहण समाप्त होने का समय: दोपहर 2:18 मि.

इस ग्रहण की कुल अवधि 3 घंटे 37 मिनट की होगी।

भारत में दिखाई नहीं देगा चंद्र ग्रहण

यह चंद्र ग्रहण मुख्य रूप से ऑस्ट्रेलिया, यूरोप के अधिकांश भाग, अफ्रीका के बड़े हिस्से, प्रशांत, अटलांटिक और आर्कटिक महासागर, उत्तरी और दक्षिणी अमेरिका, पूर्वी एशिया तथा अंटार्कटिका में स्पष्ट रूप से देखा जा सकेगा। हालांकि, भारत में इस ग्रहण का दृश्य रूप से अवलोकन संभव नहीं होगा, क्योंकि यह भारतीय समयानुसार दिन में घटित होगा, जब चंद्रमा आकाश में दृष्टिगोचर नहीं होगा।

ग्रहण के समय ग्रहों की स्थिति और प्रभाव

ज्योतिषीय दृष्टि से यह चंद्र ग्रहण सिंह राशि और उत्तर फाल्गुनी नक्षत्र में लगेगा, जो इसे विशेष रूप से प्रभावशाली बनाता है। ग्रहण के समय चंद्रमा अपनी राशि सिंह में रहेगा। जबकि सूर्य और शनि चंद्रमा के सातवें भाव में स्थित होकर उस पर पूर्ण सप्तम दृष्टि डालेंगे, जिससे ग्रहण का प्रभाव तीव्र होगा। केतु चंद्रमा के द्वितीय भाव में स्थित रहेगा, जिससे मानसिक तनाव की स्थिति बन सकती है। राहु, बुध और शुक्र चंद्रमा के आठवें भाव में स्थित होंगे, जिससे कुछ राशियों पर मिश्रित प्रभाव पड़ेगा। गुरु (बृहस्पति) चंद्रमा के दशम भाव में रहेगा, जिससे धार्मिक और आध्यात्मिक प्रवृत्तियों में वृद्धि होगी। मंगल चंद्रमा के एकादश भाव में स्थित रहेगा, जो साहस और ऊर्जा को बढ़ाने का कार्य करेगा।

पूरे विश्व में राजनीतिक अस्थिरता यानि राजनीतिक माहौल उच्च होगा। राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप ज्यादा होंगे। सत्ता संगठन में बदलाव होंगे। पूरे विश्व में सीमा पर तनाव शुरू हो जायेगा। आंदोलन, हिंसा, धरना प्रदर्शन हड़ताल, बैंक घोटाला, उपद्रव और आगजनी की स्थितियां बन सकती है।

आज से शुरू हो रहा खरमास

शुभ कार्यों पर लगेगा विराम

सूर्य देव के धनु और मीन राशि में प्रवेश करने के दौरान खरमास लगता है। धनु और मीन राशि के स्वामी देवगुरु बृहस्पति हैं। सूर्य के संपर्क में आने के चलते देवगुरु बृहस्पति का शुभ प्रभाव कम या क्षीण हो जाता है। अतः सूर्य देव के धनु और मीन राशि में गोचर करने के दौरान खरमास लगता है। इस दौरान शुभ कार्य नहीं किए जाते हैं। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, पूरे एक वर्ष में दो बार ऐसा मौका आता है। जब खरमास लगता है। एक खरमास मध्य मार्च से मध्य अप्रैल के बीच और दूसरा खरमास मध्य दिसंबर से मध्य जनवरी तक होता है। श्री लक्ष्मीनारायण एस्ट्रो सॉल्यूशन अजमेर की निदेशिका ज्योतिषाचार्या एवं टैरो कार्ड रीडर नीतिका शर्मा ने बताया कि मार्च महीने में ग्रहों के राजा सूर्य देव 14 मार्च को संध्याकाल 06: 34 मिनट पर अपने मित्र ग्रह बृहस्पति की राशि मीन में गोचर करेंगे। सूर्य देव के कुंभ राशि से निकलकर मीन राशि में प्रवेश करने के साथ ही खरमास शुरू होगा। इस दौरान सूर्य देव 18 मार्च को उत्तराभाद्रपद नक्षत्र में प्रवेश करेंगे। इसके बाद 13 अप्रैल को सूर्य देव मीन राशि से निकलकर मेष राशि में प्रवेश करेंगे। सूर्य देव के मेष राशि में प्रवेश करने के साथ ही खरमास समाप्त हो जाए।

खरमास में विवाह, गृह प्रवेश, मुंडन आदि मांगलिक कर्मों के लिए शुभ मुहूर्त नहीं रहते हैं। इन दिनों में मंत्र जप, दान, नदी स्नान और तीर्थ दर्शन करने की परंपरा है। इस परंपरा की वजह से खरमास के दिनों में सभी पवित्र नदियों में स्नान के लिए काफी अधिक लोग पहुंचते हैं। साथ ही पौराणिक महत्व वाले मंदिरों में भक्तों की संख्या बढ़ जाती है। खरमास पूजा-पाठ के नजरिए से बहुत शुभ है, लेकिन इस महीने में विवाह, गृह प्रवेश, मुंडन, नए काम की शुरुआत जैसे कामों के लिए मुहूर्त नहीं रहते हैं। इस महीने में शास्त्रों का पाठ करने की परंपरा है। धर्म लाभ कमाने के लिए खरमास का हर एक दिन बहुत शुभ है। इस महीने में किए गए पूजन, मंत्र जप और दान-पुण्य का अक्षय पुण्य मिलता है। अक्षय पुण्य यानी ऐसा पुण्य जिसका शुभ असर पूरे जीवन बने रहता है।

साल में दो बार आता है खरमास

एक साल में सूर्य एक-एक बार गुरु ग्रह की धनु और मीन राशि में जाता है। इस तरह साल में दो बार खरमास रहता है। सूर्य साल में दो बार बृहस्पति की राशियों में एक-एक महीने के लिए रहता है। इनमें 15 दिसंबर से 15 जनवरी तक धनु और 15 मार्च से 15 अप्रैल तक मीन राशि में। इसलिए इन 2 महीनों में जब सूर्य और बृहस्पति का संयोग बनता है तो किसी भी तरह के मांगलिक काम नहीं किए जाते हैं।

सूर्य देव करते हैं अपने गुरु की सेवा

गुरु ग्रह यानी देवगुरु बृहस्पति धनु और मीन राशि के स्वामी है। सूर्य ग्रह सभी 12 राशियों में भ्रमण करता है और एक राशि में करीब एक माह ठहरता है। इस तरह सूर्य एक साल में सभी 12 राशियों का एक चक्कर पूरा कर लेता है। इस दौरान सूर्य जब धनु और मीन राशि में आता है, तब खरमास शुरू होता है। इसके बाद सूर्य जब इन राशियों से निकलकर आगे बढ़ जाता है तो खरमास खत्म हो जाता है। ज्योतिष की मान्यता है कि खरमास में सूर्य देव अपने गुरु बृहस्पति के घर में रहते हैं और गुरु की सेवा करते हैं।

खरमास में क्यों नहीं रहते हैं शुभ मुहूर्त

सूर्य एक मात्र प्रत्यक्ष देवता और पंचदेवों में से एक है। किसी भी शुभ काम की शुरुआत में गणेश जी, शिव जी, विष्णु जी, देवी दुर्गा और सूर्यदेव की पूजा की जाती है। जब सूर्य अपने गुरु की सेवा में रहते हैं तो इस ग्रह की शक्ति कम हो जाती है। साथ ही सूर्य की वजह से गुरु ग्रह का बल भी कम होता है। इन दोनों ग्रहों की कमजोर स्थिति की वजह से मांगलिक कर्म न करने की सलाह दी जाती है। विवाह के समय सूर्य और गुरु ग्रह अच्छी स्थिति में होते हैं तो विवाह सफल होने की संभावनाएं काफी अधिक रहती हैं।

ज्योतिष ग्रंथ में है खरमास

धनु और मीन राशि का स्वामी बृहस्पति होता है। इनमें राशियों में जब सूर्य आता है तो खरमास दोष लगता है। ज्योतिष तत्व विवेक नाम के ग्रंथ में कहा गया है कि सूर्य की राशि में गुरु हो और गुरु की राशि में सूर्य रहता हो तो उस काल को गुर्वादित्य कहा जाता है। जो कि सभी शुभ कामों के लिए वर्जित माना गया है।

खरमास में करें भागवत कथा का पाठ

खरमास में श्रीराम कथा, भागवत कथा, शिव पुराण का पाठ करें। रोज अपने समय के हिसाब से ग्रंथ पाठ करें। कोशिश करें कि इस महीने में कम से कम एक ग्रंथ का पाठ पूरा हो जाए। ऐसे करने से धर्म लाभ के साथ ही सुखी जीवन जीने से सूत्र भी मिलते हैं। ग्रंथों में बताए गए सूत्रों को जीवन में उतारेंगे तो सभी दिक्कतें दूर हो सकती हैं। खरमास में अपने इष्टदेव की विशेष पूजा करनी चाहिए। मंत्र जप करना चाहिए। इनके साथ ही इस महीने में पौराणिक महत्व वाले मंदिरों में दर्शन और पूजन करना चाहिए। तीर्थ यात्रा करनी चाहिए। किसी पवित्र नदी में स्नान करना चाहिए। जो लोग नदी स्नान नहीं कर पा रहे हैं, उन्हें अपने घर पर गंगा, यमुना, नर्मदा, शिप्रा जैसी पवित्र नदियों का ध्यान करते हुए स्नान करना चाहिए। पानी में गंगाजल मिलाकर भी स्नान कर सकते हैं।

खरमास में दान का महत्व

खरमास में दान करने से तीर्थ स्नान जितना पुण्य फल मिलता है। इस महीने में निष्काम भाव से ईश्वर के नजदीक आने के लिए जो व्रत किए जाते हैं, उनका अक्षय फल मिलता है और व्रत करने वाले के सभी दोष खत्म हो जाते हैं। इस दौरान जरूरतमंद लोगों, साधुजनों और दुखियों की सेवा करने का महत्व है। खरमास में दान के साथ ही श्राद्ध और मंत्र जाप का भी विधान है। पूजा-पाठ के साथ ही जरूरतमंद लोगों को धन, अनाज, कपड़े, जूते-चप्पल का दान जरूर करें। किसी गोशाला में हरी घास और गायों की देखभाल के लिए अपने सामर्थ्य के अनुसार दान कर सकते हैं। घर के आसपास किसी मंदिर में पूजन सामग्री भेंट करें। पूजन सामग्री जैसे कुमकुम, घी, तेल, अबीर, गुलाल, हार-फूल, दीपक, धूपबत्ती आदि।

राशि खन्ना ने होली उत्सव शुरू होने से पहले श्रीशैलम मंदिर में महादेव का लिया आशीर्वाद

रंगों के उल्लास से भरे होली उत्सव से पहले, पैन-इंडिया स्टार राशि खन्ना ने अपनी होली की शुरुआत आध्यात्मिक रूप से करने का निर्णय लिया और प्रतिष्ठित श्रीशैलम मंदिर के दर्शन किए। परिवार के साथ पहुंचकर, अभिनेत्री ने भारत के सबसे पवित्र शिव मंदिरों में से एक में पूजा-अर्चना की और श्रद्धा व भक्ति के साथ त्योहार का स्वागत किया। पारंपरिक पोशाक पहने राशि ने अनुष्ठानों में भाग लिया और अपने सांस्कृतिक मूल्यों को दर्शाते हुए अपनी गरिमा का परिचय दिया। यह यात्रा अभिनेत्री के लिए एक विशेष पल के रूप में आती है, क्योंकि वे अपने शानदार अभिनय और पैन-इंडिया अपील से विभिन्न फिल्म इंडस्ट्री में दर्शकों का दिल जीत रही हैं।

अपने परिवार के साथ इस पल को साझा करते हुए, उन्होंने सोशल मीडिया पर पोस्ट किया और इसे कैप्शन दिया श्रीशैलम मंदिर, हरहरमहादेव हाल ही में, अपने इंटरव्यू में, राशि ने उल्लेख किया कि इस साल उनके पास कुछ रोमांचक प्रोजेक्ट आने वाले हैं, जिनका अभी खुलासा नहीं किया गया है। इसके अलावा, उन्हें हाल ही में एक्सेल एंटरटेनमेंट के कार्यालय में देखा गया, जिससे प्रशंसकों के बीच उत्सुकता बढ़ गई है।

'द साबरमती रिपोर्ट' में एक पत्रकार के दमदार किरदार के बाद, दर्शक उन्हें फिर से बड़े पर्दे पर देखने के लिए बेहद उत्साहित हैं, और उनकी आगामी फिल्मों को लेकर उत्सुकता और भी बढ़ गई है। अब जब उन्होंने ईश्वरीय आशीर्वाद लेकर त्योहार के उल्लास में कदम रखा है, तो प्रशंसक उनकी होली की झलकियों और उनकी अगली बड़ी फिल्मों का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

दीवानियत में हुई सोनम बाजवा की एंट्री हर्षवर्धन राणे के साथ आएंगी नजर

सनम तेरी कसम को री रिलीज के दौरान मिली जबरदस्त सफलता ने एक बार फिर से इसके नायक हर्षवर्धन राणे को बॉलीवुड के चर्चित सितारों में शामिल करवा दिया है। हर्षवर्धन राणे को लेकर एक और प्रेम कहानी दीवानियत शुरू की गई है। यह फिल्म अपनी घोषणा के साथ ही चर्चाओं में आ गई है। अब इस फिल्म में सोनम बाजवा की एंट्री हो गई है।

'सनम तेरी कसम' फेम अभिनेता हर्षवर्धन राणे इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'दीवानियत' को लेकर लाइमलाइट में हैं। फिल्म के डायरेक्टर मिलाप मिलन जावेरी हैं। अमूल मोहन और अंशुल मोहन इस फिल्म के निर्माता हैं। इस बीच खबर है कि फिल्म में एक्ट्रेस सोनम बाजवा की एंट्री हो गई है। इस लव स्टोरी फिल्म में सोनम की जोड़ी हर्षवर्धन के साथ बनी है। यह पहला मौका होगा, जब ये दोनों कलाकार पर्दे पर साथ स्क्रीन शेयर करेंगे। सोनम ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया है। इसमें सोनम बोल रहीं हैं, तेरा प्यार, प्यार नहीं, मेरी जिद है, जिसे तू पार कर रहा है, वो हर हद की हद है, जल जाऊंगी, मिट जाऊंगी, पर खाती हूं मैं कसम, तेरे इश्क में झुक जाऊं मैं भी वो सनम। तेरे लिए मेरे दिल में मोहब्बत नहीं, नफरत है, तुझे तबाह जो कर देगी, वो मेरी दीवानियत है।

सोनम ने इसके कैप्शन में लिखा, दीवानियत में प्यार की आग लाने के लिए बहुत रोमांचित हूं। जुनून और दिल टूटने की एक गहन गाथा, जिसमें अद्भुत हर्षवर्धन राणे के साथ अभिनय किया है। प्यार के इस पागलपन को देखने के लिए आप सभी का इंतजार नहीं कर सकती। 'दीवानियत' की शूटिंग इसी महीने शुरू होगी और यह फिल्म इस साल के अंत तक सिनेमाघरों में दस्तक देगी।

रकुल प्रीत सिंह ने लेटेस्ट फोटोज में दिखाया ग्लैमरस अवतार

बॉलीवुड एक्ट्रेस रकुल प्रीत सिंह हमेशा अपने फैशन स्टेटमेंट्स से फैंस का सारा ध्यान अपनी ओर खींच लेती हैं। उनका हर एक लुक इंटरनेट पर आते ही तेजी से वायरल होने लगता है। अब हाल ही में एक्ट्रेस रकुल प्रीत सिंह ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट के दौरान की बेहद ही शानदार फोटोज शेयर की हैं। इन तस्वीरों में उनका हॉटनेस भरा अवतार देखकर लोगों की नजरें उनपर से हटा पाना मुश्किल हो गया है। एक्ट्रेस रकुल प्रीत सिंह आए दिन अपनी पर्सनल और प्रोफेशनल लाइफ से जुड़ी अपडेट्स फैंस के बीच शेयर कर अक्सर लोगों का ध्यान अपनी ओर खींच लेती हैं। वो जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो वो चंद ही मिनटों में वायरल होने लगती हैं। अब हाल ही में एक्ट्रेस रकुल प्रीत सिंह ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें फैंस के बीच साझा की हैं। इन तस्वीरों में उनका किलर लुक देखकर फैंस एक बार फिर से अपने होश खो बैठे हैं।बता दें कि एक्ट्रेस रकुल प्रीत सिंह जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस उनके हर एक लुक पर जमकर लाइक्स और कॉमेंट्स करते हैं।

हालांकि इन फोटोज में भी कुछ ऐसा ही देखने को मिल रहा है।बता दें कि एक्ट्रेस रकुल प्रीत सिंह जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस उनके हर एक लुक पर जमकर लाइक्स और कॉमेंट्स करते हैं। हालांकि इन फोटोज में भी कुछ ऐसा ही देखने को मिल रहा है।इन फोटोज में आप देख सकते हैं रकुल प्रीत सिंह ने ऑरेंज कलर का बॉडीकॉन गाउन पहना हुआ है, जिसमें वो एक से बढ़कर एक स्टनिंग अंदाज में पोज देती हुई नजर आ रही हैं।बालों को स्टाइलिश लुक में बांधकर, कानों में इयररिंग्स और लाइट मेकअप कर के एक्ट्रेस रकुल प्रीत सिंह ने अपने आउटलुक को कंप्लीट किया है।बता दें कि एक्ट्रेस सोशल मीडिया पर काफी सक्रिय हैं और इंस्टाग्राम पर भी उनकी फैन फॉलोइंग लिस्ट काफी जबरदस्त है।

यामी गौतम ने पति आदित्य को दी जन्मदिन की बधाई

बताया बेस्ट पति और पिता

अभिनेत्री यामी गौतम ने पति आदित्य धर को 42वें जन्मदिन पर खूबसूरत अंदाज में जन्मदिन की शुभकामनाएं दी। आदित्य को बेस्ट पिता और बेस्ट पति बताते हुए यामी ने कहा कि वो जीनियस हैं, उनका दिल बहुत बड़ा है।

यामी ने पति को जन्मदिन की बधाई देने के लिए इंस्टाग्राम का सहारा लिया। आदित्य के साथ दो तस्वीर शेयर करते हुए यामी ने उनके प्रति अपने प्रेम और भावनाओं को व्यक्त किया। अभिनेत्री ने प्यारी पंक्तियों के साथ लिखा, मेरे दिल को जन्मदिन की ढेरों शुभकामनाएं। आप नई फिल्मों के साथ दर्शकों को एक नया और मैजिकल अनुभव देने के लिए तैयार हैं, जिसका सभी को इंतजार है।

आदित्य की तारीफ करते हुए यामी ने आगे लिखा, आप मेरी जिंदगी में एक ऐसे शख्स हैं, जो जीनियस है और जिसका दिल बहुत बड़ा है। आप बेस्ट पति के साथ बेस्ट पिता भी हैं। एक बार फिर से आपको जन्मदिन की शुभकामनाएं आदित्य।

यामी गौतम और आदित्य धर की साल 2019 में रिलीज हुई फिल्म 'उरी: द सर्जिकल स्ट्राइक' के सेट पर मुलाकात हुई थी। आदित्य इस फिल्म के निर्देशक थे और यामी उसमें मुख्य अभिनेत्री के तौर पर थीं। दोनों के बीच दोस्ती हुई और फिर वह प्यार में बदल गई। एक-दूजे को तीन साल तक डेट करने के बाद दोनों ने 4 जून 2021 को शादी कर ली। यामी और आदित्य को एक बेटा है, जिसके बारे में जानकारी अभिनेत्री ने 20 मई को इंस्टाग्राम पोस्ट के जरिए दी थी। उन्होंने बेटे का नाम वेदविद रखा है।

वर्कफ्रंट की बात करें तो यामी की हालिया रिलीज 'धूम धाम' है, जिसमें उन्होंने एक सुशील और संस्कारी कोयल चड्ढा की भूमिका निभाई है। रोमांटिक-कॉमेडी में यामी के साथ प्रतीक गांधी भी हैं। फिल्म 14 फरवरी 2025 को नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुई थी।

श्रेया घोषाल को 'इंडियन आइडल' के मंच पर अपने माता-पिता को देखकर '5 साल की बच्ची' जैसा महसूस हुआ

श्रेया घोषाल के लिए 'इंडियन आइडल 15' का मंच एक भावुक पल लेकर आया, जब उन्होंने अपने माता-पिता को वहां देखा।

इस खास मौके को याद करते हुए श्रेया ने कहा कि उन्हें लगा जैसे वह फिर से पांच साल की बच्ची बन गई हों। उनके बचपन की यादें और माता-पिता का प्रभाव उनके मन में उमड़ पड़ा। श्रेया ने अपने जन्मदिन का एक प्यारा वीडियो सोशल मीडिया प्लेटफार्म इंस्टाग्राम पर साझा किया, जो 'इंडियन आइडल' के सेट पर मनाया गया था।

इस वीडियो के साथ उन्होंने लिखा, इंडियन आइडल के सेट पर मेरे जन्मदिन पर ढेरों प्यारे सरप्राइज मिले। जब मैंने अपने माता-पिता को मंच पर देखा, तो खुशी के आंसू आ गए और मुझे लगा जैसे मैं फिर से पांच साल की हो गई हूं। पूरा जीवन आंखों के सामने घूम गया। टीम के हर सदस्य, मेरे दोस्तों और कंटेस्टेंट्स ने इसे बहुत खास बना दिया! आप सभी को प्यार भगवान की कृपा मुझ पर बनी रही है। वीडियो में दिखाया गया कि कैसे श्रेया को सेट पर एक प्यारा सरप्राइज मिला। जब उन्होंने अपने माता-पिता को मंच पर देखा, तो वह भावुक हो गईं। क्लिप में वह अपने परिवार और साथी जजों के साथ केक काटती भी नजर आईं। श्रेया घोषाल ने 12 मार्च को अपना जन्मदिन मनाया।

इसके साथ ही, हाल ही में उन्होंने आईफा 2025 में शानदार परफॉर्मेंस दी। उन्होंने एक वीडियो भी साझा किया, जिसमें शाहरुख खान मीडिया के सामने पोज देने के बाद उनके पास आए। साथ ही, उन्होंने ग्रीन कार्पेट से शाहरुख के साथ एक तस्वीर भी पोस्ट की।

श्रेया ने इस पोस्ट के कैप्शन में लिखा, यह मेरे जीवन का सबसे खास पल था। उनकी सादगी और स्नेह हमेशा मन मोह लेते हैं। सुपरस्टार शाहरुख खान को सब प्यार करते हैं, इसका कारण यही है! आईफा के ग्रीन कार्पेट पर उन्होंने मुझे गले लगाया और आशीर्वाद देते हुए पूछा, 'बेटा, कैसी हो?' यह पल हमेशा मेरी यादों में रहेगा।

हारमोनी सिंगिंग स्टूडियो में संगीतमय कार्यक्रम

पंचम आर्ट्स के तत्वावधान में बेगमबाजार, हैदराबाद स्थित हारमोनी सिंगिंग स्टूडियो में शंकर जयकिशन और मास्टर साहब गुरु शिक्षा की राह संगीतमय कार्यक्रम आयोजित किया गया। पंचम आर्ट्स के सर्वेसर्वा नवनीत झंवर ने बताया कि उनके संगीत गुरु स्व. पंडित पी. अंबाजी राव की 8वीं पुण्य स्मृति के अवसर पर शंकर जयकिशन द्वारा संगीतबद्ध किये फिल्मी गीत गाकर गुरुजी को समर्पित किए गए।

गीतों की प्रस्तुति अतिथि कलाकार अशोक बंसल एवं दिलीप जैन तथा सुश्री निशिता घोष, श्रीनिवास शर्मा, त्रिशूल सिंह चंद्रप्रकाश, सदानंद, राजन सिंह, दीपक विजयवर्गीय ने विभिन्न फिल्मी गीतों की सुंदर प्रस्तुति देकर श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया तथा अपनी मधुर वाणी द्वारा गुरुजी को गीत समर्पित किए।मंच संचालन नवनीत झंवर ने बहुत ही सुंदर अंदाज में किया जिसे सबने खूब सराहा।

इस अवसर पर अशोक बंसल दिलीप जैन एवं सुरेंद्र जैन का मोती की माला एवं शॉल द्वारा सम्मान किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित रहने वाले श्रोताओं में मुख्यता ममता झवर, विजये व्यास, दीपक, सुरेंद्र जैन, बालाजी, अनिल कुमार, नवीन कुमार एवं अन्य उपस्थित थे। कार्यक्रम की अंतिम कड़ी में नवनीत झंवर ने पधारे सभी अतिथि, गायक गायिका एवं संगीत प्रेमियों का आभार व्यक्त किया।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आप आपको आत्मविश्वास से साथ दिन की शुरुआत करने की जरुरत हैं आप एक से अधिक प्रोजेक्ट में शामिल होंगे और समय की कमी भी महसूस कर सकते हैं. वित्तीय स्थिति में सुधार होना तय है और आपको आय का एक अतिरिक्त रास्ता भी मिल सकता है. यदि आप परीक्षा या प्रतियोगिता के माध्यम से अपनी स्थिति को बढ़ाना चाहते हैं तो अपने मन को एकाग्र रखें प्रत्येक बिंदु पर ध्यान देने की जरुरत हैं । आपको अपने जीवनसाथी का पूरा साथ मिलेगा. प्रेम संबंध मजबूत होंगे. व्यायाम करते रहें स्वास्थ्य अच्छा रहेगा।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आज कारोबार की शुरुआत कुछ धीमी रहेगी आपको अपने क्रोध पर संयम बरतने की आवश्यकता हैं, वरना व्यर्थ विवाद में फंस सकते हैं । दोपहर के बाद धन का आगमन होगा. किसी महत्वपूर्ण व्यक्ति से मुलाकात हो सकती है. संतान की शिक्षा पर व्यय बढ़ेगा. आपकी निर्णय लेने की क्षमता और पराक्रम में वृद्धि होगी. आज किसी पुराने मित्र से मुलाकात होने के भी योग हैं प्रेमी जोडों को आपस मे मिलने का सही समय हैं एक दूसरे को मन की बात कहने से पीछे नही हटना चाहिए ।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

आज का दिन आपकी परेशानी को दूर करेगा आपकी सारी इच्छाओं की पूर्ति हो सकती है. बिजनेस के सिलसिले में आपकी यात्रा हो सकती है. साथ ही यात्रा सुखद रहेगी. संतान पक्ष से सुख की अनुभूति हो सकती है, जिससे आपके खुशियों में इजाफा होगा. ऑफिस में आपको जिम्मेदारी वाला काम मिलेगा, जिसे पूरा करने पर फायदा होगा. गणेश जी के मंत्र का जप करें कार्यसिद्धि होगी।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज का दिन सफलता वाला रहेगा श्रेष्ठ परिणाम रहेंगे . परीक्षा या नौकरी की तलाश करने वाले या अपना खुद का व्यवसाय शुरू करने के इच्छुक लोगों को सतत प्रयास करने जरुरत हैं. क्योंकि आने वाले समय में सफलता आपके साथ होगी. व्यवसाय विस्तार की योजना संभव है. आर्थिक स्थिति सामान्य रहेगी. आप अपने समर्पण और कड़ी मेहनत से दूसरों से आगे रहेंगे. पारिवारिक जीवन सामंजस्यपूर्ण होगा और पारीवारिक सदस्यों के मध्य एकता रहें । आप का परिवार का स्वास्थ्य भी अच्छा रहेगा।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आज आप को कड़ी मेहनत करने की जरूरत है और इसके कारण आप अधिक तनाव मे रहेंगे और बेचैन होंगे. बेरोजगारी दूर होगी. कोई बड़ा काम होगा. भेंट व उपहार की प्राप्ति होगी. यात्रा लाभदायक रहेगी. आपके छोटे भाई या बहन का समर्थन आप को आत्मविश्वास देगा. अतिरिक्त काम में किसी की मदद मिल सकती है. पुराने कुछ मामलों में अनबन खत्म हो सकती है. दूसरो की समज को भी नजरअंदाज नही करना चाहिए ।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज एकाएक आपको अचानक धन लाभ होगा. ऑफिस के कुछ सहकर्मी आपके काम में सपोर्ट करेंगे, जिससे आपका काम जल्दी पूरा हो जायेगा. किसी ऐसे व्यक्ति से मुलाकात होगी, जो आगे आने वाले दिनों में आपकी मदद करेगा. आपके सोचे हुए काम आसानी से पूरे होंगे. नौकरी या बिजनेस में आप जो भी काम हाथ में लेंगे, उसमें आपको पूरा सफलता मिलेगी. अपनी सामर्थ्य अनुसार मंदिर मे दान करें।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आप को सामाजिक तौर पर फायदा होगा राजनीति क्षेत्र मे जमीन तलाश कर सकते हैं जीवन में कुछ बेहतरीन अवसर प्राप्त हो सकते हैं, जिनका उपयोग आप अपने लाभ के लिए कर सकते हैं. किसी बुद्धिमान व्यक्ति से मिलने वाली महत्वपूर्ण सलाह पर ध्यान देना चाहिए क्योंकि आप उससे अत्यधिक लाभ अर्जित कर सकते हैं. विचारों का आदान–प्रदान भी आपको बहुत लाभ दिला सकता है. आपको अपने पिता के सुझाव का स्वागत किया जाना चाहिए क्योंकि यह आपके लिए कुछ नए वित्तीय मार्ग खोलने में मदद कर सकते हैं. परिवार की महिला का स्वास्थ्य आप को चिंता मे डाल सकता है।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज किसी पर भी आप को भरोसा नही करना चाहिए पारिवारिक वातावरण सुखद रहेगा. प्रभावशाली व्यक्तियों का सहयोग व मार्गदर्शन प्राप्त होगा. अपने आत्मविश्वास पर आप को आगे बढना चाहिए उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे. व्यर्थ की बातों पर ध्यान न दें. रुके हुए काम पूरे होने की संभावना है.गाय को गुड खिलाए और चिंटियों शक्कर डालें ।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज सुबह धार्मिक ग्रंथों का अवलोकन करना चाहिए विचारों मे सात्विकता रहेगी मित्रो के साथ समय बितेगा , जिससे घर में खुशियों का माहौल बन जायेगा. आप बच्चों को कुछ उपहार जरूर दें बच्चे पढ़ाई में महनत करते रहेंगे टीचर्स भी सहायता करेंगे. जिससे बच्चों का रुझान पढ़ाई में बढ़ेगा. आप कोई नया काम करने की सोचेंगे. शिवजी के सन्मुख तिल के तेल का दीपक प्रज्वलित करें।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आप अपने अलग अलग व्यापार का एक मे विलय कर सकते । कठिन समय है, कार्य स्थल पर बार–बार परिवर्तन आपको भ्रमित कर सकता है. प्रेम संबंधों के लिए यह एक अच्छा समय है. आप का परिवार के साथ तीर्थ यात्रा पर जाने का योग बनेगा विवाहित सम्बन्ध मे तनाव हो सकता हैं परंतु आप का मौन और संयम तनाव का अंत सुखद बना देगा बच्चे आपको व्यस्त और खुश रखेंगे. स्वास्थ्य मजबूत रहेगा । शाम के समय मे मन भी प्रफुल्लित रहेगा ।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आज सभी ओर से खुशी का वातावरण रहेगा पारिवारिक जीवन मे संतुष्टि रहेगी एवं आपस मे सौहार्दपूर्ण माहौल रहेगा. जीवन की सबसे चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में आपको अपने जीवनसाथी से पूरा सहयोग मिलेगा. छोटी–मोटी नोंक–झोंक को नजरअंदाज करना चाहिए दूसरों के काम में दखल न दें. झंझटों से दूर रहें. विवाद को बढ़ावा न दें । आज आप व्यर्थ की बातों पर ध्यान न दें.आप के प्रयास धन की किल्लत को दूर करेंगे नौकरी की समस्या हल होगी ।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आज किसी मित्र के यहा हवन का आयोजन बन सकता हैं आप की व्यस्तता भी रहेगी फिर भी आपका दिन खुशनुमा रहेगा. आपका आर्थिक पक्ष मजबूत रहेगा. ऑफिस में आपके काम को लेकर सीनियर्स आपकी तारीफ कर सकते हैं. छात्रों के लिए आज का दिन अच्छा रहेगा. साथ ही कोई शुभ समाचार भी मिल सकता है. नंदी को चावल का भूसा खिलाए आर्थिक संकट दूर होगा

शुक्रवार का पंचांग

दिनांक : 14 मार्च 2025 , शुक्रवार
विक्रम संवत : 2081
मास : फाल्गुन , शुक्ल पक्ष
तिथि : पूर्णिमा दोपहर 12:27 तक
नक्षत्र : उत्तराफाल्गुनी अहोरात्र
योग : शूल दोपहर 01:22 तक
करण : बव दोपहर 12:27 तक
चन्द्रराशि : सिंह दोपहर 12:27 तक
सूर्योदय : 06:24 , सूर्यास्त 06:25 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:27, सूर्यास्त 06:30 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:20 , सूर्यास्त 06:22 (तिरुपति)
सूर्योदय : 06:16 , सूर्यास्त 06:17 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

शुभ : 06:00 से 07:30
चंचल : 06:00 से 07:30
लाभ : 07:30 से 09:00
अमृत : 09:00 से 10:30
शुभ : 12:00 से 01:30
राहुकाल : प्रातः 10:30 से 12:00
दिशाशूल : पश्चिम दिशा
उपाय : दूध पीकर यात्रा करें
दिन विशेष : फाल्गुन पूर्णिमा पुण्य , मीन संक्रांति सायं 06:50

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *
पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

भजनलाल ने बम म्यूजिक पार्टी का बजाया नगाड़ा, फूलों की होली खेली

भरतपुर,13 मार्च (एजेंसियां)। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने होली के पर्व को प्रदेशवासियों के साथ अनोखे अंदाज में मनाया। अपने डीग जिले के दौरे पर पहुंचे मुख्यमंत्री ने पूछरी के लोटा में मुकुट मुखारविंद जाकर परिवार और विधायकों के साथ पूजा–अर्चना की। इसके बाद वे श्रीनाथजी मंदिर पहुंचे, जहां प्रदेश की सुख–शांति की कामना के साथ भक्तों का अभिवादन किया और होली की शुभकामनाएं दीं।

मुख्यमंत्री ने मंदिर परिसर में फूलों की होली खेली, जहां उन्होंने मंच से उतरकर लोगों पर फूल बरसाए और जनता के साथ रंगों के इस पर्व का आनंद उठाया। पहली बार ऐसा देखने को मिला जब कोई मुख्यमंत्री इस तरह जनता के बीच आकर होली के उत्सव में शामिल हुआ। इस दौरान बम म्यूजिक पार्टी का नगाड़ा बजाते हुए मुख्यमंत्री ने लोगों के साथ ताल से ताल मिलाई। मुख्यमंत्री के इस अनोखे अंदाज को देख लोग काफी उत्साहित दिखे और उन्होंने भी उन पर फूल बरसाए।

कार्यक्रम में डीग–कुम्हेर विधायक डॉ. शैलेश सिंह, बयाना विधायक बहादुर सिंह कोली, राज्य मंत्री जवाहर सिंह, भाजपा के जिला अध्यक्ष सहित कई गणमान्य नेता उपस्थित रहे। मुख्यमंत्री ने इस शानदार आयोजन के बाद रामकृष्ण करते हुए जयपुर के लिए प्रस्थान किया।

जयपुर के गोदाम में भीषण आग

जयपुर,13 मार्च (एजेंसियां)। जयपुर के मुरलीपुरा थाना क्षेत्र में स्थित रोड नंबर 12 के पास मौजूद फैन बेल्ट के गोदाम में गुरुवार सुबह भीषण आग लग गई। बताया जा रहा है कि मौके पर दमकल की 30 से अधिक गाड़ियां मौजूद हैं।

दरअसल, सर्किल इंस्पेक्टर वीरेंद्र कुरील को आग लगने की सूचना सबसे पहले मिली थी। घटना का पता चलते ही वे पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। इसके बाद दमकल की 30 से अधिक गाड़ियां भी मौके पर पहुंची और उन्होंने आग को बुझाने का प्रयास किया।सीआई कुरील के अनुसार, दमकल विभाग को तुरंत सूचना दी गई और वे आपातकालीन प्रतिक्रिया टीमों के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। आग यूको बैंक की शाखा वाली इमारत की पहली मंजिल पर स्थित गोदाम में लगी है।

आग लगने के बाद एहतियात के तौर पर आसपास के इलाके से लोगों को तुरंत बाहर निकाला गया। हालांकि, दमकल की 30 से अधिक गाड़ियां मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पाने का प्रयास कर रही हैं, लेकिन अभी तक आग पर काबू नहीं पाया जा सका है।अधिकारियों ने बताया कि फैन बेल्ट गोदाम यूको बैंक के ऊपर बना था और भीषण आग के कारण वहां अफरा–तफरी मच गई। इस बीच, पुलिस ने दोनों तरफ का ट्रैफिक डायवर्ट कर दिया है।

लोगों को निकाला बाहर

इसके अलावा, पुलिस ने इलाके की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए आसपास की बिजली सेवाओं को बंद कर दिया है। साथ ही प्रभावित क्षेत्र की घेराबंदी की गई है।वहीं, आग के कारण स्थानीय लोगों में दहशत फैल गई, लेकिन अधिकारियों ने तुरंत ही आसपास की जगहों को खाली कराया और स्थिति को नियंत्रित किया।अग्निशमन अभियान को सुविधाजनक बनाने के लिए घटनास्थल की ओर जाने वाले यातायात को भी डायवर्ट कर दिया गया है।अधिकारियों ने बताया कि आग बुझाने के प्रयास अभी भी जारी हैं।

बता दें कि कुछ महीने पहले भी एक भीषण आग में कुल 21 लोगों की जान चली गई थी। पेट्रोलियम गैस (एलपीजी) ले जा रहा एक टैंकर हाईवे पर यू–टर्न ले रहा था और विपरीत दिशा से आ रहे ट्रक से वह टकरा गया था।

दीया कुमारी ने हिंगोनिया गौ पुनर्वास केंद्र में बैंबू ट्रेनिंग सेंटर का किया शुभारम्भ

जयपुर,13 मार्च (एजेंसियां)। उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी ने अपने कर कमलों से हिंगोनिया गौ पुनर्वास केंद्र में बैंबू ट्रेनिंग सेंटर का शुभारम्भ किया। यह ईको फ्रेंडली सेंटर विशेष कर बांस की लकड़ी से तैयार किया गया है जो की पूरे राजस्थान के लिए अनूठी सौगात है। हिंगोनिया गौ पुनर्वास केंद्र वर्षों से गौसेवा के प्रति समर्पित है और पर्यावरण संरक्षण के प्रति अहम् भूमिका निभा रहा है। बैंबू ट्रेनिंग सेंटर का उद्देश्य लोगों को प्रकृति से जोड़ना है, वायु प्रदूषण को रोकने के लिए आज होली के पावन पर्व पर गौ पुनर्वास केंद्र में 12500 पेड़ भी लगाये गए।

उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी ने वृक्षारोपण करते हुए आमजन को वायु प्रदूषण को रोकने का सन्देश दिया। उन्होंने हिंगोनिया गौ पुनर्वास केंद्र के प्रबंधन को इस पुनीत कार्य के लिए शुभकामनायें दी, उन्होंने कहा की केंद्र की इस पहल से जन मानस में एक अच्छा सन्देश जाएगा। लोग गौ सेवा और पर्यावरण संरक्षण के महत्त्व को समझेंगे जिससे पूरे राजस्थान में हरियाली बढ़ेगी। ईको फ्रेंडली बैंबू ट्रेनिंग सेंटर लोगों को प्रकृति के और करीब ले जाएगा जिससे उनके स्वास्थ्य में सुधार होगा और पूरा प्रदेश प्रगति के नए सौपान रचेगा। गौरतलब है की वर्तमान में हिंगोनिया गौ पुनर्वास केंद्र में 15 हज़ार से अधिक गौवंश हैं। केंद्र में वृक्षारोपण से भूमि बंजर नहीं होगी, इसका कटाव रुकेगा और क्षेत्र में हरियाली का प्रसार होगा।

हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने गुरुवार दि.13 मार्च को हरियाणा राजभवन, चंडीगढ़ में होली समारोह का आयोजन किया। इस अवसर पर हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, हरियाणा विधानसभा के अध्यक्ष हरविंदर कल्याण और अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने भाग लिया।

होली पर्व समाज को एकता के सूत्र में बंधने का देता है संदेश : नायब सैनी

चंडीगढ़,13 मार्च (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि होली का पावन पर्व समाज को एकता के सूत्र में बांधने का एक अनोखा संदेश देता है। इस पावन पर्व पर होलिका दहन की लपटों में समाज की तमाम बुराईयां नष्ट हो जाती है और होली के रंगों की तरह समाज खिल उठता है। इन्हीं पावन पर्वों, तीज और त्यौहारों से हरियाणा की सांस्कृतिक विरासत देश में सबसे अनोखी है।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी वीरवार को देर सायं लाडवा (कुरुक्षेत्र) में एक निजी पैलेस में होली पर्व पर आयोजित कार्यक्रम में बोल रहे थे। इससे पहले मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, व हरियाणा बाल कल्याण परिषद की उपाध्यक्ष श्रीमती सुमन सैनी ने हल्का लाडवा के नागरिकों के साथ फूलों की होली खेली और एक–एक नागरिक से मिलकर होली के पावन पर्व की बधाई और शुभकामनाएं दी है। इतना ही नहीं मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने होली के पावन पर्व पर लोक कलाकारों के सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आनंद लिया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि लाडवा के अपने परिवार के सदस्यों के बीच होली का पर्व मनाकर अपने आप को गौरवान्वित महसूस कर रहे है। इस पावन पर्व के साथ देश की संस्कृति का अनोखा संगम है। इस पावन पर्व पर सभी नागरिक जात–पात, लड़ाई झगडे भूलकर भाईचारे की भावना के साथ एक दूसरे को रंग लगाते है। इस रंग से समाज में शांति और सौहार्दपूर्ण वातावरण बनता है। इस पर्व के साथ एकता और सहयोग की अटूट धारा बहती है। यह पर्व दुनिया का सबसे अनोखा पर्व है।

पंचायती राज संस्थाओं में आरक्षण 33 से बढ़ाकर 50 प्रतिशत किया : बंडारू

चंडीगढ़,13 मार्च (एजेंसियां)। हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने कहा कि हरियाणा राज्य में पंचायती राज संस्थाओं एवं स्थानीय नगर निकायों में चुनावों में प्रतिभागियों के लिए आवश्यक शैक्षणिक योग्यता लागू करने की पहल करने वाला देश का पहला राज्य बना, जिससे प्रत्याशियों की गुणवत्ता में सुधार हुआ है। शैक्षणिक योग्यता अनिवार्य होने के उपरान्त चुनाव में युवाओं की भागीदारी भी बढ़ी है। उन्होंने कहा कि राज्य में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने के लिए राज्य सरकार ने पंचायती राज संस्थाओं में आरक्षण 33 प्रतिशत से बढ़ाकर 50 प्रतिशत किया है। इसी प्रकार शहरी स्थानीय निकायों में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण का प्रावधान भी किया गया है।

राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय आज राज्य निर्वाचन आयोग, हरियाणा की स्थापना के 30 वर्ष पूर्ण होने पर पंचकूला के सेक्टर 17 स्थित आयोग कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में बतौर मुख्यातिथि बोल रहे थे। राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने राज्य निर्वाचन आयोग में नवनिर्मित

दो लिफ्टों का उद्घाटन किया। राज्यपाल ने पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए निर्वाचन सदन परिसर में पौधारोपण भी किया। इस मौके पर राज्य निर्वाचन आयोग के आयुक्त धनपत सिंह ने पीपीटी के माध्यम से आयोग की 30 वर्षों की उपलब्धियों की जानकारी राज्यपाल को दी। राज्यपाल ने कहा कि देश में पंचायती राज संस्थाओं एवं शहरी स्थानीय निकायों को संवैधानिक दर्जा प्रदान करने, उनके चुनाव नियमित रूप से करवाये जाने तथा उनकी कार्य अवधि सुनिश्चित करने के उद्देश्य से भारतीय संविधान में 73वां एवं 74वां संशोधन किया गया था। इस संशोधन से सभी राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों में पंचायती राज संस्थाओं एवं शहरी स्थानीय निकायों को मजबूत करने में सहायता मिली। उन्होंने राज्य निर्वाचन आयोग के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि वर्ष 1993 में राज्य निर्वाचन आयोग, हरियाणा का गठन किया गया। गठन के बाद से ही आयोग राज्य में समय–समय पर आम चुनावों को निष्पक्ष, पारदर्शी एवं शांतिपूर्वक तरीके से करवाने में सफल रहा है।दत्तात्रेय ने कहा कि पंचायती राज संस्थाएं एवं शहरी स्थानीय निकाय भारत के महान लोकतंत्र की बुनियाद है। कल ही प्रदेश के कई जिलों में नगर निगमों, नगर परिषदों व पालिकाओं के चुनाव स्वतंत्र, निष्पक्ष, पारदर्शी एवं शांतिपूर्वक ढंग से सम्पन्न हुए है।

कर्नाटक भाजपा के लोग बेशर्म हैं: मंत्री रामलिंगा रेड्डी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक के मंत्री रामलिंगा रेड्डी ने गुरुवार को भाजपा पर निशाना साधते हुए कांग्रेस पार्टी, मुख्यमंत्री सिद्धरामैया और उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार को राजनीतिक रूप से निशाना बनाने के उनके कथित प्रयासों को लेकर उन्हें बेशर्म कहा। सीएम सिद्धरामैया को सौंपी गई नागमोहन दास समिति की रिपोर्ट पर बोलते हुए रेड्डी ने भाजपा पर कर्नाटक में अपने चार साल के कार्यकाल के दौरान राज्य को लूटने का आरोप लगाया। रेड्डी ने कहा कर्नाटक भाजपा के लोग बेशर्म हैं। अपने चार साल के शासन में उन्होंने राज्य को लूटा। अब वे कांग्रेस पार्टी, सिद्धरामैया और डीके शिवकुमार का राजनीतिक रूप से मनोबल गिराना

चाहते हैं। मंत्री ने आगे कहा कि कर्नाटक उच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश न्यायमूर्ति नागमोहन दास द्वारा तैयार की गई रिपोर्ट राज्य मंत्रिमंडल को सौंपी जाएगी। रिपोर्ट को कैबिनेट के पास आने दें। तब लोगों को पता चलेगा कि कर्नाटक को किसने लूटा। बुधवार को, कर्नाटक उच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीश न्यायमूर्ति नागमोहन दास ने पिछली भाजपा सरकार द्वारा लिए गए 40 प्रतिशत कमीशन के आरोप पर अपनी रिपोर्ट सौंपी। 12 मार्च 2025 की तारीख वाली इस रिपोर्ट में कर्नाटक राज्य ठेकेदार संघ द्वारा लगाए गए आरोपों की जांच रिपोर्ट और नारायणपुर दाहिनी मुख्य नहर पर निर्मित उप/स्लॉट नहरों 01 से 18 के आधुनिकीकरण अनुमान सूची की जांच रिपोर्ट शामिल है। कर्नाटक राज्य ठेकेदार संघ ने शिकायत दर्ज कर आरोप लगाया कि सरकारी टेंडर कार्यों में 40 प्रतिशत से अधिक कमीशन चल रहा है। न्यायमूर्ति नागमोहन दास समिति की रिपोर्ट में सरकार से ठेकेदारों को सीधे काम देने से बचने जैसे मुद्दों की भी जांच करने की मांग की गई थी। यह समझते हुए कि जनता के बयान और विवरण बहुत महत्वपूर्ण हैं क्योंकि यह सार्वजनिक कार्यों से संबंधित आरोप है। आयोग ने इस संबंध में जनता से प्राप्त शिकायतों की गहन जांच की है और सुझावों और राय के साथ एक रिपोर्ट तैयार की है। ठेकेदार संघ के आरोपों की जांच के साथ-साथ सरकार ने कहा है कि राज्य के पांच प्रमुख विभागों में 26 जुलाई 2019 से 31 मार्च 2023 तक किए गए सभी कार्यों की जांच की जाए और एक रिपोर्ट प्रस्तुत की जाए। इस बात को ध्यान में रखते हुए आयोग ने वैज्ञानिक तरीके से जांच के लिए यादृच्छिक रूप से पूरे किए गए कार्यों का चयन किया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि इस विकल्प में सभी विभाग, सभी जिले, सभी प्रकार के कार्य और सभी मात्रा में किए गए कार्यों पर विचार किया गया है।

अनुसूचित जाति एवं जनजाति समुदायों को आवास सुविधा उपलब्ध कराने के निर्देश

बल्लारी/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति घुमंतू विकास निगम की अध्यक्ष पल्लवी जी. ने अधिकारियों को बल्लारी जिले के विभिन्न तालुकों में अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति घुमंतू समुदाय के बेघर एवं बेघर लोगों को आवास सुविधा उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। वह बुधवार को बल्लारी में अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति घुमंतू विकास निगम द्वारा क्रियान्वित विभिन्न परियोजनाओं की प्रगति समीक्षा एवं परामर्श बैठक में बोल रही थी। प्राधिकारियों को खानाबदोश समुदाय को आश्रय प्रदान करने को लेकर प्राथमिकता के रूप में विचार करना चाहिए। उन्होंने कहा कि जिले में विभिन्न खानाबदोश समुदायों की जातिगत जानकारी एकत्र करने के लिए विभिन्न विभागों के सहयोग से तालुकावार संयुक्त सर्वेक्षण कराया जाना चाहिए। इन समुदायों को सरकारी सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए जिला स्तर पर जिला कलेक्टर की अध्यक्षता में एक कार्यान्वयन समिति है, जो हर तिमाही में बैठक कर उन्हें योजनाओं का लाभ दिलाने के लिए सलाह देती है। बैठक में जिला कलेक्टर प्रशांत कुमार मिश्रा, जिला पुलिस अधीक्षक डॉ. शोभारानी वीजे, जिला पंचायत के मुख्य कार्यकारी अधिकारी मोहम्मद हैरिस सुमैर, जिला क्रियान्वयन समिति के सदस्य, विभिन्न खानाबदोश समुदायों के नेता और आमजन उपस्थित थे।

मंत्री ने सरकारी स्कूलों के विस्तार पर एडीबी बैंक के अधिकारियों से मुलाकात की

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

स्कूल शिक्षा और प्राथमिक शिक्षा मंत्री मधु बंगारप्पा ने गुरुवार को विधान सौधा में बैंक अधिकारियों और वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक की, जिसमें एशियाई विकास बैंक के साथ राज्य में कर्नाटक पब्लिक स्कूलों के विस्तार पर चर्चा की गई। कर्नाटक पब्लिक स्कूल पूर्व-प्राथमिक से पूर्व-विश्वविद्यालय स्तर तक एक ही छत के नीचे उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा प्रदान करने के नेक इरादे से खोले गए हैं।

इन स्कूलों का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में बच्चों के शैक्षिक विकास और सीखने की क्षमता को बढ़ाना है। मंत्री ने इस मामले पर व्यापक चर्चा की तथा बैठक में आवश्यक सुझाव एवं निर्देश दिए ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि बच्चे अपनी पढ़ाई में पीछे न रहें। इस अवसर पर स्कूल शिक्षा विभाग की प्रधान सचिव रश्मि महेश, सार्वजनिक शिक्षा विभाग के आयुक्त त्रिलोक चंद्र, राज्य योजना निदेशक एम. राव, धारवाड़ संभाग की अतिरिक्त आयुक्त जयश्री शिंत्री और कलबुर्गी संभाग के अतिरिक्त आयुक्त डॉ. आकाश आदि उपस्थित थे।

मुर्दों के इलाज के नाम पर पैसे की उगाही और फर्जीवाड़ा का मामला

एनएचआरसी, बीएचआरसी और यूपीएचआरसी में याचिका हुई दायर

मुज्जफरपुर (एजेंसियां)।

उत्तर प्रदेश और बिहार के सरकारी व निजी अस्पतालों में कथित रूप से मुर्दों के इलाज और इस आड़ में चल रहे गोरखधंधे का मामला उजागर हुआ है। इस गंभीर प्रकरण को लेकर मानवाधिकार अधिवक्ता डॉ. एस.के. झा ने राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग , बिहार राज्य मानवाधिकार आयोग (इकठउ) और उत्तर प्रदेश राज्य मानवाधिकार आयोग (णझकठउ) में तीन अलग-अलग याचिकाएं दायर की हैं।

हाल ही में यह चौंकाने वाला खुलासा हुआ कि बिहार और उत्तर प्रदेश के कई सरकारी व निजी अस्पतालों में मृत व्यक्तियों के इलाज के नाम पर पैसे की उगाही और फर्जीवाड़ा किया जा रहा है। जांच में यह भी सामने आया कि

ऑपरेशन और अन्य चिकित्सीय प्रक्रियाओं के दौरान अस्पतालों के कर्मी और चिकित्सक इस तरह की धोखाधड़ी में संलिप्त हैं। इन घटनाओं को गुप्त कैमरों की मदद से रिकॉर्ड किया गया, जिससे यह सनसनीखेज मामला सामने आया।

डॉ. एस.के. झा ने इस पूरे प्रकरण को मानवाधिकार कानून और चिकित्सकीय आचार संहिता का घोर उल्लंघन बताया है। उन्होंने अपनी याचिका में यह मांग की है कि गहराई से जांच हो और पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों की पहचान की जाए। आगे ये भी कहा गया है कि जिन अस्पतालों और चिकित्सकों ने इस फर्जीवाड़े में भूमिका निभाई है, उनके खिलाफ कठोर कानूनी कार्रवाई की जाए।

कहा जा रहा है कि यह मामला केवल आर्थिक धोखाधड़ी ही नहीं, बल्कि चिकित्सा जगत की साख पर भी गंभीर प्रश्नचिह्न लगाता है, इसलिए मानवाधिकार आयोग को इसे गंभीरता से लेना चाहिए। डॉ. झा ने कहा कि यह मामला संज्ञेय अपराध की श्रेणी में आता है और इसमें दोषियों पर आपराधिक धाराओं के तहत कार्रवाई होनी चाहिए। अब यह देखना होगा कि मानवाधिकार आयोग इस पर क्या रुख अपनाता है और कब तक इस पर ठोस कदम उठाए जाते हैं।

शराब पार्टी के दौरान युवक की गला दबाकर हत्या

भागलपुर (एजेंसियां)।

भागलपुर जिले के कहलगांव थाना क्षेत्र के श्यामपुर पंचायत अंतर्गत गगलदेई गांव में एक युवक की गला दबाकर हत्या कर दी गई। गुरुवार सुबह ग्रामीणों ने शव बहियार में देखा और तुरंत पुलिस को सूचना दी।

मृतक की पहचान गगलदेई गांव निवासी जागो मंडल के 35 वर्षीय पुत्र सौरभ कुमार के रूप में हुई है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। फिलहाल मृतक के परिजनों द्वारा पुलिस को कोई लिखित शिकायत नहीं दी गई है।

बुधवार रात करीब 11 बजे सौरभ अपने तीन दोस्तों के साथ गांव के समीप धागढशाही बस्ती में शराब पीने गया था।

बिहार सरकार ने 2022-2024 के परिपत्रों का संकलन किया जारी, प्रशासनिक कामकाज होगा आसान

पटना (एजेंसियां)।

बिहार सरकार के सामान्य प्रशासन विभाग (ऋअऊ) ने 2022 से 2024 तक जारी सभी परिपत्रों को एक जगह संकलित कर सार्वजनिक कर दिया है। इससे सरकारी कामकाज में पारदर्शिता आएगी और प्रशासनिक प्रक्रियाओं को समझना और लागू करना आसान होगा। इस संकलन का उद्घाटन भूमि एवं राजस्व विभाग के अपर मुख्य सचिव दीपक सिंह ने किया।

दीपक सिंह ने कहा कि यह संकलन सरकारी आदेशों और नीतियों को संरक्षित रखने में मदद करेगा। इससे आने वाले समय में अधिकारी और आम जनता दोनों को जरूरी सरकारी निर्देश आसानी से मिल सकेंगे।

इससे प्रशासनिक कामकाज में पारदर्शिता आएगी और कोई भी जरूरी सूचना इधर-उधर भटकने की बजाय एक ही जगह मिलेगी।

यह संकलन सरकारी अधिकारियों और आम जनता दोनों के लिए उपयोगी रहेगा। इससे नीति निर्माण, निर्णय लेने और नियमों के अनुपालन में मदद मिलेगी। खासतौर पर नए अधिकारियों के लिए यह एक गाइड की तरह काम करेगा, जिससे उन्हें पुराने आदेशों और दिशा-निर्देशों को समझने में आसानी होगी।

दीपक सिंह ने कहा कि इसे और ज्यादा उपयोगकर्ता अनुकूल बनाने की जरूरत है।

इसके लिए उन्होंने कुछ सुझाव दिए, जैसे इसमें आसान नेविगेशन के लिए ड्रॉपडाउन मेन्यू जोड़ा जाए, हिंदी और अंग्रेजी दोनों भाषाओं में कीवर्ड सर्च की सुविधा दी जाए, और सभी मास्टर परिपत्रों को एक साथ समूहबद्ध किया जाए, ताकि कोई भी आसानी से इन्हें ढूंढ सके।

इस मौके पर कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे, जिनमें अपर मुख्य सचिव (सामान्य प्रशासन विभाग) डॉ. बी. राजेंदर, प्रधान सचिव (खाद्य एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग) डॉ. एन. सरवण कुमार, सचिव (विधि विभाग) अंजनी कुमार सिंह, सचिव (ग्रामीण विकास विभाग) लोकेश सिंह और विशेष सचिव (सामान्य प्रशासन विभाग) रचना पाटिल शामिल थे।

इस संकलन के जरिए सरकारी आदेशों और नियमों को एक जगह संगृहित कर दिया गया है, जिससे प्रशासनिक प्रक्रियाएं पहले से ज्यादा पारदर्शी और प्रभावी होंगी।

इससे सरकारी आदेशों को समझना और लागू करना भी आसान होगा, जिससे बिहार में प्रशासनिक कामकाज में सुधार होगा।

हम स्वतंत्र और पारदर्शी तरीके से करते हैं काम: प्रियांक खड़गे

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक के मंत्री प्रियांक खड़गे ने गुरुवार को रान्या राव मामले में सीआईडी जांच वापस लेने के राज्य सरकार के फैसले पर टिप्पणी करते हुए कहा कि यह सरकार के विशेषाधिकार में आता है। यह सरकार का विशेषाधिकार है। सीबीआई और डीआरआई मामले की जांच कर रहे हैं। विपक्ष यह कहते हुए जोरदार तरीके से हमला कर रहा था कि हम जांच को बाधित करने की कोशिश कर रहे हैं।

किसी के दबाव में आने का कोई सवाल ही नहीं है। हम स्वतंत्र और पारदर्शी तरीके से काम करते हैं। कर्नाटक सरकार विपक्ष के इशारे या आलोचना पर काम नहीं करती है।

एएसआई की हत्या मामले में छह गिरफ्तार, मुख्य आरोपी अभी भी फरार, तलाश में जुटी पुलिस

पूर्णिया (एजेंसियां)।

अररिया जिले के फुलकाहा थाना में तैनात एएसआई राजीव रंजन मल्ल की मौत के मामले में छह लोगों को गिरफ्तार किया गया है। यह घटना एक आरोपी को गिरफ्तार करने के दौरान हुई। भीड़ ने पुलिस पर हमला कर आरोपी को छुड़ा लिया और इसी दौरान हुए मारपीट में एएसआई मल्ल की मौत हो गई। इस मामले में 18 लोगों के नाम और 20-25 अज्ञात लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज किया गया है। अररिया एसपी ने बताया कि मामले में प्राथमिकी कांड संख्या 40/25 दिनांक 13/03/25 धारा 191(2), 190, 126(2), 115(2), 303(2), 105, 121(1), 121(2), 132, 324(4), 352, 351(2), 61(2) बीएनएस के तहत दर्ज किया गया है। एसआईटी का भी गठन किया गया है। फिलहाल आगे की जांच की जा रही है। डीएम और

एसपी समेत कई अधिकारियों ने मृतक एएसआई को श्रद्धांजलि दी।

फुलकाहा थाना क्षेत्र में ड्यूटी पर तैनात एएसआई राजीव रंजन मल्ल कुख्यात अपराधी अनमोल यादव को गिरफ्तार करने गये थे, जिस पर मद्य निषेध, एनडीपीएस और आर्म्स एक्ट के तहत कई मामले दर्ज थे। लक्ष्मीपुर वार्ड नंबर 15 में जब पुलिस अनमोल को पकड़कर ले जा रही थी, तभी वहां मौजूद भीड़ ने पुलिस पर हमला बोल दिया।

भीड़ ने अनमोल को पुलिस से छुड़ा लिया और इसी दौरान एएसआई मल्ल के साथ धक्का-मुक्की करने लगी। इस घटना में एएसआई मल्ल बेहोश होकर गिर पड़े। उन्हें तुरंत सदर अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

इस घटना के बाद पूरे इलाके में तनाव का माहौल है। पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए छह लोगों को गिरफ्तार किया है।

गिरफ्तार किए गए लोगों में ललित कुमार यादव, प्रभु कुमार यादव, प्रमोद कुमार यादव, शंभू यादव, कुंदन यादव और ललन कुमार यादव शामिल हैं। पुलिस ने 18 नामजद और 20-25 अज्ञात लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज किया है। एसपी अंजनी कुमार ने बताया कि फारबिसगंज एसडीपीओ मुकेश कुमार साहा के नेतृत्व में एक एसआईटी का गठन किया गया है। यह टीम बाकी आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी कर रही है। वहीं डीएम अनिल कुमार ने इस घटना की निंदा करते हुए कहा कि इस तरह की घटना बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने यह भी कहा कि इस तरह की घटना करने वालों को किसी भी हालत में बख्शा नहीं जाएगा।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com